नई दिल्ली
रविवार 25 जनवरी 2026
माघ मास, शुक्ल पक्ष,
सप्तमी वर्ष : 29, अंक : 283
पृष्ठ : 12 मूल्य : 2.00

मौसम
अधि. 18
न्यून. 06

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

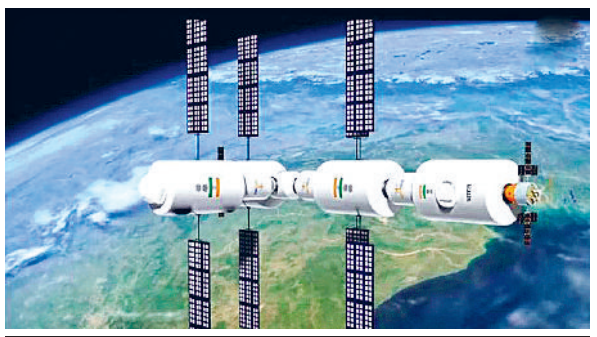

इसरो की महत्वाकांक्षी परियोजना शुरू

स्थाई स्वदेशी स्पेस स्टेशन निर्माण के लिए बुलाई निविदा

इसरो कंपनियों को कच्चा माल तकनीकी ड्रॉइंग और थ्री-डी मॉडल देगा

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन (बीएएस) की आधारशिला रखने की प्रक्रिया तेज कर दी है। योजना के अनुसार, इसका पहला मॉड्यूल वर्ष 2028 तक अंतरिक्ष में भेजा जाएगा, जबकि 2035 तक इसे पूरी तरह से वर्किंग स्पेस स्टेशन के रूप में विकसित किया जाएगा। इसरो के विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र ने हाल ही में भारतीय कंपनियों से 'एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट (इओआई)' जारी कर बीएएस-01 नामक पहले मॉड्यूल के निर्माण में भागीदारी के लिए आमंत्रित किया है।

यह पहली बार है जब भारत ने अपने स्थाई मानवयुक्त अंतरिक्ष स्टेशन के निर्माण की दिशा में औपचारिक और ठोस कदम उठाया है। बीएएस के माध्यम से लक्ष्य अंतरिक्ष में ▸▸ शेष पेज 7 पर

उच्च मानकों का पालन करना होगा

इसरो ने दो पूर्ण सेट मॉड्यूल धरती पर तैयार करने की योजना बनाई है, ताकि परीक्षण और गुणवत्ता मूल्यांकन के बाद सर्वश्रेष्ठ हार्डवेयर को अंतरिक्ष में भेजा जा सके। यह कार्य सामान्य निर्माण प्रक्रिया से कहीं अधिक जटिल है। कंपनियों को विशेष वेल्डिंग तकनीकों का विकास करना होगा और उच्च मानकों का पालन करना होगा। आधे मिलीमीटर की भी त्रुटि स्वीकार्य नहीं होगी।

पूरी तरह से स्वदेशी

इस परियोजना की एक खास बात यह है कि यह पूरी तरह भारतीय प्रयास होगा। सरकार की ओर से उत्पादन सुविधाएं स्थापित करने के लिए कोई वित्तीय सहायता नहीं दी जाएगी और न ही किसी महत्वपूर्ण प्रक्रिया को आउटसोर्स करने की अनुमति होगी। इसरो कंपनियों को कच्चा माल, तकनीकी ड्रॉइंग और थ्री-डी मॉडल उपलब्ध कराएगा। लेकिन उच्च गुणवत्ता वाला हार्डवेयर समय पर तैयार करने की पूरी जिम्मेदारी चयनित कंपनियों की होगी।

बीएएस-01 नामक मॉड्यूल का निर्माण किया जाएगा

बीएएस-01 मॉड्यूल का स्ट्रक्चर अल्ट्रा मॉडर्न होगा। प्रत्येक मॉड्यूल का व्यास लगभग 3.8 मीटर और ऊंचाई करीब 8 मीटर होगी। इन्हें हाई-पावर्ड एल्यूमिनियम एलॉय (एए-2219) से तैयार किया जाएगा, जो ह्यूमन मिशनों के लिए मान्यता प्राप्त सामग्री है। इसरो ने स्पष्ट किया है कि इन मॉड्यूल्स को वही सुरक्षा और गुणवत्ता मानक पूरे करने होंगे, जो गगनयान मिशन के लिए अनिवार्य हैं, क्योंकि भविष्य में अंतरिक्ष यात्री इन्हीं मॉड्यूल्स के भीतर रहकर काम करेंगे।

कई तरह के अनुसंधान हो सकेंगे: *इसरो का मानना है कि भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन देश के वैज्ञानिक और* ▸▸ शेष पेज 7 पर

खबर संक्षेप

सप्ताह में फॉरेक्स रिजर्व 14.17 अरब डॉलर बढ़ा

नई दिल्ली। डॉलर में उतार-चढ़ाव के बीच भारत के लिए एक अच्छी खबर है। भारतीय रिजर्व बैंक के ताजा आंकड़ों के अनुसार, फॉरेन करेंसी और सोने के भंडार में आई मजबूती की वजह से 16 जनवरी को खत्म हुए सप्ताह में भारत के फॉरेक्स रिजर्व में 14.17 अरब डॉलर की बढ़ोतरी देखने को मिली है। इसके बाद कुल भंडार बढ़कर 701.36 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। जो 17 अक्टूबर 2025 के बाद का सबसे ऊंचा स्तर है। अब अपना भंडार बढ़ कर 701.360 अरब डॉलर हो गया है। इससे पहले सर्वाधिक 27 सितंबर 2024 को 704.885 अरब डॉलर था।

40 से अधिक देशों में होगा एसआईआर, बनी सहमति

नई दिल्ली। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का कार्य अधिकांश लोकतांत्रिक देशों के चुनाव प्रबंधन निकायों ने अपने यहां मतदाता सूची के शुद्धीकरण के लिए तरीका अपनाने पर बल दिया है। भारत के निर्वाचन आयोग द्वारा लोकतंत्र और चुनाव प्रबंधन पर तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेने आए 42 देशों के चुनाव प्रबंधन निकायों और 27 देशों के मिशन प्रमुख ने मतदाता सूची के शुद्धीकरण के लिए प्रतिबद्धता जाहिर की। सम्मेलन में 3, 4 और 5 दिसंबर 2026 को नई दिल्ली में दोबारा से मिलने का प्रस्ताव दिया।

बनासकांठा में सड़क हादसा, 6 की मौत

बनासकांठा। शनिवार शाम गुजरात के बनासकांठा जिले में एक भीषण सड़क हादसा हुआ। आबू-पालनपुर हाईवे पर एक तेज रफ्तार ट्रक के डिवाइडर पार कर एसयूवी से टकरा जाने से 6 लोगों की मौके पर मौत हो गई, जबकि 3 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद सड़क पर लंबा जाम लग गया। पुलिस के मुताबिक, यह दुर्घटना शाम करीब सात बजे इक़बालगढ़ गांव के पास हुई। राजस्थान से गुजरात की ओर जा रहा ट्रक अचानक नियंत्रण खो बैठा, डिवाइडर कूद गया और सामने से आ रही एसयूवी से टकरा गया।

अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा-भारत ने रूस से कच्चा तेल खरीदना काफी कम कर दिया

ट्रंप का भारत को बड़ा संकेत, एक्स्ट्रा 25% टैरिफ हटा सकता है अमेरिका

एजेंसी ▸▸ वॉशिंगटन डीसी

कुछ हालिया रिपोर्टों में कहा गया है कि भारत की कुछ निजी कंपनियों ने रूस से तेल इंपोर्ट कम किया है, लेकिन भारत सरकार का कहना है कि रूस से तेल की खरीद जारी है। तेल खरीद का तरीका बदला है

अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा है कि डोनाल्ड ट्रंप सरकार भारत पर लगाए गए 50% टैरिफ में से आधा टैरिफ हटाने पर विचार कर सकती है। उन्होंने गुरुवार को एक इंटरव्यू में कहा कि भारत ने रूस से कच्चा तेल खरीदना काफी कम कर दिया है, इसलिए टैरिफ में राहत देने की गुंजाइश बन रही है।

बेसेंट ने इसे अमेरिका की बड़ी जीत बताया और कहा कि भारत पर लगाया गया 25% टैरिफ काफी असरदार रहा है और इसकी वजह से भारत की रूसी तेल खरीद घट गई है। उन्होंने कहा कि टैरिफ अभी भी लागू हैं, लेकिन अब इन्हें हटाने का रास्ता निकल सकता है।

बेसेंट ने यह भी कहा कि यूरोपीय देश भारत पर टैरिफ इसलिए नहीं लगा रहे हैं क्योंकि वे भारत के साथ बड़ा व्यापार समझौता करना चाहते हैं। साथ ही उन्होंने यूरोप पर आरोप लगाया कि वह भारत से रिफाइंड तेल खरीदकर खुद ही रूस की मदद कर रहा है। बता दें, अमेरिका ने अगस्त 2025 में भारत पर दो बार टैरिफ लगाया था। पहली बार 1 अगस्त को व्यापार घाटे को लेकर 25% टैरिफ लगाया गया। इसके बाद 27 अगस्त को रूस से तेल खरीदने ▸▸ शेष पेज 7 पर

अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट

अमेरिका ने अगस्त 2025 में भारत पर दो बार टैरिफ लगाया था

दिसंबर 2025 में भारत रूस से तेल खरीदने में तीसरे नंबर पर आ गया था

बेसेंट ने कहा

▸▸ यूरोपीय देश भारत पर टैरिफ इसलिए नहीं लगा रहे हैं क्योंकि वे भारत के साथ बड़ा व्यापार समझौता करना चाहते हैं

▸▸ यूरोप भारत से रिफाइंड तेल खरीदकर खुद ही रूस की मदद कर रहा

ट्रंप के पास टैरिफ लगाने के अधिकार

अमेरिकी वित्त मंत्री बेसेंट ने कहा कि अमेरिका उन देशों पर 500% तक टैरिफ लगा सकता है, जो रुस का तेल खरीदते हैं। बेसेंट ने कहा कि 500% टैक्स लगाने का प्रस्ताव सीनेटर ग्राहम ने सीनेट में रखा है। हालांकि राष्ट्रपति ट्रंप को इसकी जरूरत नहीं है। अमेरिकी राष्ट्रपति के पास पहले से ही एक कानून के तहत यह अधिकार है कि वे राष्ट्रीय आपात स्थिति का हवाला देकर दूसरे देशों पर भारी आर्थिक प्रतिबंध या टैक्स लगा सकते हैं।

चीन अब भी सबसे बड़ा खरीदार बना हुआ

चीन अब भी सबसे बड़ा खरीदार बना हुआ है। उसने दिसंबर में रूस से 6 बिलियन यूरो यानी करीब 63,100 करोड़ रुपए का तेल खरीदा। भारत की खरीद कम होने की सबसे बड़ी वजह रिलायंस इंडस्ट्रीज रही। रिलायंस की जामनगर रिफाइनरी ने रूस से तेल खरीद करीब आधी कर दी। पहले रिलायंस पूरी सप्लाई रूस की कंपनी रोसनेफ्ट से लेती थी। लेकिन अमेरिका के प्रतिबंधों ▸▸ शेष पेज 7 पर

अमेरिका रूसी तेल बिक्री रोककर पुतिन पर दबाव बढ़ाना चाह रहा

अमेरिका, पुतिन पर दबाव बढ़ाने के लिए भारत समेत कई देशों से कह रहा है कि वे रूस से तेल खरीद बंद करें। भारत ने इस दबाव को गलत और अनुचित बताया है और कहा है कि उसकी एनर्जी पॉलिसी देश के हितों के हिसाब से तय होती है। दिसंबर 2025 में भारत रूस से तेल खरीदने में तीसरे नंबर पर आ गया। तुर्किये दूसरा सबसे ▸▸ शेष पेज 7 पर

यूक्रेन वार के बाद रूसी तेल का बड़ा खरीदार बना भारत

यूक्रेन युद्ध के बाद भारत, रूस से बड़ी मात्रा में सस्ता तेल खरीदने लगा था। युद्ध से पहले रूस से भारत का तेल आयात बहुत कम था, लेकिन बाद में यह तेजी से बढ़ा और भारत रूस का बड़ा खरीदार बन गया। रिपोर्ट के मुताबिक नवंबर 2025 में भारत का रूसी तेल आयात छह महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गया था। उस महीने भारत ने रूस से 77 लाख टन तेल खरीदा था, जो कुल आयात का 35% से ज्यादा था। लेकिन दिसंबर में रूस से भारत को तेल की सप्लाई तीन साल के सबसे निचले स्तर पर आ गई। आंकड़ों के मुताबिक दिसंबर में रूस से तेल आयात घटकर करीब 12.4 लाख बैरल प्रति दिन रह गया, जो दिसंबर 2022 के बाद सबसे कम है। विशेषज्ञों का कहना है कि कुल आयात में जरूर कमी आई है, लेकिन सरकारी तेल कंपनियां अब भी रूस से तेल खरीद रही हैं। उन्होंने कहा कि मांग पूरी तरह खत्म नहीं हुई है, बल्कि तेल खरीद का तरीका बदला है।

फ्री ट्रेड और डिफेंस डील पर लगेगी मुहर

भारत पहुंचीं यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला, आज आएंगे कोस्टा

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के रिश्तों में एक नया और बड़ा अध्याय जुड़ने जा रहा है। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेन अपनी चार दिवसीय यात्रा पर नई दिल्ली पहुंच गई हैं। यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा भी रविवार को दिल्ली पहुंच रहे हैं। केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद ने हवाई अड्डे पर उर्सुला वॉन डेर लेन का स्वागत किया, जिसके बाद विदेश मंत्रालय ने इसे रणनीतिक साझेदारी का 'अगला चरण' बताया। यह यात्रा दो वजहों से खास है- पहला, ये दोनों यूरोपीय दिग्गज 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस समारोह के मुख्य अतिथि होंगे, और दूसरा, 27 जनवरी को होने वाली बैठक में कई बड़े व्यापारिक समझौतों पर मुहर लग सकती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और यूरोपीय नेताओं के बीच होने वाली इस शिखर वार्ता में सबसे बड़ा आकर्षण 'मुक्त व्यापार समझौता' है। लंबे समय से अटके इस समझौते के पूरा होने की घोषणा इस बैठक में की जा सकती है। दोनों पक्ष एक रणनीतिक रक्षा समझौते को अंतिम रूप देंगे। साथ ही भारतीय पेशेवरों के लिए यूरोप में काम करना और आना-जाना आसान बनाने के लिए एक फ्रेमवर्क तैयार किया जाएगा।

भोजशाला में शांति के बाद...वर्दी पर आया 'बसंत'

सभी पुलिसवालों ने डीजे पर किया डांस

धार। धार में शुक्रवार को बसंत पंचमी पर्व शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गया। यहां भोजशाला में जहां पूजा-पाठ होती रही, वहीं कमाल मौला मस्जिद में नमाज भी पढ़ी गई। सफलतापूर्वक आयोजन के बाद शनिवार को पुलिस कर्मचारियों ने जश्न मनाया। सभी ने डीजे पर डांस किया। इसका वीडियो भी सामने आया है। यह आयोजन प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती थी, क्योंकि कोर्ट के ▸▸ शेष पेज 7 पर

सत्र के दौरान उठने वाले अहम मुद्दों पर चर्चा होगी

बजट सत्र से पहले 27 जनवरी को सर्वदलीय बैठक बुलाई गई

28 को राष्ट्रपति का अभिभाषण

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

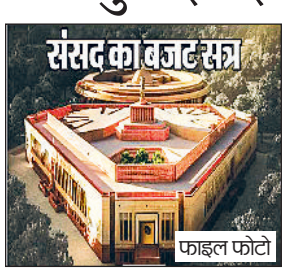

फाइल फोटो

बजट सत्र से पहले सरकार ने सियासी सहमति बनाने की कवायद तेज कर दी है। संसद के आगामी बजट सत्र से ठीक एक दिन पहले 27 जनवरी को सर्वदलीय बैठक बुलाई गई है।

इस बैठक में विधायी कार्यसूची और सत्र के दौरान उठने वाले अहम मुद्दों पर चर्चा होगी। सरकार का उद्देश्य सत्र को सुचारु रूप से चलाना और सभी दलों की राय जानना है। बजट सत्र की शुरुआत 28 जनवरी ▸▸ शेष पेज 7 पर

आईसीसी ने टी20 वर्ल्ड कप-2026

बांग्लादेश को किया 'बाहर' अब स्कॉटलैंड होगा शामिल

बीसीबी चेयरमैन अमिनुल इस्लाम बुलबुल को मेल भेजा

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

फाइल फोटो

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने आधिकारिक तौर पर बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) को बता दिया है कि भारत और श्रीलंका की मेजबानी में अगले महीने से शुरू हो रहे टी 20 वर्ल्ड कप-2026 में उसकी जगह स्कॉटलैंड को जगह दे दी गई है। आईसीसी ने ये फैसला बांग्लादेश के सुरक्षा के कारण वर्ल्ड कप मैचों के लिए भारत न आने के फैसले के बाद लिया है। बीसीबी ने मुस्तफिजुर रहमान को आईपीएल-2026 से बाहर किए जाने के बाद ये रुख अपनाया ▸▸ शेष पेज 7 पर

वेलकम इलाके में हुई वारदात

कैफे में युवक की गोली व चाकू मारकर हत्या

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

उत्तर पूर्वी जिले के वेलकम थाना इलाके में शुक्रवार देर रात एक कैफे में घुसकर 24 वर्षीय युवक की गोली व चाकू मारकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान फैजान उर्फ फज्जी के रूप में हुई है। शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया है। शुरुआती जांच में पता चला कि पैसों को लेकर हुए विवाद में वारदात को अंजाम दिया गया है। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो अपलोड कर हत्या करने की बात कही।

डीसीपी आशीष मिश्रा ने बताया कि शुक्रवार देर रात करीब 10:28 बजे वेलकम थाने में फायरिंग की घटना के संबंध में पीसीआर कॉल मिली। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौजपुर स्थित मिस्टर किंग लाउंज और कैफे पहुंच गई। मौके पर एक युवक घायल मिला। अस्पताल पहुंचाने पर जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। क्राइम व एफएसएल टीमों द्वारा भी मौके पर पहुंचकर रूटीन जांच प्रक्रिया पूरी की गई। पुलिस हत्या का मामला दर्ज कर जांच में जुट गई है। फैजान के परिवार में पिता सेहरोज आलम, भाई व अन्य सदस्य हैं। वह जेएमसी, वेलकम में परिवार के साथ रहता था। मृतक के भाई ने पुलिस को बयान दिया कि फैजान ने अपने जानकार मोइन कुरैशी को 35 हजार रुपये उधार दिए थे। जुलाई में पैसों को लेकर दोनों के बीच झगड़ा हुआ था। इसको लेकर आरोपी के पिता को भी बताया गया था, लेकिन दोनों के बीच समझौता नहीं हो पाया था। भाई बताया कि पहले मेरे भाई के सीने में गोली मारी गई। इसके बाद सिर में गोली मारी और बाद में उस पर चाकू से हमला किया गया। फैजान अक्सर कैफे जाता था।

मारपीट का बदला लेने के लिए की हत्या

हत्या के बाद आरोपी ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो अपलोड किया है। वीडियो में आरोपी ने कहा कि इस हत्या के पीछे मेरे किसी भी दोस्त व परिवार का हाथ नहीं है। मुझे किसी ने सूचना दी थी कि फैजान कैफे पर बैठा हुआ है। इसके बाद मैंने उसकी हत्या की। हत्या पैसों को लेकर नहीं की है। यह बात बिल्कुल झूठ है। कुछ माह पहले फैजान ने मुझे मारा था। इसके बाद मैने रंजिश के चलते उसकी हत्या की है। उसका भाई पैसों वाली बात झूठ बोल रहा है।

लूट की रकम को लेकर विवाद में अपने ही साथी की हत्या

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

- पुलिस ने तीन नाबालिगों समेत चार को दबोचा

पूर्वी जिले के प्रीत विहार इलाके में लूट की रकम को लेकर हुये विवाद में बदमाशों ने अपने ही एक साथी की पत्थर से कुचलकर हत्या कर दी। लोकल पुलिस व स्पेशल स्टाफ की टीम ने कुछ ही घंटों के भीतर मामले में तीन नाबालिग समेत चार आरोपियों को पकड़ लिया है। एक आरोपी का नाम अमन बताया गया है।

डीसीपी अभिषेक धानिया के मुताबिक गुरुवार को रेलवे अंडर पास के पास एक युवक का शव पड़े होने की जानकारी मिली थी। मृतक का चेहरा पत्थरों से कुचला हुआ था। शव के पास से कोई दस्तावेज आदि नहीं मिला था। प्रीत विहार थाने में हत्या का मामला दर्ज कर जांच में स्पेशल स्टाफ व नारकोटिक्स सेल की टीमों को भी शामिल किया गया। सबसे पहले आसपास के इलाके में लगे कैमरे के फुटेज खंगाले गये। इसके बाद अमन नाम के बदमाश की पहचान हुई। पुलिस ने उसके संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर उसे दबोच लिया। पूछताछ में उसने तीन नाबालिगों के साथ मिलकर देवा की हत्या की बात कबूली। देवा मूलरूप से कानपुर यूपी का रहने वाला था।

विभिन्न मामलों में वांछित बदमाश मुठभेड़ के बाद पकड़ा

नई दिल्ली। दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के एमबी रोड इलाके में पुलिस ने कई झपटमारी की वारदातों में शामिल बदमाश को एक संक्षिप्त मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। झपटमार का नाम सतीश भाटी (22) बताया गया है। पुलिस लंबे समय से इसकी तलाश में जुटी थी। पुलिस के अनुसार भाटी की आवाजाही के बारे सूचना मिलने पर शुक्रवार को छठ घाट पार्क के पास जाल बिछाया गया था। देर रात सतीश नजर आया और उसे रुकने का इशारा किया गया। लेकिन उसने भागने की कोशिश की और इसी दौरान उसकी मोटरसाइकिल फिसल गई। सतीश ने भागने की कोशिश में पुलिस टीम पर गोली चला दी। आत्मरक्षा में पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई की। संक्षिप्त गोलीबारी के बाद उसे पकड़ लिया गया। इस घटना में कोई भी पुलिसकर्मी घायल नहीं हुआ। तलाशी के दौरान पुलिस ने छह मोबाइल फोन, एक मोटरसाइकिल, एक पिस्तौल और एक कारतूस जब्त किया। मुठभेड़ स्थल से चार खाली कारतूस भी बरामद किए गए। अधिकारी ने कहा कि जब्त मोटरसाइकिल का इस्तेमाल झपटमारी की घटनाओं में किए जाने का संदेह है। सतीश के खुलासे पर उसके साथी अभिषेक (20) को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। सतीश एक आदतन अपराधी है। वह पुल प्रह्लादपुर क्षेत्र में आर्म्स एक्ट के कई मामलों में वांछित था। उस पर दक्षिण-पूर्वी दिल्ली में हाल में हुई फोन छीनने की कई घटनाओं में शामिल होने का भी संदेह है। पुलिस का दावा है कि सीसीटीवी फुटेज में सतीश को इस कृत्य को अंजाम देते हुए देखा गया था। बरामद किए गए कुछ मोबाइल फोन पुल प्रह्लादपुर, कालकाजी, अमर कॉलोनी और ओखला थानों में दर्ज मामलों से जुड़े हुए हैं, जबकि अन्य फोन के संबंध खंगालने के प्रयास किए जा रहे हैं।

उत्तर रेलवे

निविदा आमंत्रण सूचना

कार्य का नाम और इसकी स्थिति	**54-SRDEE-G-DLI-2025-26** (i) "NCRTC और HNZM में रेलवे कनेक्शन के संबंध में स्वीकृत प्लान के अनुसार, SSE / W/HNZM के सेक्शन में Sr. ADEN/ HNZM के तहत सराय काले खान एंट्री के रीडेवलपमेंट के लिए इलेक्ट्रिकल काम, जिसमें 1 सेट एस्केलेटर (2 नग ऊपर और नीचे), 1 लिफ्ट, बुकिंग ऑफिस का रीअरेंजमेंट, स्टाफ टॉयलेट का प्रावधान, छत के शेड को बदलना, मौजूदा FOB के डेक स्लैब का विस्तार शामिल है।" (ii) DEE डिपो में सिक–लाइन सुविधाओं को बढ़ाने और बेहतर बनाने के लिए इलेक्ट्रिकल काम
निविदा की अनुमानित लागत	₹5503240.45 — बयाना राशि ₹110100.00
कार्यालय का पता	वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियन्ता/ जी, स्टेट एंट्री रोड नई दिल्ली
निविदा निवेदन की दिनांक व समय	16.02.2026, 16.00 बजे
निविदा खोलने की दिनांक व समय	16.02.2026, 16.00 बजे
वेब साइट व नोटिस बोर्ड	www.ireps.gov.in वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियन्ता/ जी, नई दिल्ली

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 275/2026

केवाईसी अपडेट के बहाने ठगी करने वाले चार गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दक्षिण पश्चिम जिले की साइबर पुलिस ने बैंक ग्राहकों से उनके केवाईसी विवरण अपडेट करने के बहाने ठगी करने वाले एक बड़े अंतरराज्यीय साइबर धोखाधड़ी गिरोह का भंडाफोड़ किया है। इस सिलसिले में झारखंड और पश्चिम बंगाल से चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इनके नाम शिव कुमार रविदास (22), संजय रविदास (33), दिनेश रविदास (29) और शुभम कुमार बरनवाल (25) बताये गये हैं।

पुलिस के अनुसार गिरोह के सदस्य बैंक अधिकारी बनकर पीड़ितों को तुरंत केवाईसी अपडेट करने के लिए दबाव बनाते थे। वे कथित तौर पर पीड़ितों को फोन करते थे और उन्हें झांसा देकर उनके मोबाइल फोन पर एक खतरनाक एपीके फाइल इंस्टॉल करवाते थे। इससे वह पीड़ितों के बैंक एप्लिकेशन और उनके व्यक्तिगत वित्तीय डेटा तक अनधिकृत रूप से दूर बैठे ही पहुंच हासिल कर लेते थे। पुलिस ने बताया कि इस तरह से आरोपियों ने पीड़ितों के बैंक संबंधित जानकारियों का इस्तेमाल कर धोखाधड़ी से ऋण लिया और उन पैसे को 'म्यूल खातों' की मदद से इधर उधर किया। बाद में वे इन पैसों को विभिन्न बैंक एटीएम के माध्यम से निकालते थे। 'म्यूल' खाते ऐसे बैंक खाते होते हैं जिसका इस्तेमाल अपराधी, खाताधारक की जानकारी से या जानकारी के बगैर, अवैध धन प्राप्त करने, धन ट्रांसफर करने या उसे वैध बनाने के लिए करते हैं। पुलिस ने बताया कि धोखाधड़ी का यह मामला सागरपुर निवासी एक महिला की शिकायत दर्ज कराने के बाद सामने आया था। पीड़ित ने शिकायत दर्ज कराई थी कि दिसंबर (2025) में अज्ञात व्यक्तियों ने बैंक अधिकारी बनकर उससे संपर्क किया था। पीड़िता को भी एक संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने के लिए बहकाया गया। इसके तुरंत बाद उनके मोबाइल पर क्रेडिट कार्ड से 8.33 लाख रुपये का ऋण मंजूर होने और फिर दो किस्तों में पांच लाख तथा 3.3 लाख रुपये के अनधिकृत लेनदेन के संदेश प्राप्त हुए। हालांकि, महिला ने इन लेनदेन के लिए अनुमति नहीं दी। पुलिस ने बताया कि जांच के दौरान यह सामने आया कि आरोपी झारखंड के जामताड़ा के पास के इलाकों से इस साइबर नेटवर्क का संचालन कर रहे थे। आरोपी गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार झारखंड और पश्चिम बंगाल के बीच अपना ठिकाना बदल रहे थे। समन्वित छापेमारी के दौरान झारखंड के धनबाद जिले के निरसा इलाके से तीन आरोपियों को उस समय रंगे हाथों पकड़ा गया, जब वे कथित तौर पर पीड़ितों को फोन कर ठगी की कोशिश कर रहे थे। गिरोह के चौथे सदस्य को पश्चिम बंगाल के हुगली से गिरफ्तार किया गया। छापेमारी के दौरान पुलिस ने 10 मोबाइल फोन, 13 सिम कार्ड, एटीएम से पैसे निकालते समय पहने गए कपड़े और कई डिजिटल साक्ष्य बरामद किए हैं।

घर-घर सर्वे के बाद जारी होगा मालिकाना हक प्रॉपर्टी कार्ड : कनिका

नई दिल्ली। दिल्ली देहात के ग्रामीणों को उनकी संपत्ति का मालिकाना हक निर्धारित प्रक्रिया के तहत दिया जाएगा। दिल्ली सरकार के उत्तरी बाहरी जिला राजस्व कार्यालय के अंतर्गत आईएएस, एसडीएम (नरेला) कनिका राठी ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि इसके लिए घर-घर सर्वे के बाद मालिकाना हक संबंधी प्रॉपर्टी कार्ड जारी किया जाएगा। साथ ही यदि किसी को आपत्ति पर होती है तो उसकी सुनवाई भी की जाएगी। इसके लिए लिए एसडीएम प्रशासन ने इस प्रक्रिया में ग्रामीणों से सहयोग देने की अपील की है। वहीं, प्रशासन ने बताया कि इस प्रक्रिया में गांव शाहपुर गढ़ी, पल्ला, माजरा, हमींदपुर, बकौली और ताजपुर शामिल हैं। स्वामित्व योजना को लेकर आयोजित बैठक में एसडीएम कनिका राठी ने बताया कि ग्रामीण इलाकों में रहने वाले लोगों को उनकी संपत्तियों का कानूनी मालिकाना अधिकार देने की प्रक्रिया चरणबद्ध तरीके से पूरी की जाएगी। बैठक में हमींदपुर गांव से जोगिंद्र मान, पल्ला से संजय कुमार आदि संबंधित गांवों से आमंत्रित किए गए गणमान्य ग्रामीणों के बीच उन्होंने कहा कि प्रत्येक संपत्ति का पूरा विवरण दर्ज किया जाएगा, जिसमें घर के साथ-साथ उसके आसपास स्थित अड़ोस-पड़ोस के मकानों का नाम भी शामिल होगा।

बुजुर्ग दंपति से 14 करोड़ से अधिक की ठगी में आठ अरेस्ट

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने डिजिटल अरेस्ट के तहत एक बुजुर्ग दंपति से 14 करोड़ रुपये से अधिक की ठगी से जुड़े मामले में एक पुजारी समेत आठ लोगों को तीन राज्यों में छापेमारी के बाद गिरफ्तार किया है। पुलिस की इस कार्रवाई में कंबोडिया और नेपाल से जुड़े साइबर ठगी गिरोह के हाथ का पता चला। आरोपियों को गुजरात, उत्तर प्रदेश और ओडिशा से गिरफ्तार किया गया। इनके नाम दिव्यांग पटेल (30), कृतिक शितोले (26), महावीर शर्मा उर्फ नील (27), अंकित मिश्रा उर्फ रॉबिन, अरुण कुमार तिवारी (45), प्रद्युम्न तिवारी उर्फ एसपी तिवारी (44), भूपेंद्र कुमार मिश्रा (37) और आदेश कुमार सिंह (36) शामिल हैं। पुलिस के अनुसार पटेल और शितोले को 15 जनवरी को गिरफ्तार किया गया था। यह मामला तब सामने आया जब दक्षिण दिल्ली के ग्रेटर कैलाश में रहने वाली 77 वर्षीय महिला से कथित तौर पर 14.84 करोड़ रुपये से अधिक की धोखाधड़ी की गई। पीड़िता को दिसंबर 2025 में एक कॉल आया था, जिसमें दावा किया गया कि उसके नाम पर जारी किया गया एक सिम कार्ड धनशोधन मामले से जुड़ा है। इसके बाद धोखेबाजों ने सीबीआई और पुलिस के अधिकारियों के रूप में खुद को पेश करते हुए पीड़िता को वीडियो कॉल पर फंसाया। उसे एक जाली गिरफ्तारी वारंट दिखाया और फर्जी अदालती कार्यवाही की। पीड़िता और उसके पति को कथित तौर पर चौबीसों घंटे वीडियो निगरानी में रखा गया और किसी से भी संपर्क करने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी गई। डर और दबाव के कारण उन्हें यह कहकर पैसा ट्रांसफर करने के लिए राजी किया गया कि पैसा वापस कर दिया जाएगा। इस तरह उन्होंने आठ लेनदेन के माध्यम से कुल 14.84 करोड़ रुपये की राशि ट्रांसफर की गई। स्पेशल सेल की आईएफएसओ यूनिट ने केस फाइल कर मामले की जांच के लिए विशेष टीम का गठन किया। तकनीकी निगरानी और बैंक खातों के विश्लेषण के माध्यम से पुलिस ने धन के लेन-देन का पता लगाया, जिससे कई संदिग्ध खाताधारकों का पता चला। जांचकर्ताओं ने बताया कि आरोपियों ने अंतरराष्ट्रीय गिरोह के इशारे पर फर्जी खाते बनवाए और धोखाधड़ी से प्राप्त धन को अलग-अलग जगहों पर जमा किया। पुलिस ने इस अभियान के दौरान सात मोबाइल फोन और कई चेकबुक जब्त की।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 Cr.P.C. देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **दीपक पुत्र कृष्ण पाल निवासी 52ए शिवाजी गली मेन रोड, चन्दर नगर, कृष्णा नगर, गांव गोण्डली, दिल्ली और म. नं. 14–17 प्लोट नं. 51, पूर्वी आजाद नगर, कृष्णा नगर, पूर्वी दिल्ली** ने केस **एफआईआर नं. 401/2022 अंतर्गत धारा 379/411 आईपीसी एक्ट, थाना कृष्णा नगर, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **दीपक** मिल नही रहा है, और मुझे सामाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **दीपक** फरार हो गया हैं (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा हैं) इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि केस **एफआईआर नं. 401/2022 अंतर्गत धारा 379/411 आईपीसी एक्ट, थाना कृष्णा नगर, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **दीपक** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **25.04.2026** को या उससे पहले हाजिर हों।

आदेशानुसार
पी भारगव राव
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी–05
कमरा नं. 3, दूसरा तल
कड़कड़डूमा न्यायालय, दिल्ली

DP/1052/SHD/2026
(Court Matter)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr. P.C देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि नामः **1.चिराग गुप्ता, पुत्रः अजय कुमार गुप्ता, निवासीः मकान नंबर 3165, पंजाबी बस्ती, घंटा घर , दिल्ली और आरोपी नंबर 2. अंकुश मोंगिया, पुत्रः सुरजीत कुमार, निवासीः गली नंबर 13/19, रामा विहार ब्लॉक–डी, मोहम्मदपुर माजरी, दिल्ली** अपराध किया है (या किए जाने का संदेह है) इसके विरूद्ध **FIR No.32/2023 Dt.11.01.2023 U/S 420/408/102B IPC** के तहत एक मामला **थाना मुंडका, बाहरी जिला, दिल्ली** में दर्ज किया गया है और उसके बाद जारी गिरफ्तारी वारंट को यह कहते हुए वापस कर दिया गया कि अभियुक्त **चिराग गुप्ता और अंकुश मोंगिया** नहीं मिले या मेरी संतुष्टि के लिए दिखाया गया है कि आरोपी **चिराग गुप्ता और अंकुश मोंगिया** फरार हो गये हैं (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहे हैं)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा है कि **FIR No.32/2023 Dt.11.01.2023 U/S 420/408/102B IPC, थाना गोकलपुरी, दिल्ली** के आरोपी उक्त **चिराग गुप्ता और अंकुश मोंगिया** को उक्त शिकायत का जवाब देने के लिए **दिनांक 24.02.2026** को या उससे पहले अदालत के समक्ष उपस्थित होना आवश्यक है।

आदेशानुसार, श्री गौरव सिंघल
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी-06 (पश्चिम)
कमरा संख्या 356, तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/1063/OD/2026
(अदालती मामला)

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा **82 Cr.PC. / 84 BNSS** देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त, **रविन्दर जीत सिंह, पुत्रः** गुरदयाल सिंह, **पताः** मकान न. डब्ल्यू जेड–56, प्रथम तल, गली न. 09, जेल रोड़, दिल्ली, ने **FIR No.: 389/2024, U/s: 420/406/34 IPC, 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023, थानाः जनकपुरी, दिल्ली,** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त, **रविन्दर जीत सिंह,** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त, **रविन्दर जीत सिंह,** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No.: 389/2024, U/s: 420/406/34 IPC, 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023, थानाः जनकपुरी, दिल्ली,** के उक्त अभियुक्त, **रविन्दर जीत सिंह,** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **03.03.2026** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री हरजोत सिंह ओजला
न्यायिक दण्डाधिकारी, प्रथम श्रेणी–11
दक्षिण–पश्चिम जिला, कमरा न. 05
द्वारका न्यायालय, नई दिल्ली

DP/894/WD/2026
(Court Matter)

दिल्ली में 100 दिन बाद साफ हवा ने कराया सुखद अहसास

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

- कई जगह एक्यूआई अब भी 250 के करीब

राजधानी दिल्ली के लोगों को लगभग 100 दिन बाद साफ हवा का सुखद अहसास महसूस किया है। शुक्रवार को हुई अच्छी बारिश से दिल्ली एनसीआर की हवा पहले से काफी साफ सुथरी व राहत भी हुई है। सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड (सीपीसीबी) के समीर ऐप के अनुसार, शनिवार सुबह 7:05 बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 264 था, जो बाद में सुधर कर 160-170 एक्यूआई तक दर्ज हुआ, जो लगभग 100 दिनों से भी ज्यादा दिन के बाद दर्ज हुआ है। केंद्र के दिल्ली एयर क्वालिटी अर्ली वार्निंग सिस्टम ने कहा है कि दिल्ली की वायु गुणवत्ता 24 से 26 जनवरी तक खराब श्रेणी में रहने की संभावना है। जबकि 27 जनवरी से शुरू होने वाले अगले छह दिनों के पूर्वानुमान के अनुसार, वायु गुणवत्ता खराब से बहुत खराब श्रेणी में रहने की संभावना है। यानी कहा जा सकता है कि 27 जनवरी के बाद दिल्ली में एक बार फिर वायु प्रदूषण बढ़ सकता है। प्राप्त आंकड़ों के अनुसार एक जनवरी 2026 को दिल्ली का एक्यूआई 380 दर्ज हुआ था। वहीं यह 17 जनवरी 2026 को 400 एक्यूआई,18 जनवरी 2026 को 440 एक्यूआई और 19 जनवरी 2026 को 410 एक्यूआई दर्ज हुआ। जबकि 22 जनवरी 2026 को 322 एक्यूआई, 23 जनवरी 2026 को बारिश के चलते 282 एक्यूआई दर्ज हुआ। जबकि बारिश के दूसरे दिन शनिवार यानी 24 जनवरी 2026 को यह घटकर 192 एक्यूआई दर्ज हुआ जो करीब तीन महीने में सबसे कम एक्यूआई है।

एलजी के एट होम कार्यक्रम में जुटी नामी गिरामी हस्तियां

नई दिल्ली। भारतीय गणतंत्र दिवस के 77 वें अवसर पर उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना और संगीता सक्सेना ने लोक निवास में पारंपरिक एट होम का आयोजन किया। शनिवार 24 जनवरी 2026 को आयोजित एट होम में अलग-अलग क्षेत्रों के मेहमान शामिल हुए। जिनमें स्वतंत्रता सेनानी, दिल्ली के पद्म पुरस्कार विजेता, सरकारी और प्राइवेट स्कूलों और कॉलेजों के छात्र, दिल्ली पुलिस और दिल्ली फायर सर्विस के शहीदों के परिवार, शिक्षाविद, खिलाड़ी, पैरालिंपियन, स्वच्छाग्रही, दिव्यांगजन, जाने-माने डॉक्टर और चिकित्सक, कलाकार और परफॉर्मर, अलग-अलग धर्मों और सम्प्रदायों के संत, पुजारी और धार्मिक नेता आदि शामिल थे। इस एट होम में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, मंत्री आशीष सूद व मनजिंदर सिंह सिरसा, दिल्ली विधानसभा के उपाध्यक्ष मोहन सिंह बिष्ट, दिल्ली उच्च न्यायालय के माननीय न्यायाधीश, भारतीय सशस्त्र बलों के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस), जनरल अनिल चौहान, वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह, भारत में विदेशी मिशनों के प्रतिनिधि, कुलपति, डॉक्टर, वकील, सिविल सोसाइटी, मीडिया और भारत सरकार, दिल्ली सरकार, दिल्ली पुलिस, डीडीए, एमसीडी और एनडीएमसी के अधिकारी और अन्य लोग शामिल हुए।

आवास ऋण के लिए अब नहीं पड़ेगा भटकना घर खरीदने का सपना होगा पूरा : इंद्राज

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

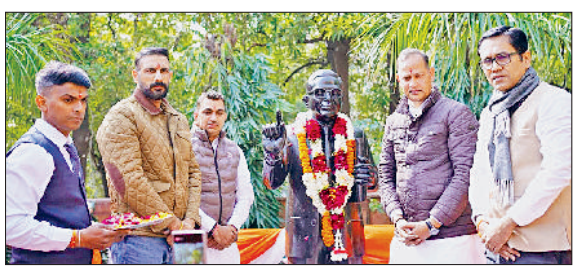

दिल्लीवासियों को किफायती, पारदर्शी और सरल आवास ऋण उपलब्ध कराने की दिशा में दिल्ली सरकार ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए रोहिणी सेक्टर-16 में दिल्ली सहकारी आवास वित्त निगम लिमिटेड(डीसीएचएफसी) का नया कार्यालय खोल दिया है। इस कार्यालय का उद्घाटन शनिवार को समाज कल्याण एवं सहकारिता मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह ने किया। यह सीरी फोर्ट के बाद दिल्ली में डीसीएचएफसी का दूसरा कार्यालय है। इस अवसर पर विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, अलीपुर के निगम पार्षद योगेश राणा तथा बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित रहे। इस अवसर पर मंत्री इंद्राज ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों के दौरान सहकारी क्षेत्र की जमकर उपेक्षा की गई। अब दिल्ली सरकार की स्पष्ट प्राथमिकता है कि मध्यम वर्ग, निम्न आय वर्ग और सहकारी आवास समितियों से जुड़े लोगों को किफायती ब्याज दरों पर आवास ऋण उपलब्ध कराया जाए। इसी उद्देश्य से पहली बार दिल्ली सहकारी आवास वित्त निगम की नई शाखाएं शुरू की जा रही हैं। सहकारिता के माध्यम से आमजन के अपने घर के सपने को साकार करना दिल्ली सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मंत्री इंद्राज ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि रोहिणी कार्यालय के सफल संचालन के साथ-साथ दिल्ली के अन्य उपयुक्त स्थानों पर भी डीसीएचएफसी की नई शाखाएं खोलने हेतु एक व्यावहारिक और चरणबद्ध योजना तैयार की जाए। साथ ही, अधिक से अधिक लोगों तक निगम की सेवाओं का लाभ पहुंचाने के लिए जनसंपर्क को मजबूत करने और प्रचार-प्रसार को और अधिक प्रभावी बनाने पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि डीसीएचएफसी को तकनीकी रूप से और अधिक सशक्त बनाया जाएगा, ताकि ऋण स्वीकृति की प्रक्रिया सरल, समयबद्ध और पूर्णतः पारदर्शी हो सके। मंत्री इंद्राज ने डीसीएचएफसी की नई शाखा खुलने पर बधाई देते हुए कहा कि यह एक ऐसा संस्थान है जो वर्षों से कार्य कर रहा था, लेकिन दुर्भाग्यवश इसकी जानकारी आम जनता तक पर्याप्त रूप से नहीं पहुंच पाई। वर्षों तक केवल एक ही शाखा संचालित होती रही, लेकिन आज रोहिणी में नई शाखा के खुलने के साथ उस सपने को नया विस्तार मिला है। यह बैंक आज लगभग 1600 करोड़ रुपए की क्षमता वाला एक मजबूत संस्थान बन चुका है और इसमें दिल्लीवासियों को व्यापक लाभ देने की पूरी संभावनाएं हैं। मंत्री इंद्राज ने कहा कि रोहिणी एक बड़ा हाउसिंग क्षेत्र है और आने वाले वर्षों में यहां तेजी से विकास होगा। 7.30 प्रतिशत जैसी कम ब्याज दर पर आवास ऋण देश में सबसे किफायती दरों में से एक है। इसका व्यापक और सही प्रचार-प्रसार किया जाएगा, जिससे लाखों लोग इस योजना का लाभ उठा सकें। मंत्री इंद्राज ने निर्देश दिए कि ऐसा कोई भी डीलर, आरडब्ल्यूए या हाउसिंग सेक्टर न रहे जिसकी टेबल पर इस बैंक का नाम न पहुंचे। कोऑपरेटिव सेक्टर से जुड़े होने के कारण हाउसिंग सोसायटीज और आरडब्ल्यूए का पूरा डेटा उपलब्ध है और आने वाले समय में सभी आरडब्ल्यूए तथा संबंधित हितधारकों को सीधे आमंत्रित किया जाएगा।

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम निदेशालय
हरियाणा सरकार
प्लॉट नं. सी–3, एचएसवीपी कॉम्प्लेक्स, सेक्टर 6, पंचकूला 134109
फोन नं. 0172–2996509, ई–मेल : pmfme.haryana@gmail.com
www.msme.haryana.gov.in

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम निदेशालय, हरियाणा (राज्य नोडल एजेंसी) प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम (पीएमएफएमई) योजना के तहत जिला संसाधन व्यक्तियों (डीआरपी) के वॉक–इन इंटरव्यू के लिए आवेदन आमंत्रित करता है।

पोस्ट : जिला संसाधन व्यक्ति (पीएमएफएमई लाभार्थियों को हैंडहोल्डिंग सहायता प्रदान करने के लिए हरियाणा के सभी 22 जिलों के लिए)। कृपया https://pmfme.mofpi.gov.in/pmfme/#/Home-Page पर विस्तृत योजना दिशानिर्देश देखें।

पात्रता : कोई भी उपयुक्त व्यक्ति जैसे सेवानिवृत्त सरकारी / बैंक अधिकारी, बीमा एजेंट, बैंक मित्र, परामर्श फर्म, व्यक्तिगत पेशेवर, आदि, जो परियोजना प्रस्ताव तैयार करने और उचित परिश्रम में प्रासंगिक ज्ञान/अनुभव रखते हैं।

- खाद्य प्रसंस्करण, वित्त, या संबंधित क्षेत्रों में योग्यता वाले उम्मीदवारों को वरीयता प्रदान की जाएगी।
- डीआरपी को एक घोषणा प्रस्तुत करनी होगी जिसमें पुष्टि की गई हो कि वे सरकारी कर्मचारी नहीं हैं।

नोट: डीआरपी को योजना के दिशानिर्देशों के अनुसार कार्य–आधारित अनुबंध आधार पर पैनल में शामिल किया जाएगा और पारिश्रमिक भुगतान निम्नानुसार जारी किया जाएगा:

3. बैंक ऋण की मंजूरी के बाद रु. 10,000/–1
4. यूनिट/अतिरिक्त मशीनरी स्थापना और नीचे दिए गए दस्तावेज अपलोड करने के बाद रु. 10,000/–:
   - ए. एफएसएसएआई पंजीकरण/लाइसेंस ।
   - बी. उद्यम आधार।
   - सी. जीएसटी (जहां लागू हो)।
   - डी. वैब पोर्टल पर जियोलोकेशन के साथ फोटोग्राफ।

पैनल में शामिल करने की प्रक्रिया:

- जिला स्तर कार्यालय या मुख्यालय, पंचकुला में वॉक–इन इंटरव्यू (वॉक–इन इंटरव्यू के लिए पता https://msme.haryana.gov.in/field-offices पर चेक किया जा सकता है)।

महानिदेशक
एमएसएमई, हरियाणा
पीआरडीएच–1066/11/57/2026/42315/88/7 दि. 22.01.026

हरियाणा सरकार

Surajkund
Mela Authority

"विकसित भारत का आधार एक आत्मनिर्भर भारत भी है।
आइए, हम सब मिलकर "वोकल फॉर लोकल" को हर नागरिक के जीवन का मंत्र बनाएँ।"
- नरेन्द्र मोदी

कला और शिल्प का महोत्सव, कौशल, रचनात्मकता, संस्कृति और व्यंजनों का संगम !

39वां
सूरजकुंड
इंटरनेशनल आत्मनिर्भर क्राफ्ट फेस्टिवल

Local to Global - आत्मनिर्भर भारत की पहचान

31 जनवरी - 15 फरवरी, 2026, सूरजकुंड, फरीदाबाद, हरियाणा

सहभागी राष्ट्र
मिस्त्र

थीम राज्य
Uttar Pradesh
UTTAR PRADESH TOURISM
उत्तर प्रदेश

Meghalaya
TOURISM
मेघालय

आप सभी सादर आमंत्रित हैं

स्थान के लिए QR कोड स्कैन करें

ऑनलाइन टिकट के लिए QR कोड स्कैन करें
GET IT ON Google Play
Download on the App Store

वेबसाइट के लिए QR कोड स्कैन करें

बुकिंग टिकट सभी मेट्रो स्टेशन व उनकी वेबसाइट पर उपलब्ध

HARYANA TOURISM Come, holiday with us!
विदेश मंत्रालय MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS
Ministry of Tourism Government of India
Development Commissioner for Handlooms
ICCR
Utsav
भारतीय handicrafts हस्तशिल्प
Incredible India
MINISTRY OF DEVELOPMENT OF NORTH EASTERN REGION
NEHHDC

सूचना, लोक संपर्क तथा भाषा विभाग, हरियाणा
www.prharyana.gov.in | Follow us on @diprharyana

खबर संक्षेप

तीन लाख की ठगी खाताधारक गिरफ्तार

फरीदाबाद। टेलीग्राम पर टॉस्क पूरा करने के नाम पर 322000 रुपए ठगी में खाताधारक को साईबर थाना एनआईटी पुलिस की टीम ने काबू किया है। पुलिस ने बताया कि एनआईटी निवासी एक व्यक्ति ने साइबर थाना एनआईटी में दी अपनी शिकायत में बताया कि उसके टेलीग्राम पर एक अंजान नंबर से मेसेज आया, जिसमें टेलीग्राम टास्क पूरा कर पैसे कमाने बारे बताया गया था।

ताज हाइवे पर महापौर ने उठवाया 16 ट्रैक भूसा

गाजियाबाद। ताज हाइवे पर नगर निगम की भूमि से महापौर ने खुद बैठकर 16 ट्रैक भूसा उठवाया। लगभग 15 दिन पहले महापौर सुनीता दयाल ने तिगरी गोल चक्कर के पास निर्माण कार्य का शिलान्यास किया था और तिगरी गोल चक्कर से वापस शहर आते हुए एनएच 9 पर स्थित 195 मिर्जापुर स्थित 100 करोड़ों की भूमि है।

भाजपा नेता जगविंदर को पितृ शोक, जताया दुख

फरीदाबाद। भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के पूर्व मंडल अध्यक्ष जगविंदर चौधरी के पिता किशन रावत रिटायर्ड हरियाणा पुलिस का 70 वर्ष की आयु में निधन हो गया। अंतिम संस्कार गांव भनकपुर के श्मशान भूमि में किया गया। किशन रावत के निधन पर उनके आवास पर कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल, विधायक पृथला रघुवीर तेवतिया, पूर्व केंद्रीय मंत्री बीरेंद्र सिंह डूमरखां,पूर्व सांसद हिसार बिजेंद्र सिंह, पूर्व विधायक नयनपाल रावत, इनेलो जिलाध्यक्ष रूपचंद लाम्बा,सहित कई गांवों के पंच-सरपंच ने गहरा दुख जताया।

वार्डवासियों द्वारा गिनवाई गई समस्याओं सुझावों पर निगम जल्द करेगा कार्य

दो दिन में वार्ड नंबर 38 और 34 का नगर निगम आयुक्त धीरेंद्र खड़गटा ने किया दौरा

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

नगर निगम फरीदाबाद के आयुक्त धीरेंद्र खड़गटा ने वार्ड नंबर 38 और 34 का दौरा कर क्षेत्र की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वार्ड में चल रहे विकास कार्यों, सफाई व्यवस्था, सीवरेज, सड़क व अन्य नागरिक सुविधाओं का जायजा लिया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

इस मौके पर संयुक्त आयुक्त करन सिंह भदौरिया (बल्लभगढ़, ग्रेटर फरीदाबाद) वार्ड के पार्षद, नगर निगम के अधिकारीगण एवं वार्ड के गणमान्य लोग उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान

स्थानीय नागरिकों ने अपनी समस्याएं भी निगम आयुक्त के समक्ष रखीं, जिनके समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को शीघ्र कार्रवाई के निर्देश दिए गए। निगम आयुक्त धीरेंद्र खड़गटा ने कहा कि नगर निगम का उद्देश्य नागरिकों को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना है और इसके लिए सभी अधिकारी समन्वय के साथ कार्य करें। उन्होंने विकास कार्यों में गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित करने पर भी विशेष जोर दिया।

वार्ड 38 पहुंचने पर स्थानीय निवासियों द्वारा निगम आयुक्त का पुष्प कुछ देकर स्वागत किया गया और वार्ड में दौरा करने के लिए उनका आभार व्यक्त किया।

नगर निगम फरीदाबाद के निगम आयुक्त धीरेंद्र खड़गटा ने वार्ड नंबर 34 का दौरा कर क्षेत्र की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया था। निगम आयुक्त धीरेंद्र खड़गटा के साथ पार्षद संजीव कुमार, जॉइंट कमिश्नर करण सिंह भदौरिया सहित स्थानीय गणमान्यजन मौजूद थे।

समस्याओं का जल्द होगा समाधान

इस दौरान उन्होंने वार्ड में चल रहे विकास कार्यों, सफाई व्यवस्था, सीवरेज, सड़क व अन्य नागरिक सुविधाओं का जायजा लिया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस मौके पर स्थानीय पार्षद संजीव कुमार ने निगम आयुक्त को बताया कि गांव नचोली, खेड़ी कला, बादशाहपुर टिकावली सहित अन्य स्थानों पर सीवर ओवरफ्लो रहता है इसके अलावा उन्होंने भूपानी गांव के बारात घर की खस्ता हालत को सुधारने के साथ-साथ अन्य गांव में भी सामुदायिक भवन बनाने की मांग रखी। इसके अलावा उन्होंने गांव की मुख्य फिरनियों में चौराहा सहित सड़कों पर स्ट्रीट लाइट लगवाने की भी डिमांड रखी। इसके अलावा ग्रामीण और वार्ड वासियों द्वारा रखी गई समस्याओं को निगम आयुक्त द्वारा ध्यानपूर्वक सुनते हुए जल्द समाधान का आश्वासन दिया। निगम आयुक्त ने भूपानी गांव की गौशाला का भी दौरा किया। निरीक्षण के दौरान स्थानीय नागरिकों ने अपनी समस्याएं भी निगम आयुक्त के समक्ष रखीं, जिनके समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को शीघ्र कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

77वें गणतंत्र दिवस समारोह की हुई फुल ड्रेस फाइनल रिहर्सल

डीसी ने जिला स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह के लिए फुल ड्रेस रिहर्सल में तैयारियों का लिया जायजा

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

- *प्रतिभागियों ने फुल ड्रेस रिहर्सल में सांस्कृतिक कार्यक्रमों व मार्च पास्ट का किया प्रदर्शन*
- *स्वास्थ्य मंत्री आरती राव गणतंत्र दिवस समारोह में फहराएंगी तिरंगा*

उपायुक्त आयुष सिन्हा ने 77वें जिला स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह की फुल ड्रेस फाइनल रिहर्सल में शनिवार को ध्वज फहराया व परेड का निरीक्षण कर सलामी ली। आज फाइनल रिहर्सल में 26 जनवरी को आयोजित होने वाले सभी कार्यक्रम क्रमवार आयोजित किए गए। गणतंत्र समारोह की सम्पूर्ण तैयारियों को पूरा करने को लेकर संबंधित विभागों के अधिकारियों को दिशा-निर्देश भी दिए गए। डीसी आयुष सिन्हा ने बताया कि जिला फरीदाबाद में 26 जनवरी को आयोजित होने वाले समारोह में मुख्यातिथि के रूप में हरियाणा सरकार में स्वास्थ्य मंत्री आरती राव शिरकत करेंगी। उपमंडल स्तर पर भी गणतंत्र दिवस समारोह आयोजित किए जाएंगे, जिनमें बल्लभगढ़ स्थित दशहरा ग्राउंड में पूर्व मंत्री व विधायक मूलचंद शर्मा और एनआईटी-1 स्थित दशहरा ग्राउंड में बडख़ल विधायक धनेश अदलखा द्वारा राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराया जाएगा। डीसी आयुष सिन्हा ने जिला स्तरीय समारोह के फाइनल रिहर्सल के दौरान सुबह 9.58 पर ध्वज फहराया। इसके पश्चात डीसी आयुष सिन्हा और पुलिस उपायुक्त सतेंद्र कुमार गुप्ता के साथ खुली जीप में सवार होकर परेड का निरीक्षण किया।

1500 के करीब पुलिसकर्मी सुरक्षा में रहेंगे तैनात

सीमावर्ती राज्य व जिला बॉर्डर पर होगी नाकाबंदी फरीदाबाद। गणतंत्र दिवस समारोह के मद्देनजर फरीदाबाद पुलिस द्वारा व्यापक एवं पुख्ता सुरक्षा प्रबंध किए गए हैं। सुरक्षा, शांति एवं कानून-व्यवस्था के मद्देनजर 1500 के करीब पुलिस कर्मचारी तैनात रहेंगे। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि गणतंत्र दिवस के अवसर पर सुरक्षा व्यवस्था के लिये पुलिस उपायुक्त सेंट्रल, उषा को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। जिनके साथ सहायक पुलिस आयुक्त सेंट्रल एवं ओल्ड सुरक्षा प्रबंधों का समन्वय व पर्यवेक्षण करेंगे। सुरक्षा व्यवस्था को प्रभावी बनाने के लिए जिला के सभी थाना प्रभारियों, चौकी इंचार्जों एवं संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किये गए हैं। उन्होंने आगे बताया कि 26 जनवरी को प्रातः से ही जिला के प्रमुख मार्गों, प्रवेश व निकास बिंदुओं, सार्वजनिक स्थलों तथा समारोह स्थलों के आसपास नाके लगाकर सघन चेकिंग की जाएगी तथा संदिग्ध व्यक्तियों, वाहनों व गतिविधियों पर विशेष नजर रखी जाएगी।

छात्र-छात्राओं द्वारा पीटी और सूर्य नमस्कार का प्रदर्शन किया गया

सर्वप्रथम राजकीय महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा पीटी और सूर्य नमस्कार का प्रदर्शन किया गया। जिसके पश्चात समारोह में देशभक्ति व देश प्रेम की भावना से ओतप्रोत गीतों पर राजकीय कन्या महाविद्यालय सराय ख्वाजा की छात्राओं ने आरंभ है प्रचंड मस्तकों, जय हो, देश रंगीला रंगीला देश मेरा रंगीला, पीएम स्कूल एनआईटी 2 के विद्यार्थियों ने पंजाबी और हरियाणवी, राजकीय कन्या महाविद्यालय ओल्ड फरीदाबाद देश भक्ति गीत, शिर्डी साईं बाबा स्कूल तिगांव के विद्यार्थियों ने आईएम इंडिया जैसे गीत पर मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। फाइलन रिहर्सल का समापन राष्ट्रीय गान से हुआ। एडीसी सतबीर मान, डीसीपी उषा कुंडू, एसडीएम अमित, अंकित, डीआईपीआरओ मूर्ति दलाल, जिला शिक्षा अधिकारी अंशुल सिंगला आदि।

युवा सैन समाज द्वारा जननायक कर्पूरी ठाकुर की जयंती मनाई

स्व. कर्पूरी ठाकुर ने सदैव ही गरीबों, किसान, मजदूरों, दबे कुचले वर्ग के लोगों की हितों की लड़ाई लड़ीः विधायक फागना

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

युवा सैन समाज फरीदाबाद द्वारा भारत रत्न एवं जननायक स्व. कर्पूरी ठाकुर की जयंती समारोह का आयोजन एनआईटी स्थित सोनिया चौक संजय इन्कलेव किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में एनआईटी क्षेत्र के विधायक सतीश फागना ने शिरकत की जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में वार्ड नंबर-10 के पार्षद भगवान सिंह व वार्ड नंबर 8 की पार्षद राकेश महेश लोहिया के प्रतिनिधि महेश लोहिया, कुलदीप सैन प्रदेशाध्यक्ष हरियाणा सैन समाज कोर कमेटी, एडवोकेट रविंद्र सिद्ध प्रधान युवा सैन समाज फरीदाबाद मौजूद रहे। समारोह की अध्यक्षता विनोद सैन ने की और आए हुए सभी अतिथियों का मनोज बालियान ने पटका पहनाकर व स्मृति चिन्ह भेंट

कर स्वागत किया। विधायक सतीश फागना ने स्व. कर्पूरी ठाकुर के चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए कहा कि भारत देश में सभी महापुरुषों की जयंती धूमधाम से मनाई जाती है। भारत रत्न एवं दो बार बिहार के मुख्यमंत्री रहे स्व. कर्पूरी ठाकुर को याद करना सभी के लिए बड़े गर्व की बात हैं। स्व. कर्पूरी ठाकुर सही मायने में सच्चे जननायक रहे, किसान, मजदूरों, दबे कुचले वर्ग के लोगों के हितों की लड़ाई लड़ी। विधायक ने कहा कि मैंने स्वयं कर्पूरी ठाकुर का घर देखा था कि उन्होंने कितना सादा जीवन व्यतीत किया था।

कांग्रेसियों ने याद किया सामाजिक न्याय के पुरोधा भारत रत्न कर्पूरी ठाकुर को

हरिभूमि न्यूज ⏭ गाजियाबाद

कांग्रेसियों ने शनिवार को भारत रत्न एवं बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर को उनकी जयंती पर कार्यक्रम आयोजित कर नमन करते हुए श्रद्धासुमन अर्पित किए। जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय में जननेता कर्पूरी ठाकुर की 102 वीं जयंती आज उत्साह पूर्वक मनाई गई। इस मौके पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष सतीश शर्मा ने बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। भारत रत्न स्व. कर्पूरी ठाकुर बेहद सादगी पसन्द, ईमानदार और सामाजिक न्याय के प्रतीक थे।

प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को सम्मान से बच्चों को मिलता है प्रोत्साहन : मेयर जोशी

देश के लिए जाट समाज ने दी हैं कुर्बानियांः एडीसी सतबीर मान, जाट समाज ने मेधावी बच्चों को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

प्रतिभावान बच्चों का सम्मान करने से बच्चों का प्रोत्साहन बढ़ता है वहीं अन्य छात्र-छात्राओं को भी जीवन में मेहनत कर अच्छे अंक लाने की प्रेरणा मिलती है, क्योंकि बच्चे हमारे देश का भविष्य है जो आगे चलकर देश का नाम रोशन करेंगे। यह बात महापौर प्रवीण बत्रा जोशी ने सेक्टर-16 स्थित किसान भवन में रहबर-ए-आजम दीन बंधु सर छोटूराम की जयंती के उपलक्ष्य में जाट समाज द्वारा आयोजित शिक्षा प्रोत्साहन समारोह में प्रतिभावन बच्चों और उनके अभिभावकों को संबोधित करते हुए कही। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था के अध्यक्ष जेपीएस सांगवान ने की।

इस समारोह में प्रतिभावान बच्चों को जाट समाज द्वारा सरकारी व गैर सरकारी स्कूलों में दसवीं कक्षा बोर्ड में अपने स्कूलों में आए

प्रथम स्थानों पर आए 280 से अधिक छात्र-छात्राओं को 3100-3100 रुपए, प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। एडीसी सतबीर मान ने कहा कि बड़े ही गौरव की अनुभुति होती है जब ऐसी संस्थाएं हर समाज के व्यक्ति और बच्चों को प्रोत्साहित कर उन्हें आगे बढ़ने का अवसर देते हैं। उन्होंने कहा कि जब हमारे देश का बच्चा किसी विदेशी कंपनी या विदेश में ऊंचे पदों पर पहुंचता है तो उसका परिवार ही नहीं देश और समाज अपने आपकों गौरवांवित महसूस करता है।

एसडीएम फरीदाबाद अमित गुलिया ने कहा कि जाट समाज ने हमेशा देश के लिए कुर्बानियां दी है और आज भी इतने बच्चों को प्रोत्साहित कर पुण्य का काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि पंखों से नहीं हौसलों से उड़ान होती है। जीवन में कभी भी सफलता की सीढ़ियों पर चढ़ना है तो हौंसलों को बुलंद रखना चाहिए। महापुरुषों, गुरू और माता-पिता के बताए मार्गों पर चले इससे ही आत्मविश्वास दृढ़ होता है। इसके अलावा बिजली विभाग के एसई जितेंद्र ढुल, खंड शिक्षा अधिकारी सतीश चौधरी ने भी विद्यार्थियों को संबोधित किया।

महासचिव एचएस मलिक ने दीन बंधू सर छोटूराम के जीवन पर चर्चा करते हुए कहा कि उन्होंने हमेशा किसान और गरीबों की लड़ाई लड़ी ताकि गरीब और किसान देश की मुख्य धारा से जुड़कर विकास में अपनी भूमिका निभा सके। इससे पूर्व फरीदाबाद मॉडल स्कूल, बालाजी कालेज बल्लभगढ़ व बंसी विद्या निकेतन की छात्र-छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना एवं स्वागत गान गाकर व सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर अतिथियों का स्वागत किया।

एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस ने अपना ब्रांड एंबेसडर बनाया

जॉली एंड पॉली के किरदार में हैं क्रिकेटर ऋषभ पंत और रवींद्र जडेजा

हरिभूमि न्यूज ⏭ गुरुग्राम

क्रिकेट स्टार ऋषभ पंत और रवींद्र जडेजा को एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस ने अपना ब्रांड एंबेसडर बनाते हुए 'जॉली' और 'पॉली' के तौर पर पेश किया है। जिसमें दोनों किरदार लोगों को परिवार की जिम्मेदारिया पूरी करते हुए अपने सपने कैसे पूरा करने के बारे में बताते हैं। अपने लिए, अपनों के लिए' के ब्रांड विचार पर आधारित, 'जॉली एंड पॉली' जीवन से जुड़ी आम लेकिन गहरी सच्चाई को दिखाता है और वह यह है कि व्यक्तिगत आकांक्षाए और परिवार की जिम्मेदारियां एक-दूसरे के खिलाफ नहीं हैं। अपनों की जरूरतों और उम्मीदों को वित्तीय रूप से सुरक्षित कर लोग अपने सपनों को

पूरा करने के लिए आज़ाद हो जाते हैं। 'जॉली' बने ऋषभ पंत सहज ज्ञान, उम्मीद और समग्रता जीवन जीने की ताकत को प्रदर्शित करते हैं। वे लोगों को जिंदगी को अलग तरह से देखने के लिए प्रेरित करते दिखते हैं और यह स्पष्ट करते हैं कि ऐसी योजनाएं बनाने का मतलब अपना मनपसंद जीवन जीने की स्वतंत्रता को छोड़ना नहीं, बल्कि उसे बचाना और आगे बढ़ाना है। रवींद्र जडेजा का किरदार-'पॉली शांति, भरोसे और दीर्घकालिक सोच को प्रदर्शित करता है। वे शांत भाव और स्पष्ट सोच के साथ संवाद को बढ़ाते दिखते हैं और इस बात पर ज़ोर देते हैं कि वित्तीय सुरक्षा की तैयारी जिम्मेदारी का काम है जो व्यक्तिगत लक्ष्य और परिवार की सुरक्षा दोनों को मज़बूती प्रदान करता है। जॉली और पॉली' भारत के आम घरों में होने वाली बातचीत को दिखाते हैं, जो आगे बढ़ने की इच्छा और अपनों की देखभाल की जिम्मेदारी के बीच संतुलन बनाने पर आधारित होती है। उनका काम बीमा को नाटकीय नहीं, बल्कि सामान्य चीज़ बनाना है। वे यह प्रदर्शित करते हैं कि जीवन बीमा के ज़रिए सुरक्षा से लोगों में मज़बूती आती है, जिससे लोग बड़े सपने देख पाते हैं।

45 लाख रुपए की लागत से होगी तैयार 6 गलियां

अज्जी कालोनी को भी 6 सीमेंटेड गलियों की सौगात

विधायक मूलचंद शर्मा ने शहीदी स्मारक स्थल का लोकार्पण किया, लोगों ने किया आभार व्यक्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

प्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं वर्तमान विधायक पंडित मूलचंद शर्मा ने आज शहीद राजा नाहर सिंह पार्क में 1857 के शहीदों की स्मृति में बने शहीदी स्मारक के जीर्णोद्धार कार्य के पूर्ण होने के उपरांत स्मारक स्थल का विधिवत लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह स्मारक देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर शहीदों की अमर गाथा का प्रतीक है।

आज हम सभी वीर शहीदों की बदौलत ही स्वतंत्र भारत की खुली हवा में सांस ले पा रहे हैं। लोकार्पण कार्यक्रम में प्रशासन की ओर से एसडीएम मयंक भारद्वाज, डीसीपी राजकुमार वालिया, पूर्व जिला अध्यक्ष गोपाल शर्मा, पूर्व पार्षद दयाचंद यादव, पार्षद महेश गोयल, पार्षद योगेश शर्मा, रिछपाल लांबा, सुभाष चौधरी, प्रेम खट्टर, महावीर सैनी, आनंदपाल राठी, मार्केट कमेटी चेयरमैन संजीव बैंसला, भवानी प्रसाद, सुंदर आजाद, कौशल शर्मा, संदीप चौधरी, प्रधान नरवीर तेवतिया, कार्तिक वशिष्ठ, महिला अध्यक्ष

ममता राघव, सुषमा यादव, स्वराज भाटी, अंबिका शर्मा, नीलम चौधरी, कुलदीप मथारू, संजय जांगड़ा सहित स्मारक समिति के सदस्यगण,भाजपा के पार्षदगण, भाजपा पदाधिकारी तथा शहर के अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे। इसके उपरांत विधायक मूलचंद शर्मा ने बल्लभगढ़ की अज्जी कॉलोनी में विकास कार्यों का शुभारंभ करते हुए स्थानीय पार्षद एवं कॉलोनीवासियों के साथ नारियल तुड़वाकर आरएमसी से बनने वाली 6 गलियों की सौगात दी। लगभग 45 लाख रुपए की लागत से तैयार होने वाली इन गलियों से क्षेत्रवासियों को बेहतर आवागमन की सुविधा मिलेगी। स्थानीय निवासियों ने इस विकास कार्य के लिए विधायक का स्वागत एवं आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर पार्षद सोनू वैष्णव, पार्षद योगेश शर्मा, भाजपा नेता टिपरचंद शर्मा, जेपी मास्टर, बबली प्रधान, हामिद प्रधान, पूरन चौधरी, कुंवर पाल सहित क्षेत्र के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सड़क दुर्घटना में घायल छात्र प्रथम सैनी की उपचार के दौरान मौत

गुस्साएं लोगों ने एक घंटे तक लगाए रखा जाम

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

सेक्टर-16 पुलिस चौकी के समीप 21 जनवरी की सुबह निजी स्कूल ने बाइक सवार तीन छात्रों को सामने से टक्कर मार दी। इस हादसे में छात्र प्रथम गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसको उपचार के लिए निजी अस्पताल में भर्ती करवाया। जहां शुक्रवार की शाम को प्रथम की मौत हो गई। प्रथम की मौत से गुस्साए परिजनों व दोस्तों ने आगरा नहर के पास बने थाना खेड़ी पुल के पास बनी ग्रेटर फरीदाबाद की सडक़ पर जाम लगा दिया। यह जाम लोगों की ओर से करीब एक घंटे तक लगाया गया। जिस वजह से लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। मौके पर मौजूद पुलिस अधिकारियों ने लोगों को समझा-बुझाकर जाम को खुलवाया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार 21 जनवरी की सुबह करीब 8 बजे सेक्टर-16 पुलिस चौकी के सामने सेक्टर-29 स्थित होली चाइल्ड पब्लिक स्कूल की बस से बाइक सवार तीन छात्रों का आ म ने - सा म ने एक्सीडेंट हो गया था। घायल छात्रों की पहचान ग्रेटर फरीदाबाद के सेक्टर-87 स्थित न्यू इंदिरा कॉम्प्लेक्स निवासी प्रथम सैनी, सूरज और हर्ष के रूप में हुई है। सभी छात्र अजरौंदा गांव स्थित सरकारी स्कूल में पढ़ाई करते है। जबकि तीसरा छात्र हर्ष नौवीं क्लास में पढ़ता है। बाइक को प्रथम चला रहा था, जबकि उसके साथ हर्ष और सूरज पीछे बैठे हुए थे। हादसे में तीनों छात्र घायल हो गए थे। इस हादसे में प्रथम को सिर में गंभीर चोट आई थी।

बस चालक के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी

मृतक प्रथम के पिता टीकम सिंह का कहना है कि स्कूल प्रबंधन और बस चालक के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। प्रथम परिवार का सबसे बड़ा बेटा था और उसका एक छोटा भाई और एक छोटी बहन हैं। उसके पिता घर के पास ही परचून की दुकान चलाते हैं। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जिसमें साफ देखा जा सकता है कि बाइक सीधे स्कूल बस से टकरा गई। हादसे के वक्त बस में केवल तीन बच्चे सवार थे।

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 CrPC देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **राहुल उर्फ सनी पुत्र अवधेश कुमार निवासी ए–493, गली नंबर 11, शिव विहार जेजे कॉलोनी, विकास नगर, उत्तम नगर, दिल्ली** ने **FIR No. 10/2021 U/S 25/54/59 Arms Act, अन्तर्गत थाना मुंडका, नई दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **राहुल उर्फ सनी** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **राहुल उर्फ सनी** फरार हो गया है (या उक्त वारंट के तामील से बचने के लिये खुद को छिपा रहा है)।

अतः इसके द्वारा उदघोषणा की जाती है कि **FIR No. 10/2021 U/S 25/54/59 Arms Act, अन्तर्गत थाना मुंडका, नई दिल्ली**के उक्त अभियुक्त **राहुल उर्फ सनी** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **24.02.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार,
श्री गौरव सिंगल
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी–06
पश्चिमी जिला, कक्ष संख्या 355
तीस हजारी न्यायालय, दिल्ली

DP/1069/OD/2026 (Court Matter)

आउटर रिंग रोड पर नए फ्लाईओवर के निर्माण की प्रक्रिया शुरू : प्रवेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

■ केशोपुर, हैदरपुर, पंजाबी बाग, पीतमपुरा, शालीमार बाग और रोहिणी क्षेत्र के लोगों को मिलेगी ट्रैफिक से राहत

दिल्ली सरकार ने आउटर रिंग रोड पर केशोपुर डिपो के पास स्थित सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग की सप्लीमेंट्री ड्रेन से हैदरपुर तक नए फ्लाईओवर के निर्माण की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस प्रस्तावित फ्लाईओवर से केशोपुर, हैदरपुर, पंजाबी बाग, पीतमपुरा, शालीमार बाग, रोहिणी और उत्तर-पश्चिम दिल्ली के आसपास के इलाकों के लाखों यात्रियों को सीधी राहत मिलेगी, जो लंबे समय से पीक ऑवर्स में भीषण ट्रैफिक जाम की समस्या से जूझ रहे हैं।

इस बात की जानकारी लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) मंत्री प्रवेश वर्मा ने दी है। मंत्री प्रवेश ने कहा कि यह परियोजना आउटर रिंग रोड पर मौजूद प्रमुख बॉटलनेक्स को दूर करने, जिलों के बीच कनेक्टिविटी बेहतर करने और रोजाना ऑफिस जाने वाले लोगों, सार्वजनिक परिवहन, वाणिज्यिक वाहनों और आपातकालीन सेवाओं की आवाजाही को सुगम बनाने में अहम भूमिका निभाएगी। मंत्री प्रवेश ने बताया कि योजनाबद्ध और पारदर्शी प्रक्रिया के तहत, लोक निर्माण विभाग ने इस परियोजना के लिए विस्तृत व्यवहार्यता अध्ययन हेतु कंसल्टेंसी सेवाओं को मंजूरी दे दी है। इस अध्ययन में ट्रैफिक वॉल्यूम, इंजीनियरिंग डिज़ाइन, पर्यावरणीय प्रभाव और दीर्घकालिक स्थिरता जैसे सभी पहलुओं का गहन मूल्यांकन किया जाएगा, ताकि परियोजना भविष्य की जरूरतों के अनुरूप और बिना किसी देरी के क्रियान्वित हो सके। पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने कहा कि यह फ्लाईओवर दिल्ली के उन लाखों नागरिकों की रोजमर्रा की परेशानियों को ध्यान में रखकर योजनाबद्ध किया जा रहा है, जो वर्षों से ट्रैफिक जाम झेल रहे हैं। केशोपुर, हैदरपुर, पंजाबी बाग, पीतमपुरा, शालीमार बाग और पूरी रोहिणी बेल्ट पर भारी ट्रैफिक का दबाव रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के मार्गदर्शन में हमारी सरकार साफ इरादे के साथ आगे बढ़ रही है। पहले ठोस योजना, फिर तेज क्रियान्वयन और स्थायी समाधान।

अब अधूरी और जल्दबाजी में बनाई गई परियोजनाओं का दौर खत्म

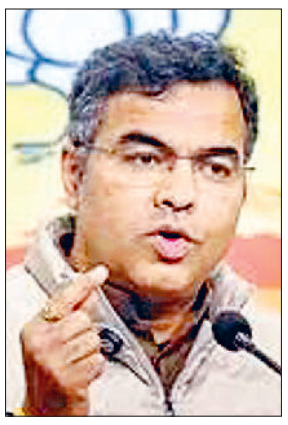

मंत्री प्रवेश ने कहा कि अब अधूरी और जल्दबाजी में बनाई गई परियोजनाओं का दौर खत्म हो चुका है। आउटर रिंग रोड से जुड़ा हर बड़ा इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट तकनीकी मजबूती, पारदर्शिता और सख़्त समयसीमा के आधार पर ही आगे बढ़ेगा, ताकि दिल्ली को अस्थायी नहीं, स्थायी राहत मिल सके। मंत्री प्रवेश ने कहा कि व्यवहार्यता अध्ययन पूरा होने के बाद यह परियोजना तेजी से क्रियान्वयन के चरण में प्रवेश करेगी, जिससे आउटर रिंग रोड के सभी प्रमुख चोक-प्वाइंट्स का प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जा सकेगा।

अनुशासन और टीम वर्क की पहली पाठशाला है खेल का मैदान : रेखा गुप्ता

नई दिल्ली। अनुशासन और टीम वर्क की पहली पाठशाला खेल का मैदान है। यह बात शनिवार को दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मथुरा रोड स्थित दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) में आयोजित वार्षिक खेल दिवस समारोह को संबोधित करते हुए कही। इस समारोह में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह के साथ पहुंची थीं।मुख्यमंत्री ने कहा कि खेल बच्चों के जीवन में आत्मविश्वास, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, टीमवर्क और सकारात्मक सोच विकसित करते हैं। साथ ही खेल के मैदान में मिलने वाले अनुभव जीवन के हर क्षेत्र में सफलता का मजबूत आधार बनते हैं। मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों को पूरे मन से खेलने, स्वस्थ प्रतिस्पर्धा अपनाने और खेल के साथ निरंतर सीखते रहने के लिए शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली को स्वच्छ, सुंदर, अनुशासित और विकसित बनाने की दिशा में सबसे प्रभावी ब्रांड एंबेसडर बच्चे हैं। जब बच्चे अनुशासन का अभ्यास करते हैं, नियमों का पालन करते हैं और स्वच्छता को जीवनशैली का हिस्सा बनाते हैं तो उसका सकारात्मक प्रभाव पूरे परिवार और समाज में स्वतः दिखाई देता है। उन्होंने कहा कि जिम्मेदार नागरिक तैयार करने में विद्यालय से बेहतर कोई मंच नहीं हो सकता। मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया किया कि आज के विद्यार्थी ही कल के नेतृत्वकर्ता बनकर दिल्ली को आदर्श, सशक्त और विकसित राजधानी के रूप में स्थापित करेंगे।

गणतंत्र दिवस को लेकर निगम ने किया ध्वजारोहण समारोह का आयोजन

नई दिल्ली। जिस प्रकार केंद्र सरकार के पीएम श्री स्कूल एवं दिल्ली सरकार के सीएम श्री स्कूल संचालित किए जा रहे हैं, उसी तर्ज पर अब दिल्ली नगर निगम भी 'निगम श्री स्कूल' का निर्माण करेगा। गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर शनिवार को दिल्ली नगर निगम के प्राथमिक विद्यालय, ई-ब्लॉक, अशोक विहार फेज-1 में भव्य ध्वजारोहण समारोह के आयोजन के पर दिल्ली के महापौर सरदार राजा इकबाल सिंह ने यह महत्वपूर्ण घोषणा की। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक चरण में प्रत्येक जोन में दो-दो निगम श्री स्कूल बनाए जाएंगे, जिनमें प्रतिभावान विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जाएगा। इन स्कूलों में विशेष रूप से बच्चों की प्रतिभा को निखारने और उन्हें भविष्य के लिए तैयार करने पर ध्यान दिया जाएगा। इस अवसर पर दिल्ली के महापौर सरदार राजा इकबाल सिंह ने ध्वजारोहण किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता क्षेत्रीय निगम पार्षद एवं दिल्ली नगर निगम की शिक्षा समिति के अध्यक्ष योगेश वर्मा ने की। शिक्षा समिति के अध्यक्ष योगेश वर्मा ने कहा कि निगम स्कूलों में बच्चों की शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है तथा प्रतिभावान विद्यार्थियों की पहचान कर उन्हें आगे बढ़ाने के लिए ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान एवं बच्चों की देशभक्ति से ओत-प्रोत प्रस्तुतियों के साथ हुआ।

दिल्ली पुलिस
शांति सेवा न्याय

सावधान !

साइबर धोखाधड़ी से सावधान रहें
ट्रैफिक चालान का सुरक्षित भुगतान करें

दिल्ली यातायात पुलिस
सभी नागरिकों को ट्रैफिक चालान भुगतान से संबंधित साइबर धोखाधड़ी और फर्ज़ी लिंक के प्रति सतर्क रहने की सलाह देती है

ट्रैफिक चालान पर त्वरित निपटान या छूट का दावा करने वाले संदेशों, कॉल्स, QR कोड, सोशल मीडिया लिंक, एजेंटों या वेबसाइटों पर भरोसा न करें।

ट्रैफिक चालान का भुगतान केवल आधिकारिक सरकारी वेबसाइटों के माध्यम से ही करें:

दिल्ली यातायात पुलिस की आधिकारिक वेबसाइट: https://traffic.delhipolice.gov.in
वर्चुअल कोर्ट वेबसाइट: https://vcourts.gov.in/virtualcourt/
दिल्ली यातायात पुलिस का आधिकारिक व्हाट्सएप चैटबॉट नंबर: +91 8007103020

साइबर धोखाधड़ी से सुरक्षित रहें:

- भुगतान से पहले हमेशा वेबसाइट का पता सत्यापित करें।
- किसी के साथ OTP, बैंक विवरण या व्यक्तिगत जानकारी साझा न करें।
- थर्ड-पार्टी ऐप्स, एजेंटों या अज्ञात लिंक से बचें।
- किसी भी संदिग्ध कॉल या संदेश की तुरंत रिपोर्ट करें।

आपकी जागरूकता ही आपकी सुरक्षा है

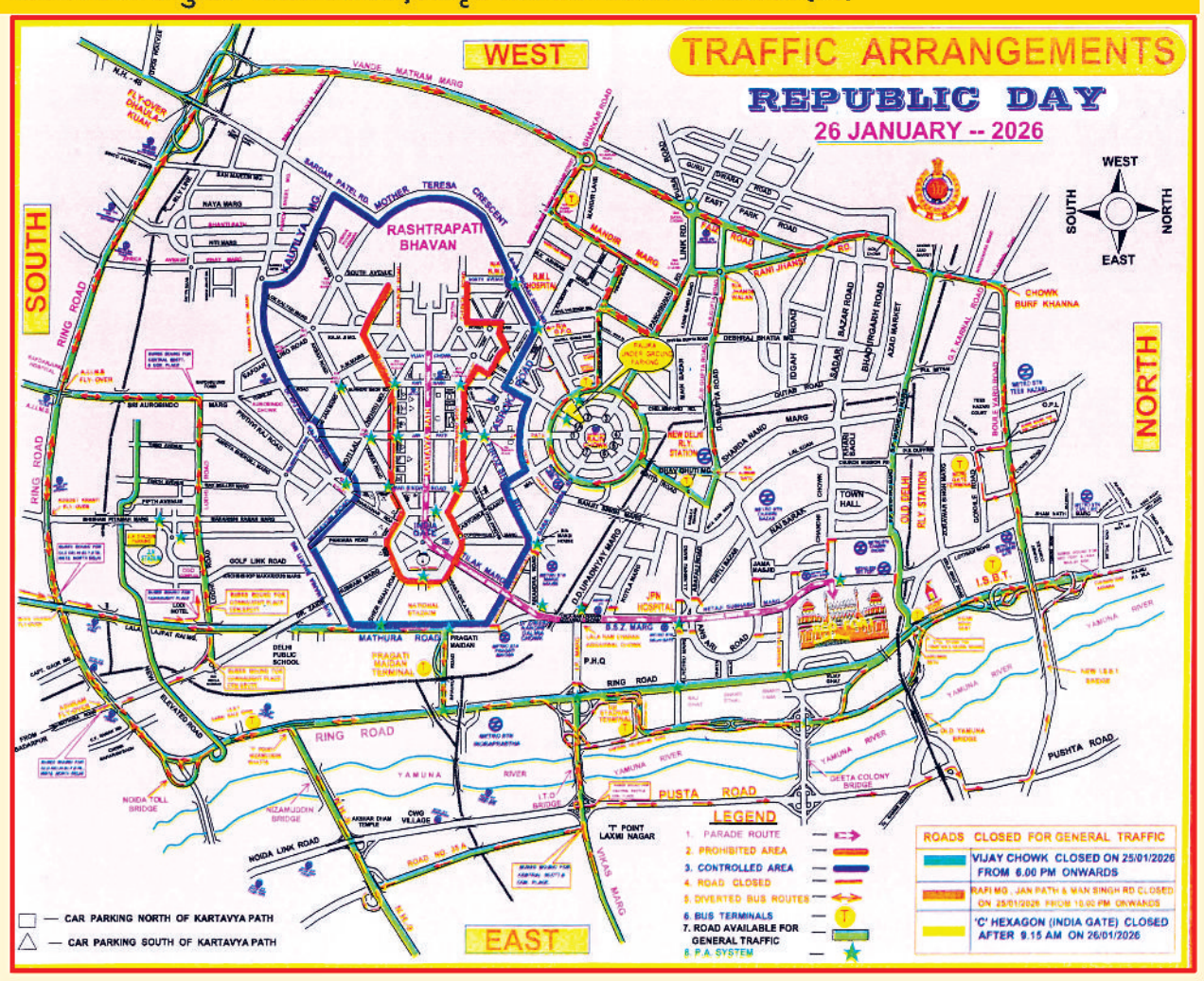

ट्रैफिक चालान का भुगतान सुरक्षित, वैधानिक और ज़िम्मेदारी के साथ करें- केवल आधिकारिक पोर्टलों के माध्यम से

साइबर धोखाधड़ी की तुरंत रिपोर्ट करें
साइबर धोखाधड़ी हेल्पलाइन नंबर 1930 | cybercrime.gov.in
दिल्ली यातायात पुलिस हेल्पलाइन 011-25844444/1095

अधिक जानकारी के लिए हम से जुड़ें: @dtptraffic @dtptraffic @dtptraffic WhatsApp: 8750871493

दिल्ली यातायात पुलिस – मिलकर बनाएं सुरक्षित सड़कें और साइबर-सुरक्षित दिल्ली

DP/9845/2026

दिल्ली पुलिस
शांति सेवा न्याय

यातायात निर्देशिका

यातायात दिल्ली

यातायात व्यवस्था – गणतंत्र दिवस समारोह – 26 जनवरी, 2026

परेड का मार्ग: विजय चौक-कर्तव्य पथ-'सी'-हेक्सागन-R/A नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की प्रतिमा-तिलक मार्ग-बहादुर शाह ज़फर मार्ग-नेताजी सुभाष मार्ग-लाल किला

गणतंत्र दिवस 26 जनवरी, 2026 को मनाया जाएगा। परेड सुबह 10:30 बजे विजय चौक से प्रारंभ होगी और लाल किला मैदान पर समाप्त होगी। राष्ट्रीय युद्ध स्मारक, इंडिया गेट पर सुबह 09:30 बजे इससे संबंधित कार्यक्रम होगा। मार्ग पर परेड के सुचारू संचालन के लिए विस्तृत यातायात व्यवस्था और प्रतिबंध होंगे।

आम जनता के लिए निर्देश

1. आमंत्रित व्यक्ति / टिकट धारक रक्षा मंत्रालय की वेबसाइट पर उपलब्ध एनिमेटेड वीडियो 'आरडीपी 2026 तक कैसे पहुंचें' देख सकते हैं, जिससे उन्हें अपने संबंधित पार्किंग स्थल तक पहुंचने में मार्गदर्शन मिलेगा। वीडियो का क्यूआर कोड नीचे दिया गया है।
2. नोट: आमंत्रित व्यक्ति अपने-अपने पार्किंग स्थल तक पहुंचने के लिए गूगल मैप्स या मैप्ल्स मैप की दिशा-निर्देशक सहायता ले सकते हैं।

यदि कोई अज्ञात या संदिग्ध वस्तु / व्यक्ति दिखाई देता है, तो ड्यूटी पर निकटतम पुलिसकर्मी को जानकारी दी जानी चाहिए।

पैरा-ग्लाइडर, पैरा-मोटर्स, हैंग ग्लाइडर, यूएवी, यूएएस, माइक्रोलाइट विमान, दूर से संचालित विमान, गर्म हवा के गुब्बारे, छोटे आकार के संचालित विमान, क्वाडकॉप्टर या विमान से पैरा जंपिंग आदि जैसे उप-पारंपरिक हवाई प्लेटफार्मों से उड़ान 01.02.2026 तक राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में प्रतिबंधित है।

आम जनता और मोटर चालकों को सलाह दी जाती है कि वे धैर्य रखें, यातायात नियमों और सड़क अनुशासन का पालन करें और सभी चौराहों पर तैनात यातायात कर्मियों के निर्देशों का पालन करें और यातायात पुलिस के फेसबुक पेज, X हैंडल और यातायात पुलिस हेल्पलाइन के माध्यम से अपडेट रहें। लोगों से अनुरोध है कि वे अपनी यात्रा की योजना पहले से बनाएं और असुविधा से बचने के लिए पर्याप्त समय रखें।

आम जनता और वाहन चालक दिल्ली यातायात पुलिस वेबसाइट https://traffic.delhipolice.gov.in, फेसबुक पेज https://www.facebook.com/dtptraffic, X https://x.com/dtptraffic, इंस्टाग्राम पेज https://www.instagram.com/dtptraffic के माध्यम से अपडेट रह सकते हैं। व्हाट्सअप नम्बर 8750871493 एवं हेल्पलाइन नम्बर 1095/011-25844444.

टीएसआर/टैक्सी

26.01.2026 को सुबह 07:00 बजे के बाद किसी भी टीएसआर और टैक्सी को निम्नलिखित क्षेत्र में प्रवेश करने या चलने की अनुमति नहीं दी जाएगी:

मदर टेरेसा क्रिसेंट–बाबा खड़क सिंह मार्ग–अशोक रोड राउन्डअबाउट पटेल चौक तक–संसद मार्ग टॉलस्टॉय मार्ग तक–टॉलस्टॉय मार्ग कस्तूरबा गांधी मार्ग तक–कस्तूरबा गांधी मार्ग फिरोजशाह रोड तक–फिरोजशाह रोड राउन्डअबाउट मंडी हाउस तक–भगवान दास रोड–मथुरा रोड–सुब्रमण्यम भारती मार्ग–हुमायूं रोड–ए.पी.जे अब्दुल कलाम मार्ग–कमल अतातुर्क मार्ग–कौटिल्य मार्ग और सरदार पटेल रोड (छोड़कर)।

यातायात प्रतिबंध

परेड के सुचारू मार्ग को सुविधाजनक बनाने के लिए, परेड के मार्ग की ओर जाने वाली कुछ सड़कों पर यातायात का आवागमन निम्नानुसार प्रतिबंधित रहेगा:

(1) 25.01.2026 को शाम 06:00 बजे से परेड खत्म होने तक विजय चौक से इंडिया गेट तक कर्तव्य पथ पर किसी यातायात को अनुमति नहीं होगी।
(2) 25.01.2026 को रात्रि 10:00 बजे से रफी मार्ग, जनपथ, मान सिंह रोड पर परेड समाप्त होने तक कर्तव्य पथ की ओर यातायात की अनुमति नहीं होगी।
(3) 'सी'–हेक्सागन–इंडिया गेट, 26.01.2026 को सुबह 09:15 बजे से परेड के तिलक मार्ग पार होने तक यातायात के लिए बंद रहेगा।
(4) 26.01.2026 को सुबह 10:30 बजे से तिलक मार्ग, बी.एस.जेड मार्ग और सुभाष मार्ग पर दोनों दिशाओं में यातायात की अनुमति नहीं होगी। परेड की आवाजाही के आधार पर केवल क्रॉस ट्रैफिक की अनुमति दी जाएगी।

सड़क उपयोगकर्ताओं से अनुरोध है कि वे तदनुसार अपनी यात्रा की योजना पहले से बनाएं और अपनी सुविधा के लिए सुबह 09:30 बजे से दोपहर 01:00 बजे तक परेड के मार्ग से बचें।

सुझाए गए मार्ग

हालाँकि, यदि यात्रा अपरिहार्य है, तो सड़क उपयोगकर्ताओं को निम्नलिखित मार्ग अपनाने की सलाह दी जाती है:

उत्तर-दक्षिण कॉरिडोर

- रिंग रोड–आश्रम चौक–सराय काले खां–आई.पी. फ्लाईओवर–राजघाट–रिंग रोड।
- मदरसा से लोधी रोड 'टी' पॉइंट–अरबिंदो मार्ग–एम्स चौक–रिंग रोड–धौलाकुआं–वंदे मातरम् मार्ग–शंकर रोड–पार्क स्ट्रीट या मंदिर मार्ग।

पूर्व-पश्चिम कॉरिडोर

- रिंग रोड-भैरों रोड-मथुरा रोड-सुब्रमण्यम भारती मार्ग-राजेश पायलट मार्ग-पृथ्वी राज रोड-सफदरजंग रोड-कमाल अतातुर्क मार्ग-पंचशील मार्ग-साइमन बोलिवर मार्ग-अपर रिज रोड / वंदे मातरम् मार्ग।

या

- रिंग रोड–आईएसबीटी–चंदगी राम अखाड़ा–माल रोड–आजाद पुर–रिंग रोड।
- रिंग रोड–भैरों रोड–मथुरा रोड–लोधी रोड–अरबिंदो मार्ग–सफदरजंग रोड–तीन मूर्ति मार्ग–मदर टेरेसा क्रिसेंट–पार्क स्ट्रीट–शंकर रोड–वंदे मातरम् मार्ग।

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के लिए

- **दक्षिण दिल्ली से** : धौला कुआं–वंदे मातरम्–पंचकुइयां रोड–आउटर सर्कल कनॉट प्लेस–पहाड़गंज की ओर के लिए चेम्सफोर्ड रोड या अजमेरी गेट की ओर के लिए मिंटो रोड–भवभूति मार्ग।
- **पूर्वी दिल्ली से** : आईएसबीटी ब्रिज के माध्यम से बुलेवार्ड रोड–रानी झाँसी फ्लाईओवर–राउन्ड अबाउट झंडेवालान–डी.बी. गुप्ता रोड–शीला सिनेमा रोड–पहाड़गंज ब्रिज और नई दिल्ली रेलवे स्टेशन तक पहुंचें।

पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन के लिए

- **दक्षिण दिल्ली से** : रिंग रोड–आश्रम चौक–सराय काले खां–रिंग रोड–राज घाट–रिंग रोड–चौक यमुना बाजार–एस.पी. मुखर्जी मार्ग–छत्ता रेल–कोडिया ब्रिज और पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन तक पहुंचें।

हालाँकि उत्तरी दिल्ली से नई दिल्ली रेलवे स्टेशन या पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन की ओर जाने वाले लोगों के लिए कोई प्रतिबंध नहीं होगा, फिर भी यह सलाह दी जाती है कि वे अपनी यात्रा की योजना पहले से बना लें और संभावित देरी से बचने के लिए अपने गंतव्य तक पहुँचने के लिए पर्याप्त अतिरिक्त समय लेकर चले।

बस समाप्ति स्थान

सिटी बस सेवाओं की आवाजाही निम्नलिखित बिंदुओं पर समाप्त की जाएगी:

1.	पार्क स्ट्रीट / उद्यान मार्ग	2.	आराम बाग रोड (पहाड़गंज)
3.	आर / ए कमला मार्केट	4.	दिल्ली सचिवालय (आईजी स्टेडियन)
5.	प्रगति मैदान (भैरों रोड)	6.	हनुमान मंदिर (यमुना बाजार)
7.	मोरी गेट	8.	आईएसबीटी कश्मीरी गेट
9.	आईएसबीटी सराय काले खां	10.	तीस हजारी कोर्ट

अंतर्राज्यीय बसें

(I) गाजियाबाद से शिवाजी स्टेडियम जाने वाली बसें एनएच–24, रिंग रोड से होकर भैरों रोड पर समाप्त होंगी।
(II) एनएच–24 से आने वाली बसें रोड नं. 56 पर दाहिनी ओर मुड़ेंगी और आईएसबीटी आनन्द विहार पर समाप्त होंगी।
(III) गाजियाबाद की ओर से आने वाली बसों को मोहन नगर से वजीराबाद ब्रिज के लिए भोपुरा चुंगी की ओर मोड़ दिया जाएगा।
(IV) धौला कुआं की ओर से आने वाली सभी अंतर्राज्यीय बसें धौला कुआं पर समाप्त हो जाएंगी।

मेट्रो सेवाएँ

26 जनवरी, 2026 को गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान सभी मेट्रो स्टेशनों पर यात्रियों के लिए मेट्रो रेल सेवा उपलब्ध रहेगी।

एचटीवी/एमजीवी/एलजीवी

25.01.2026 को रात्रि 09:00 बजे से परेड समाप्त होने तक किसी भी एचटीवी / एमजीवी / एलजीवी को दिल्ली की सीमाओं से प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी जाएगी (आवश्यक सेवाओं को छोड़कर)।

26.01.2026 को सुबह 07:30 बजे से दोपहर 01:30 बजे तक रिंग रोड पर किसी भी एचटीवी / एमजीवी / एलजीवी को सराय काले खां आई.एस.बी.टी. और आईएसबीटी कश्मीरी गेट के बीच चलने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

गाजियाबाद

गत वर्ष की भाँति इस वर्ष भी 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस की मुख्य परेड का कर्तव्य पथ, दिल्ली में आयोजन किया जाना प्रस्तावित है। इसके सुरक्षित समापन को सुनिश्चित करने के लिए, कमिश्नरेट गाजियाबाद द्वारा दिनांक 25.01.2026 को रात्रि 08:00 बजे से 26.01.2026 को कार्यक्रम समाप्ति तक निम्नलिखित मार्गों से गाजियाबाद सीमा से दिल्ली में सभी प्रकार के वाणिज्यिक वाहनों (हल्के / मध्यम / भारी) के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाया जा रहा है। डायवर्जन निम्न प्रकार से किया जायेगा।

1. यूपी गेट / गाजीपुर बॉर्डर 2. दिल्ली मेरठ एक्सप्रेसवे यूपी गेट / गाजीपुर बॉर्डर 3. महाराज पुर / आनंद विहार बॉर्डर 4. सीमा पुरी बॉर्डर 5. डीएलएफ भोपुरा बॉर्डर 6. लोनी बॉर्डर 7. ईडीएम मॉल रोड 8. सूर्य नगर शाहदरा बॉर्डर 9. तुलसी निकेतन बॉर्डर 10. सेवाधाम चौकी तिराहा 11. अंकुर विहार बॉर्डर 12. सभापुर तिराहा

फरीदाबाद

गणतंत्र दिवस के मद्देनजर दिनांक 25.01.2026 को रात्रि 09.00 बजे से 26.01.2026 को दोपहर 01.30 बजे तक फरीदाबाद एवं दिल्ली में सभी व्यावसायिक वाहनों का प्रवेश वर्जित रहेगा।

सभी परिवहन एव वाणिज्यिक वाहन चालकों से अनुरोध है कि वे पुलिस प्रशासन द्वारा जारी निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करें।

✓ उत्तर प्रदेश और पलवल से आने वाले सभी भारी वाहन चालकों को अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए वैकल्पिक मार्ग केजीपी / केएमपी का उपयोग करना चाहिए। बदरपुर बॉर्डर, प्रह्लादपुर शूटिंग रेंज, मंगर होते हुए छतरपुर जाने वाली दुर्गा बिल्डर रोड आदि समेत फरीदाबाद–दिल्ली की सभी सीमाओं पर प्रवेश वर्जित रहेगा।
✓ राष्ट्रीय राजमार्ग पर वाहनों की साइड पार्किंग वर्जित है। उल्लंघन की स्थिति में नियमानुसार कार्रवाई की जायेगी।

निम्नलिखित स्थानों पर यातायात पुलिस एवं स्थानीय पुलिस द्वारा नाकाबंदी की जायेगी।

1. नाका सूरज कुंड चौक 2. नाका दुर्गा बिल्डर 3. नाका जेसीबी चौक 4. नाका बदरपुर बॉर्डर 5. नाका मंगर चौकी 6. नाका सीकरी एनएच–19 7. दिल्ली मुंबई एक्सप्रेस वे मैठापुर दिल्ली के पास

गौतमबुद्ध नगर

गणतंत्र दिवस 2026 के अवसर पर कमिश्नरेट गौतमबुद्ध नगर में यातायात व्यवस्थाएं इस प्रकार हैं:

दिल्ली पुलिस से प्राप्त निर्देशों के आधार पर 25 और 26 जनवरी 2026 को ट्रैफिक डायवर्जन लागू किया जाएगा।

दिल्ली से गौतमबुद्ध नगर तक की सीमाएँ: कालिंदी, डीएनडी, चिल्ला, न्यू अशोक नगर, वसुंधरा, झुंडपुरा और हरिदर्शन।

1. सुचारू यातायात व्यवस्था के दृष्टिगत गौतमबुद्ध नगर से दिल्ली में मालवाहक वाहनों (भारी, मध्यम एवं हल्के) का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा।
2. यातायात प्रबंधन के लिए गौतमबुद्ध नगर जिले से दिल्ली सीमा में प्रवेश करने वाले महत्वपूर्ण मार्गों–चिल्ला रेड लाइट बॉर्डर, डीएनडी बॉर्डर, कालिंदी कुंज बॉर्डर पर ट्रैफिक पुलिस तैनात की जाएगी।
3. चिल्ला रेड लाइट (सीमा) से दिल्ली में प्रवेश करने वाले और अन्यत्र जाने वाले वाहन चिल्ला रेड लाइट से यू–टर्न लेंगे और नोएडा–ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे और ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे के माध्यम से अपने गंतव्य की ओर बढ़ेंगे।
4. डीएनडी (सीमा) से दिल्ली में प्रवेश करने वाले और अन्यत्र जाने वाले वाहन डीएनडी टोल प्लाजा से यू–टर्न लेंगे और नोएडा–ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे और ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे के माध्यम से अपने गंतव्य की ओर आगे बढ़ेंगे।
5. कालिंदी कुंज यमुना (सीमा) से दिल्ली में प्रवेश करने वाले और अन्यत्र जाने वाले वाहनों को यमुना नदी से पहले अंडरपास तिराहा से डायवर्ट किया जाएगा और नोएडा–ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे और ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे के माध्यम से अपने गंतव्य की ओर प्रस्थान किया जाएगा।
6. यमुना एक्सप्रेस–वे से दिल्ली की ओर जाने वाले मालवाहक वाहनों को जीरो प्वाइंट से ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस–वे की ओर डायवर्ट किया जायेगा।
7. मुख्य सड़क पर कोई वाहन खड़ा न हो, इसके लिए ट्रैफिक पुलिस क्यूआरटी टीम तैनात की जाएगी।
8. विशेष परिस्थितियों में वाहनों को मुख्य मार्गों से हटाकर कुछ समय के लिए चिल्ला–शनि मंदिर रोड, पुस्ता रोड सेक्टर 94 और सेक्टर 44 सर्विस रोड पर पार्क किया जाएगा।
9. सुरक्षा कारणों से नोएडा स्थित डीएमआरसी मेट्रो स्टेशनों–बॉटनिकल गार्डन, सिटी सेंटर, इलेक्ट्रॉनिक सिटी, बर्ड सेंचुरी पर पार्किंग खाली कराई जाएगी और बंद कर दी जाएगी।
10. ट्रैफिक सलाह और अपडेट ट्विटर, फेसबुक और व्हाट्सएप जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से या ट्रैफिक हेल्पलाइन नंबर 9971009001 पर संपर्क करके प्रदान किया जाएगा।

गुरूग्राम

25.01.2026 को रात्रि 09:00 बजे से 26.01.2025 को गणतंत्र दिवस की परेड समाप्त होने तक किसी भी HTV/MGV/LGV को (आवश्यक सेवाओं को छोड़कर) दिल्ली में प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। निम्नलिखित सीमा बिंदुओं से डायवर्जन किया जाएगा: **1.** रजोकरी **2.** कापसहेड़ा **3.** आया नगर **4.** बजघेरा

द्वारका–हरियाणा सीमा

गणतंत्र दिवस–2026 समारोह के मद्देनजर, 26.01.2026 को गणतंत्र दिवस परेड कर्तव्य पथ, दिल्ली में आयोजित करने का प्रस्ताव है। इसे सुरक्षित संपन्न कराने के लिए कानून–व्यवस्था एवं यातायात की व्यापक व्यवस्था की गयी है. सीमाओं पर ट्रैफिक डायवर्जन प्रभावी रहेगा। इसलिए, सभी प्रकार के वाणिज्यिक वाहनों (हल्के / मध्यम / भारी) को रात्रि 09:00 बजे (25.01.2026) से दोपहर 01:30 बजे (26.01.2026) तक दिल्ली में प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

निम्नलिखित सीमाओं में किया जायेगा डायवर्जन:–
मुख्य सीमाएँ: 1. टिकरी बॉर्डर 2. झारोदा बॉर्डर 3. ढांसा बॉर्डर 4. दरौला बॉर्डर
आंतरिक सड़क / ग्राम सीमाएँ: 1. झटिकरा बॉर्डर 2. नानाखेड़ी / बडुसरिया बॉर्डर 3. सुरखपुर बॉर्डर
बहादुरगढ़ हरियाणा क्षेत्र में डायवर्जन योजना:–
1. टी–प्वाइंट सेक्टर–9, बहादुरगढ़ से बहादुरगढ़ बाईपास और केएमपी एक्सप्रेसवे 2. बहादुरगढ़ बाईपास से केएमपी एक्सप्रेसवे तक यू–टर्न 3. केएमपी एक्सप्रेसवे से केएमपी एक्सप्रेसवे के पास
गुरूग्राम हरियाणा क्षेत्र में डायवर्जन योजना
1. लोहट गांव से गुरूग्राम–बादाली रोड 2. धरमपुर चौक, सेक्टर–108, गुरूग्राम से गुरूग्राम–द्वारका एक्सप्रेस वे 3. बाबूपुर चौक, सेक्टर–108, गुरुग्राम से द्वारका एक्सप्रेस वे

झज्जर

25.01.2026 को रात्रि 09:00 बजे से 26.01.2026 को गणतंत्र दिवस की परेड समाप्त होने तक किसी भी HTV/MGV/LGV को (आवश्यक सेवाओं को छोड़कर) दिल्ली में प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। निम्नलिखित सीमा बिंदुओं से डायवर्जन किया जाएगा: **1.** ढांसा बार्डर **2.** झारोदा **3.** टिकरी

सोनीपत

25.01.2026 को रात्रि 09:00 बजे से 26.01.2026 को गणतंत्र दिवस परेड समाप्त होने तक किसी भी HTV/MGV/LGV को (आवश्यक सेवाओं को छोड़कर) दिल्ली में प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। निम्नलिखित सीमा बिंदुओं से डायवर्जन किया जाएगा:– 1. ओचंदी 2. सिंघु

26.01.2026 को सुबह 07:30 बजे से दोपहर 01:30 बजे तक रिंग रोड पर किसी भी एचटीवी / एलजीवी को सराय काले खां आई.एस.बी.टी. और आईएसबीटी कश्मीरी गेट के बीच चलने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

DP/9844/2026

ट्रैफिक प्रहरी बनें | Google play | App Store से एप डाउनलोड करें | 24 घंटे ट्रैफिक हेल्पलाइन : 011-25844444/1095 | पुलिस को सूचना देने के लिए कॉल करें 14547 | तुरंत पुलिस सहायता पाने के लिए 112 पर कॉल करें

haribhoomi.com

गणतंत्र दिवस विशेष

हरिभूमि रविवार भारती

छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

नई दिल्ली, रविवार
25 जनवरी 2026

P-6

जब सबके मन में सभी धर्मों के लिए आदर होगा तभी देश-समाज में शांति आएगी

प्रोफेसर अशोक चक्रधर, साहित्यकार

धर्म-जाति के नाम पर सामाजिक विघटन को लेकर मेरा मानना है कि यदि पूरी दुनिया का धर्म एक होता तो लोगों के बीच जाति, धर्म के नाम पर कड़वाहट का प्रश्न नहीं उठता। कोई किसी धर्म का विरोध न करता, पूरी मानवता का एक धर्म होता। धर्म ज्यों-ज्यों वैयक्तिकता की ओर बढ़ता है, त्यों-त्यों उसका स्वरूप खराब हो जाता है। जब समाज के हर व्यक्ति के मन में सभी धर्मों के लिए आदर होगा, तभी देश-समाज में शांति आएगी। यही समस्या भाषा को लेकर भी है। अपनी मातृभाषा सभी को अच्छी लगती है। ऐसे में देश की भाषा कौन-सी है? राजभाषा, राष्ट्रभाषा है या व्यवहार की भाषा है, उसमें भी लोगों को भ्रम है। दरअसल, भाषा का मुद्दा स्थानीयता से जुड़ा हुआ मामला है।

जहां तक राजनीति और राजनेताओं में द्वेष की समस्या का सवाल है तो यह केवल हमारे देश की चिंता नहीं है, अब यह एक वैश्विक चिंता बन चुकी है। अलग-अलग दल हैं, उनके अपने विधान हैं, विचारधाराएं हैं, अलग-अलग किस्म की लड़ाइयां हैं। ऐसे में जाति, धर्म, भाषा आदि उनके हथियार बन जाते हैं। सच तो यह है कि राजनीति का शुद्ध स्वरूप कभी रहा ही नहीं। हमारे यहां लोकतंत्र है, उसमें संख्या बल है। अब संख्या बल जुटाने के लिए येन-केन प्रकारेण यानी साम, दाम, दंड, भेद किसी भी तरह के प्रयास किए जाते हैं, क्योंकि सत्ता में आने के लिए जीतना जरूरी है। बेशक सभी दल देश की भलाई के लिए जीतना चाहते हैं, सब अच्छा करना चाहते हैं, देश का विकास करना चाहते हैं। लेकिन जब तक तिकड़म नहीं करेंगे तब तक संख्याबल कैसे मिलेगा? संख्याबल के लिए (सत्ता में आने के लिए) ही दलों में राजनीतिक द्वेष होता है। यह दुनिया में सब जगह है।

दुष्प्रचारित भले ही किया जाता है लेकिन हमारा संविधान खतरे में नहीं है। संविधान हम सबको आजादी देता है। अब सवाल यह है कि यह आजादी अपनी नाक बचाने की देता है तो क्या दूसरे की नाक तोड़ने की भी देता है? इसका जवाब है कि आपकी आजादी वहां समाप्त हो जाती है, जहां दूसरे की नाक आ जाती है। चाहे वह नाक फिजिकल, वैचारिक, अपने ईगो की नाक हो या अपने अस्तित्व की। आपको अपने हाथ मर्यादा में रखने होंगे, आपको इतना हाथ फैलाकर अंगड़ाई लेने का अधिकार भी नहीं है कि दूसरे की नाक टूट जाए। कुछ लोग कहेंगे कि अंजाने में टूट गई, क्षमा करें! सच्चाई यह है कि जितने भी अंजाने में नाक तोड़ने के प्रयत्न हैं, वे जान-बूझकर किए जा रहे हैं। आज लोगों को भ्रमित करने के सशक्त माध्यम मौजूद हैं, जो लोगों को विश्वसनीय लगते हैं। आप जिस दल पर विश्वास करेंगे, वही विश्वसनीय लगेगा। लेकिन कोई भी दल पूरी तरह विश्वसनीय नहीं है, वह रह ही नहीं सकता। यह उसकी मजबूरी है। ऐसे में हमें चाहिए ऐसा संविधान, जैसा मुक्तिबोध कहते हैं, 'समस्या एक-मेरे सभ्य नगरों और ग्रामों में सभी मानव सुखी, सुंदर व शोषणमुक्त कब होंगे?' इसलिए ऐसा संविधान बने, जो सबको सुखी, शोषणमुक्त और सुंदर बना दे। सुंदर आदमी तब होता है, जब वह अंदर से तृप्त हो, अभावग्रस्त न हो, बल्कि भावों से संपन्न हो। *

भारतीय गणतंत्र के समक्ष
वर्तमान चुनौतियां और समाधान

गणतांत्रिक देश बनने के बाद बीते 76 वर्षों में आर्थिक, सामरिक और प्रौद्योगिकी जैसे कई क्षेत्रों में तो हमारे देश ने शानदार उपलब्धियां हासिल की हैं। लेकिन धर्म, जाति, भाषा और क्षेत्र के नाम पर समाज में विघटन भी नजर आता है। राजनीतिक दलों में आपसी मतभेद और द्वेष तो दिखता ही है। बात-बात पर संविधान को खतरे में बताया जाता है, जबकि ऐसा कहने वाले भी अकसर संविधान का उल्लंघन करने से नहीं कतराते। देश के समक्ष उपस्थित इन तमाम चुनौतियों के पीछे कौन से कारण जिम्मेदार हैं? इनके समाधान के लिए किस स्तर पर कैसे प्रयास किए जाने की जरूरत है? इस बारे में अलग-अलग क्षेत्रों की नामचीन शख्सियतों ने साझा किए अपने विचार।

{ विचार }

नैतिकता और देश प्रेम को शिक्षा का हिस्सा बनाना जरूरी है

राकेश सक्सेना, पूर्व न्यायाधीश, मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय

आजादी के समय भारत का बंटवारा धर्म के आधार पर हुआ। उसके बाद संविधान में कुछ ऐसी बातें आईं कि बहुसंख्यक बैकफुट पर आता चला गया। डॉ. भीमराव आंबेडकर ने संविधान में दस साल के लिए आरक्षण की बात कही, जो आज भी चल रहा है। हाल यह है कि अब न सुप्रीम कोर्ट कुछ कर सकता है न किसी भी राजनीतिक दल का कोई नेता, जबकि आरक्षण आर्थिक आधार पर होना चाहिए था। लोगों को धर्म और जाति के आधार पर बांटने से भले देश कमजोर होता हो लेकिन नेताओं को फर्क नहीं पड़ता। समाज को वसुधैव कुटुंबकम और मानवता की बात सिखाई जानी चाहिए। हमारी प्राचीन शिक्षा प्रणाली के जो मूलभूत सिद्धांत थे (छात्रों को नैतिकता, राष्ट्रभक्ति, सहिष्णुता के संस्कार देना) वो आज की शिक्षा व्यवस्था में गौण हो चुके हैं। बस ज्यादा कमाने की होड़ है, ऐसे में नैतिकता, सामाजिक हित और देश प्रेम को शिक्षा का हिस्सा बनाना जरूरी है। शिक्षा ग्रासरूट पर काम करके नैतिकता व जीवन मूल्यों को सिखाने का सशक्त माध्यम है।

यह सही है कि गांधीजी का अपना सिद्धांत था। लेकिन देश को आजाद कराने में अहिंसात्मक आंदोलन और क्रांतिकारियों के द्वारा शक्ति प्रदर्शन दोनों की भूमिका रही। आजादी के बाद एक वर्ग के लोगों को सत्ता मिली, लेकिन वे लोग जिन्होंने देश को आजाद कराने में अपनी जान लगा दी। जैसे भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव, बटुकेश्वर दत्त, चंद्रशेखर आजाद, सुभाषचंद्र बोस जैसे अनेक स्वतंत्रता सेनानियों को देश में वह मान-सम्मान नहीं मिला, जो मिलना चाहिए था। ये बातें देश के लोग जानते हैं इसलिए समाज में मतभेद है।

हालांकि देश में कुछ लोग सच में राष्ट्रहित चाहते हैं, राष्ट्रप्रेमी हैं। लेकिन यह बड़ी विडंबना है कि कुछ लोगों को देश के खिलाफ बोलने में ही एक वर्ग विशेष का समर्थन मिल रहा है। इससे राजनीतिक द्वेष बढ़ रहा है। अब यह द्वेष केवल देश का आंतरिक मामला नहीं रहा, इसे बाहर से भी बढ़ावा मिल रहा है, जो स्पष्ट दिखाई देता है। बाहर से नैरेटिव आते हैं और फिर कुछ लोग उस नैरेटिव के अनुसार देश के खिलाफ बोलने में खुद को बहुत एडवांस समझते हैं, देश की एकता और अखंडता के लिए यह बहुत खतरनाक स्थिति है।

मेरा मानना है कि संविधान में बदलाव की जरूरत है। कुछ संशोधन राष्ट्रहित को ध्यान में रखकर किए जाने चाहिए। सबसे मुख्य बात यह है कि संविधान में यदि सभी को बोलने की आजादी दी गई है तो उसका दुरुपयोग नहीं किया जा सकता। आज संविधान में नागरिक कर्तव्यों को दरकिनार कर संविधान को एक शील्ड की तरह इस्तेमाल किया जा रहा है। कोई आजादी के नाम पर अभद्र भाषा व देशविरोधी धमकी तक दे देता है। उसके साथ कुछ नहीं होता जबकि ऐसे में राष्ट्रसुरक्षा से जुड़ा केस तक चलाया जा सकता है, यह कानून में है। लेकिन ऐसा नहीं होता। संविधान की आड़ में राष्ट्र विरोध में काम करने वालों को सपोर्ट मिल रहा है। चिंताजनक है कि वे लोग संविधान खतरे में है, ऐसा बोलकर अपनी स्वार्थ की रोटियां सेंक रहे हैं। *

शिक्षा-जागरूकता से ही खत्म हो सकता है धर्म-जाति भेद

ऋतु सारस्वत, समाजशास्त्री

यह चिंताजनक बात है कि भारत में जो सामाजिक असमानताएं हैं, वो निरंतर प्रयास के बाद भी पूरी तरह समाप्त नहीं हुईं। दरअसल, अधिकांश क्षेत्रीय हों या राष्ट्रीय दल, सभी में राजनीतिक स्वार्थ इतना गहरा है कि धर्म, जाति व क्षेत्रवादी राजनीति करते हैं। भाषा की राजनीति ने तो भारत की आत्मा को छलनी कर दिया है। युवा पीढ़ी इस राजनीति की इस कदर शिकार हो रही है कि वह अपनी पहचान तक के लिए लड़ रही है कि क्या मैं भारत का ही निवासी हूं? यह स्थिति पीड़ादायक है। इस भाषा की राजनीति को जल्द रोकना बहुत जरूरी है। इसके अलावा सोशल मीडिया के वो इंफ्लूएंसर, जो बिना तथ्यों को समझे गलत जानकारी, भ्रम, अफवाहें फैलाकर समाज में नकारात्मक और ध्रुवीकरण की भावना को फैला रहे हैं, वे भी हमारी गणतांत्रिक व्यवस्था के लिए बहुत बड़े बाधक हैं। इनके अलावा हमारी शिक्षा नीति में नैतिक व नागरिक मूल्यों की चर्चा बहुत कम है। ऐसे में विद्यार्थी रोजगार के लिए प्रोफेशनल रूप से तो तैयार हो रहे हैं लेकिन नैतिक आचरण के मूल भाव को नहीं सीख पाते। हमारी शिक्षा नैतिक मूल्यों, सहिष्णुता और वैज्ञानिक सोच को मजबूत करने वाली होनी चाहिए। विकास की योजनाएं ऐसी हों, जो असमानता को दूर कर अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक पहुंचे, तभी विघटन दूर होगा। हालांकि मुझे समाज में जाति भेद जल्दी खत्म होता नहीं दिख रहा है। इसमें अभी समय लगेगा और यह काम केवल शिक्षा व जागरूकता से ही संभव है। सत्ता ऐसा नशा है, जिसे व्यक्ति छोड़ना ही नहीं चाहता और इसे पाने के लिए साम, दाम, दंड, भेद जैसे सभी हथियारों का प्रयोग करता है। आज कुछ लोग इसके लिए राष्ट्रहितों की तिलांजलि देने तक से पीछे नहीं हटते हैं। संवाद की जगह आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति चल रही है। इस समस्या का समाधान यही है कि जो लोग पीढ़ी दर पीढ़ी सत्ता में आ रहे हैं, उनके बजाय पढ़े-लिखे नेता राजनीति में आएं। राजनीति के लिए भी एक न्यूनतम शिक्षा होना अनिवार्य है। जिस प्रकार बाकी क्षेत्रों में ओरिएंटेशन होता है, वैसे ही राजनीति में भी हो, ताकि उन्हें आभास हो सके कि जिस व्यवस्था में वे आए हैं, वहां उनसे क्या अपेक्षा है और क्या उनकी भूमिका होनी चाहिए? इसके साथ ही राजनीतिक समाजीकरण की भी बहुत आवश्यकता है। यह पाठ्यक्रम का हिस्सा होना चाहिए। इससे लोगों को पता चलेगा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था को सुदृढ़ करने के कौन-कौन से साधन हो सकते हैं। साथ ही ऐसी कौन-सी अवधारणाएं, विचारधाराएं हैं, जो व्यवस्था में कुठाराघात कर रही हैं?

संविधान खतरे में है, यह कहना हास्यास्पद है। जब कोई नेतृत्व में बैठा व्यक्ति यह कहता है तो एक बार वह स्वयं यह विश्लेषण भी कर ले कि संविधान में नागरिकों के अधिकारों के साथ कर्तव्यों की बात भी है। अगर संविधान खतरे में है तो इसका स्पष्ट तात्पर्य यह हुआ कि उसने अपने कर्तव्यों के निर्वहन में कमी रखी है, तभी संविधान खतरे में है। *

समाज बांटने वालों का जनता स्वयं तिरस्कार करे

प्रोफेसर जगमोहन सिंह राजपूत, पूर्व निदेशक-एनसीईआरटी

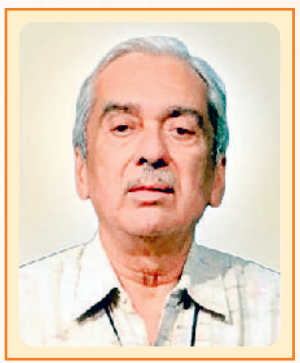

धर्म, जाति व भाषा के विवाद को मैंने लंबे समय से देखा है। यह देश में धीरे-धीरे राजनीति के कारण फैलाया गया। मैंने सभी शिक्षा नीतियों का अध्ययन किया है। सन 1974 से देश-विदेश की महत्वपूर्ण शिक्षा बैठकों का हिस्सा रहा हूं। आजादी के शुरुआती 3-4 दशकों में जो सरकारें बनीं, वे भाषा की समस्या का ऐसा समाधान नहीं निकाल पाईं, जिससे इन प्रवृत्तियों को रोका जाता। देश में अल्पसंख्यक और बहुसंख्यक का जो कॉन्सेप्ट आया, वह लोगों को अलग करने और अविश्वास पैदा करने में भागीदार रहा। अब अगर आप गांव के स्कूल में कुछ बच्चों को साइकिल, कुछ को वजीफा देंगे और कुछ बच्चों को कुछ भी नहीं देंगे, तो उन मासूम छोटे बच्चों के अंदर कैसी भावना पैदा होगी? हमें इस बात की कोई आवश्यकता नहीं थी कि हम इस तरह का कोई भेदभाव बच्चों के बीच करते। सहायता दीजिए लेकिन उस तरीके से दीजिए कि एक वर्ग के लोगों को ऐसा न लगे कि मैं ही क्यों छूट गया? मैं जापान का उदाहरण अकसर देता हूं। दूसरे विश्वयुद्ध के बाद वह देश मनोबल और भौतिक स्तर पर टूट गया था। लेकिन उन्होंने अपने स्कूलों के अध्यापकों को तैयार किया और उन्होंने बच्चों को कहा कि अब तुम्हें देश बनाना है। जब तक आपके अध्यापकों को यह पता न चले कि मैं देश का निर्माता हूं, देश का भविष्य बना रहा हूं, तब तक यह अविश्वास बढ़ता रहेगा। यदि हम आजादी के बाद यह भेदभाव न करते तो यह स्थिति न होती। हमने संवेदनशीलता के साथ इस पक्ष का विवेचन नहीं किया। वास्तव में समाज के अलग-अलग वर्गों में बढ़ती दूरी जैसी समस्याएं, आज पैदा नहीं हुई हैं, इनका इतिहास है। जब आपको पिछला पता नहीं होगा, तो आप एक तरफा ही देख सकेंगे। पहले वे लोग, जिन्होंने देश को धर्म और जाति में बांटा, वे जिम्मेदार हैं और आज जो बांट रहे हैं, वे भी जिम्मेदार हैं।

मेरा मानना है कि बच्चों और युवाओं को यह बताना चाहिए कि दुनिया की सभी समस्याओं के पीछे कहीं न कहीं धर्म आ ही जाता है और दुनिया की सारी समस्याओं का समाधान भी धर्म ही है। समाधान यह है कि हर नागरिक के मन में यह भाव पले कि मेरे लिए मेरा धर्म सबसे अच्छा और आपके लिए आपका। इसके अलावा कोई रास्ता नहीं है। जब छोटे बच्चों को हम यह सिखाएंगे कि आपके बगल में बैठे बच्चे का धर्म भी उतना ही महान है, जितना आपका तो उसके मन में सभी धर्मों को लेकर सम्मान रहेगा। यही एक तरीका है, जो सामाजिक विघटन को रोक सकता है। इसके साथ यह भी जरूरी है कि जो नेता किसी भी आधार पर समाज को बांटने की कोशिश करे, जनता स्वयं उसका तिरस्कार करे। आज का एक बड़ा विरोधाभास यह है कि जो संविधान की मर्यादाओं को स्वयं नहीं मानते, वही कहते हैं कि संविधान खतरे में है। संविधान खतरे में है, ऐसा भ्रम फैलाने वालों को जनता अच्छी तरह जानती-समझती है। इसलिए वही ऐसे लोगों को सबक सिखा सकती है। *

प्रस्तुतिः रेनू खंतवाल

गीत

प्रो. शरद नारायण खरे

शूरवीर भारत की सेना

जिसने हर मुश्किल में भी कर डाला शत्रु-दमन।
शूरवीर भारत की सेना, करते सभी नमन।
नहीं जान की कोई फिक्र की, बस सीमा देखी।
निज गृह की परवाह नहीं की, बस हिम्मत देखी।।
भारत की सेना देख करें घुसपैठी त्वरित गमन।
शूरवीर भारत की सेना, करते सभी नमन।।
आशाओं के दीप जलाकर, हमको राहत नित दी।
सर्दी, गर्मी, बारिश में भी, हमको हिम्मत नित दी।।
हे सेना! भारत की अनुपम, तुमने किया चमन।
शूरवीर भारत की सेना, करते सभी नमन।।
अंधकार में प्रखर रोशनी, रहते सीना ताने।
सचमुच में हम विश्वविजेता, भले न कोई माने।।
भारत की सेना का अर्पित हरदम तन और मन।
शूरवीर भारत की सेना, करते सभी नमन।।
तीज और त्योहार सभी ही सीमा पर हैं मनते।
अगर पड़ोसी आंख दिखाए, पलट प्रहार फिर सहते।।
सदा तिरंगा हाथों में, अधरों पर जन-गण-मन।
शूरवीर भारत की सेना, करते सभी नमन।।
ईद, दिवाली, होली तुमसे, ओ' भारत की सेना।
तुमने तो सीखा है हरदम, केवल सेवा देना।।
वजह तुम्हीं हो, जिसके कारण महक रहा गुलशन।
शूरवीर भारत की सेना, करते सभी नमन।।

{ व्यंग्य / सूर्यकुमार पांडेय }

अब सेल्फ सर्विस ही देश सेवा

आज के दौर में देश सेवा के नाम पर अधिकांश अंतरी से लेकर संतरी तक सेल्फ सर्विस करने की ही जुगाड़ में लगे रहते हैं। यही वजह है कि वास्तव में देश सेवा करने वाले लोग खुद को बेबस और असमंजस में महसूस करते हैं। ऐसे ही टेंशनियाए हुए भाई जी की दास्तान।

भाई जी को देश की चिंता है। वह अपना दुःखड़ा किसे सुनाएं? समाज व्यक्तिवादी होता जा रहा है। नई जनरेशन अपने में मगन है। पुरानी का आचरण अनुकरणीय नहीं रहा। देश की राजनीति लाफ्टर शो हो चुकी है और मीडिया सनसनीखेज न्यूज परोसने में व्यस्त है।

भाई जी का कहना है, यहां हर कोई मनमानी कर रहा है। अंतरी से संतरी तक इसे लूटने में लगे हैं। पगले की भैंस ब्याई है, सब बाल्टी लेकर दौड़ रहे हैं। लोगों के हाथ लंबे और जेबें चौड़ी हो चुकी हैं। अब कोई 'अंडरलैंड डीलिंग' नहीं होती। खुला खेल फरक्खाबादी है।

भाई जी को टेंशनित पाकर मैंने उन्हें सुझाव थमाया, 'आप स्वयं की एक संस्था बना लीजिए, चंद बचे-खुचे समर्पित लोगों को जोड़िए, देश के लिए सार्थक काम कीजिए। तमाम लोग यही कर रहे हैं। जिनके पास खुद के एनजीओज हैं, वे मौज में हैं। उग-पनप रहे हैं। आप भी सरकारी एड हथियाइए और फलिए-फूलिए। इन दिनों स्वयंसेवा ही देश-सेवा है। भुक्खड़ रहनुमा हो गए हैं। 'भूखे भजन न होहिं गोपाला, इस नाते वे अपना पेट भर रहे हैं। पहले स्वयं खा-पीकर मुटा लें, इस लायक तो हो लें कि चल-फिर सकें, तब करेंगे कुछ काम। यों भी कड़ी मेहनत का काम है देश-सेवा। इसके लिए पर्याप्त एनर्जी की आवश्यकता होती है। लोग वैकल्पिक ऊर्जा प्राप्त कर रहे हैं। प्राकृतिक और भौतिक रिसोर्सेज को दुह रहे हैं। ऊर्जा की मलाई चांपते इन जनसेवकों को आप भी अपना आइडियल बनाइए।'

भाई जी की फिक्रमंद खोपड़ी में मेरी यह एडवाइस लगभग-लगभग घुसी। वह कहने लगे, 'मैंने एक बार एक संस्था बनाई थी। चंदा-वंदा भी कलेक्ट किया था। सरकारी अनुदान की जुगत भी भिड़ाई थी। सारा गुड़-गोबर हो गया। चंदे में चींटे लग गए। इसका एक बड़ा हिस्सा सरकारी अनुदान प्राप्त करने में खप गया। भैये, यह संस्था वाला धंधा अपने बूते का नहीं है। कुछ नया करना होगा।'

भाई जी की चिंता कैसे सॉल्व हो, अब यह देश की चिंता का विषय है। प्रॉब्लम यह है कि भाई जी को खुला खेल पसंद नहीं है। *

{ लघुकथा / विनय कुमार पाठक }

बेबसी

काफी देर से बिंदी प्रसव पीड़ा से छटपटा रही थी। गांव में पक्की सड़क थी नहीं। शहर को जाने वाली मुख्य सड़क ढाई किलोमीटर दूर थी। बिंदी का पति मंगरू घबरा रहा था। क्या उपाय किया जाए, उसकी समझ में नहीं आ रहा था। फिर गांव के लोगों ने आनन-फानन में बहंगी बनाई और बिंदी को लेकर किसी तरह पक्की सड़क तक पहुंचे। ढाई किलोमीटर की दूरी तय करने में काफी समय लग गया। इस बीच बिंदी दर्द से कराहती रही। सड़क तक पहुंचने के बाद किसी तरह एक वाहन की व्यवस्था कर उसे नजदीकी सरकारी स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। वहां प्राथमिक उपचार कर उसे सदर अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। यह सब करने में काफी देर हो गई। सदर अस्पताल पहुंचते-पहुंचते अधिक रक्तस्राव होने के कारण बिंदी और उसके गर्भ में पल रहे अजन्मे बच्चे की सांसें थम गईं। मंगरू बदहवास-बेबस सा अपनी पत्नी के शव के बगल में सिर थाम कर बैठ गया। उसका मुख एकदम से मलिन हो गया था। वहीं बगल की दीवार पर एक पोस्टर चिपका था, जिस पर लिखा था, 'आपका स्वास्थ्य, हमारी जिम्मेवारी।' पोस्टर पर ही राज्य के मुख्य मंत्री और स्वास्थ्य मंत्री के मुस्कुराते चेहरे ऐसे प्रतीत हो रहे थे, जैसे मंगरू की बेबसी पर मुस्कुरा रहे हों। *

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

रोशनी की शिनाख्त

वर्तमान हिंदी साहित्य के परिदृश्य में शीर्षस्थ व्यंग्यकारों में ज्ञान चतुर्वेदी भी प्रतिष्ठित हैं। उनकी व्यंग्यात्मक दृष्टि इतनी गहरी और पैनी है कि अपने आस-पास के समाज में पैबस्त सूक्ष्म से सूक्ष्म विद्रूप की भी वे शिनाख्त करके हमारे सामने ले आते हैं। उनके ऐसे ही कुछ धारदार व्यंग्यों का संकलन 'रोशनी की शिनाख्त' हाल में छपकर आया है। हिंदुस्तान में हिंदी और हिंदी दिवस की दुर्दशा पर करारा कटाक्ष 'साहब और हिंदी' में किया गया है। 'दरअसल आज हिंदी डे है। आज से सरकारी दफ्तरों में हिंदी सेलिब्रेशन पखवाड़ा शुरू होगा।' वर्तमान स्वतंत्र-गणतंत्र भारतवर्ष में गांधीजी कितने प्रासंगिक हैं, इसे समझने के लिए 'गांधी जी की गवाही' व्यंग्य को पढ़ा जा सकता है। इसकी ये पंक्तियां देखने योग्य हैं, 'गांधी जी को मरा बोलते शर्म नहीं आती? वे जिंदा हैं और रहेंगे। अपने पर्स में झांक कर देखो। गांधी जी हैं कि नहीं?' देश की नसों में समायी भ्रष्टाचार की प्रवृत्ति को लेखक ने पूरी निर्ममता से 'घोटालों का गणित' में उजागर किया है। एक सवाल में ही इसकी बानगी देखी जा सकती है, 'यदि कोई मंत्री खनिज खोदने और रेत बिकवाने से हजार करोड़ बनाने की ठान ले तो सारा प्रदेश खोद डालने में उसे कितने साल लगेंगे?'

पुस्तकः रोशनी की शिनाख्त, लेखकः ज्ञान चतुर्वेदी, मूल्यः 350 रुपए, प्रकाशकः राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

इस पुस्तक से गुजरते हुए स्पष्ट तौर पर कह सकते हैं कि इन व्यंग्यों के कटाक्षों से उत्पन्न होने वाली रोशनी इतनी तेजमय है, जिनसे हमारे देश-समाज की राजनीति, शासन-प्रशासन और तंत्र के अंधेरे-कोनों में भी ढंकी-तुपी विडंबनाओं और विसंगतियों की शिनाख्त आसानी से की जा सकती है। *

खबर संक्षेप

पूर्व मंत्री नसीमुद्दीन सिद्दीकी ने कांग्रेस छोड़ा

लखनऊ। यूपी में सियासी जमीन मजबूत करने में जुटी कांग्रेस को बड़ा झटका लगा। पंचायत चुनाव से पहले पश्चिमी यूपी के पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष वरिष्ठ नेता और नसीमुद्दीन सिद्दीकी ने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया।

उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, यूपी प्रभारी अविनाश पांडेय व प्रदेश अध्यक्ष को अपना इस्तीफा प्रेषित किया है।

रांची में सेना की फायरिंग रेंज में लगी आग

रांची। शनिवार को बरियातू पहाड़ियों पर मौजूद सेना के फायरिंग रेंज के पास टायरों के ढेर में आग लग गई। इस साइट का इस्तेमाल सेना फायरिंग अभ्यास के लिए करती है। अभ्यास के दौरान गोलियों को इधर-उधर छिटकने से रोकने के लिए भारी मात्रा में टायर रखे हुए थे, उसी में आग लगी है। मौके पर फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौजूद हैं और आग पर काबू पाने का हर संभव प्रयास जारी है।

मेरे खिलाफ साजिश का करूंगी पर्दाफाश

लखनऊ। इंस्टाग्राम पोस्ट में पत्नी अपर्णा यादव से तलाक संबंधी पोस्ट पर प्रतीक यादव अब तक खामोश हैं। हालांकि, एक टीवी चैनल से उन्होंने पारिवारिक मामला बताकर कुछ भी कहने से इन्कार कर दिया। उधर, अपर्णा यादव ने कहा कि रिश्ता तोड़ने की साजिश रची जा रही है। उनकी पहचान कर ली गई है। जल्द इसका खुलासा करेंगे।

भारतीय जनता पार्टी के साधारण कार्यकर्ता से प्रदेश अध्यक्ष, राज्यमंत्री से मुख्यमंत्री तक हर भूमिका में स्वयं को साबित कर चुके नायब सैनी हरियाणा के मुख्यमंत्री के रूप में अनूठी पहचान बना रहे हैं। आमजन सा दिखने वाला यह मुख्यमंत्री आज जब अपने जीवन के 56वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है, तो प्रदेश की राजनीति के साथ-साथ राष्ट्रीय राजनीति में भी पार्टी के लिए बेहद उपयोगी साबित हो रहा है। नारायणगढ़ के छोटे से गांव में जन्मा हरियाणा सरकार का यह नायक बिहार व दिल्ली के चुनाव में तो सफल रहा ही है, अब पंजाब में भी लोकप्रियता के नए मुकाम छू रहा है।

मुख्यमंत्री के तौर पर मजबूती से आगे बढ़ रहे नायब

भारतीय जनता पार्टी के साधारण कार्यकर्ता से लेकर प्रदेशाध्यक्ष और सरकार में राज्यमंत्री से मुख्यमंत्री तक हर भूमिका में स्वयं का साबित कर चुके नायब सैनी हरियाणा के मुख्यमंत्री के रूप में अनूठी पहचान बना रहे हैं। आमजन सा दिखने वाला यह मुख्यमंत्री जब अपने जीवन के 56 वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है, तो प्रदेश की राजनीति के साथ-साथ राष्ट्रीय राजनीति में भी पार्टी के लिए बेहद उपयोगी साबित हो रहा है। नारायणगढ़ के छोटे से गांव में जन्मा हरियाणा सरकार का यह नायक बिहार व दिल्ली के चुनाव में सफल रहा ही है, अब पंजाब में लोकप्रियता के नए मुकाम छू रहा है। प्रदेश की महिलाओं को 2100 रुपये प्रतिमाह देने का वायदा निभाकर सबका भाई बन चुका यह राजनेता सत्ता के शिखर पर बैठ कर भी सबको अपना सा लगता है। अपने ठेठ हरियाणवी सरल, सौम्य अंदाज में आम जन के दिलों में लगातार जगह बना रहे हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आज जन्मदिन है।

नायब सिंह सैनी के मुख्यमंत्री तक के सफर पर नजर डाली जाए तो उनके परिवार की जड़ें कुरुक्षेत्र के गांव मंगोली जाटान से जुड़ी हुई हैं। बाद में उनका परिवार अंबाला के मिर्जापुर माजरा शिफ्ट हो गया। जहां भविष्य मे प्रदेश की 14वीं विधानसभा के अंतिम छह माह में प्रदेश का नेतृत्व अपने हाथ में संभालने वाला बालक पैदा हुआ। 25 जनवरी 1970 को जन्में नायब सिंह सैनी ने राजनीतिक ककहरा भाजपा की पाठशाला में ही सीखा। उन्होंने अंबाला में बतौर कंप्यूटर ऑपरेटर राजनीतिक पाठशाला में दाखिला लिया। इसके बाद वे किसान मोर्चा में महामंत्री बनें। गो संरक्षण में योगदान दिया। बाद में वे अंबाला में भाजपा के अध्यक्ष भी बनें। 2009 का विधानसभा चुनाव भी नायरायणगढ़ हलके से लड़ा लेकिन पहला चुनाव वे हार गए। इसके बाद भी उन्होंने सक्रियता जारी रखी। उन्होंने अगला चुनाव 2014 में भी नारायणगढ़ से लड़ा और 24 हजार से अधिक वोटों से विजयी हुए। पहली ही बार में विधायक बनते ही उन्हें राज्यमंत्री बनाया गया। इसके बावजूद वे पार्टी संगठन के कार्यालयों से जुड़े रहे, प्रदेश व राष्ट्रीय संगठन के लिए काम करते रहे। इसके बाद उनका राज्यमंत्री का कार्यकाल पूरा भी नहीं हुआ था कि उन्हें कुरुक्षेत्र लोकसभा से 2019 का भाजपा का टिकट थमा दिया गया और वह सांसद चुने गए। बतौर सांसद भी उन्होंने अपने कार्य से अमिट छाप छोड़ी और वे कैथल व कुरुक्षेत्र में लगातार सक्रिय रहे। कोरोना महामारी के दौरान उन्होंने आमजन के बीच रहकर उनके कष्ट दूर करवाए। बतौर सांसद उनका कार्यकाल शानदार रहा था यही कारण है कि भाजपा आला कमान उनके कार्य की इतना मुरीद हो गई कि उन्हें हरियाणा भाजपा के संगठन की कमान सौंप दी गई। बतौर सांसद उनका कार्यकाल पूरा भी नहीं हुआ था और उन्हें प्रदेश अध्यक्ष बनें भी कुछ ही माह हुए थे कि भाजपा आलाकमान व विधायकों के समर्थन से प्रदेश मुख्यमंत्री बन गए। उन्होंने करनाल से विधायक बनने के लिए चुनाव लड़ा और जीता। महज छह माह में उन्होंने हरियाणा में बतौर सीएम ऐसी छाप छोड़ी कि हरियाणा की जनता ने ऐसे माहौल में उन्हें हरियाणा की बागडोर सौंप दी, जब पूरे प्रदेश में कांग्रेस की 70 सीटें आने की बात कही जा रही थी लेकिन यह नायब सिंह सैनी ही थे जो लगातार कह रहे थे कि भाजपा की ही सरकार बनने जा रही है।

प्रदेश की जनता को उन पर विश्वास ही था कि 2024 के चुनाव में हरियाणा की जनता ने स्पष्ट बहुमत से भाजपा को तीसरी बार सत्ता सौंप दी। उन्होंने सीएम बनते ही प्रदेश में सीएम आवास के दरवाजे आमजन के लिए खोल दिए। अपनी पहली कलम से हरियाणा के किसानों को फसल खराब होने का 88 करोड़ मुआवजा देने की शुरूआत कर मुख्यमंत्री ने आज तक ऐसे अनेकों फैसले लिए हैं, जो आने वाले समय में नजीर बनकर याद किए जाएंगे। प्रदेश में दौरे के बीच में अलाव सेंकते, सड़क पर स्वागत के लिए खड़े और गांवों में पेड़ की छांव में बैठे बुजुर्गों व आम लोगों के बीच जाकर उनका हाल-चाल जानना और उनकी समस्याएं सुनना मुख्यमंत्री को आम जन मानस के बीच खड़ा करता है और हरियाणा का आम जन मानस यह महसूस करता है कि वे हमारे राजा नहीं बल्कि हमारे बीच के ही व्यक्ति हैं। जो आम आदमी के दुख-दर्द को बखूबी समझते हैं। मुख्यमंत्री बनते ही उन्होंने कैंसर के मरीजों के लिए मदद सहित 54 दुलर्भ बीमारियों के इलाज में सहायता के लिए पोर्टल लॉन्च किया, इसके बाद एक लाख अस्सी हजार तक की आय वाले परिवारों के 84 लाख लोगों को एक हजार किलोमीटर तक निःशुल्क बस यात्रा का

जन्मदिन विशेष
नायब सिंह सैनी
मुख्यमंत्री हरियाणा

तोहफा नायब सिंह सैनी ने हरियाणा की जनता को दिया। उन्होंने 50 हजार सरकारी नौकरियां देने का ऐलान किया। विधानसभा चुनाव से पहले विपक्ष द्वारा चयन के बावजूद ज्वाइनिंग पर सवाल उठाने पर नायब सिंह सैनी ने विश्वास दिलवाया था कि वे शपथ बाद में लेंगे और युवाओं को ज्वाइनिंग पहले करवाएंगे। चुनाव परिणाम आने पर युवाओं से किया वादा पूरा किया। उनकी अगुवाई में अनुसूचित जाति के ए व बी के विभाजन को मंजूरी दी गई। 7500 से अधिक बीपीएल लाभार्थियों को सौ-सौ गज के प्लाटों पर कब्जा दिलवाया। आमजन की शिकायतों के तुरंत निवारण के लिए उन्होंने समाधान पोर्टल शुरू करवाया। हर सोमवार व वीरवार को उपमंडल व जिलास्तर पर अधिकारी अपने कार्यालयों में बैठकर आमजन की शिकायतें सुनते हैं। स्वयं सीएम नायब सिंह सैनी कई बार इन शिविर में भाग लेकर आमजन की शिकायत सुन चुके हैं। उन्होंने पिछले साल सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेश की सभी सड़कों की मरम्मत अगस्त माह तक हो जानी चाहिए। नायब सिंह सैनी ही थे, जिन्होंने भवन निर्माण मजदूरों के लिए रुके हुए लाभ को तुरंत जारी करवा दिया। उनके नेतृत्व में बाढ़ प्रबंधन की रणनीति तैयार हुई। सीएम की जमीनी स्तर पर समस्याओं की पकड़ इतनी गहरी है कि उन्होंने दाखिले के समय ही अनुसूचित जाति के बच्चों को छात्रवृत्ति देने के आदेश जारी किए। वहीं निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से 121 एचसीएस एलाइड सर्विसेज के अधिकारियों का परिणाम जारी हुआ। उन्होंने प्रदेश के युवाओं को 100 से अधिक योगशालाएं दीं। खेलों को बढ़ावा देने के लिए उन्होंने ग्रुप सी की नौकरियों में पात्र खिलाड़ियों को तीन प्रतिशत अलग से कोटा देने का फैसला लिया। उन्होंने हिसार हवाई अड्डे के विस्तारीकरण का ऐतिहासिक फैसला लिया। जिसके लिए 544 करोड़ रुपये की राशि से शिलान्यास एवं उद्घाटन किया। पिछड़ा वर्ग को लाभ देते हुए उन्होंने क्रीमीलेयर की आय सीमा छह लाख से बढ़ाकर आठ लाख कर दी। स्वतंत्रता सेनानियों व उनके आश्रितों की पेंशन को 25 हजार से बढ़ाकर 40 हजार कर दी। आपातकाल में सेनानियों व हिंदी आंदोलन के सेनानियों की पेंशन दस हजार से बढ़ाकर 20 हजार कर दी। उन्होंने जून 2024 में ही प्रदेश में जल वितरण व्यवस्था के लिए एक हजार करोड़ की भारी भरकम राशि की मंजूरी दी। तीन लाख रुपये तक निःशुल्क किडनी व लीवर ट्रांसप्लांट की सुविधा देने का ऐतिहासिक फैसला लिया। उन्होंने इसी अवधि जून 2024 में एचकेआरएन के कर्मचारियों के वेतनमान में बढ़ोतरी की, इसके साथ ही उन्होंने नगर पालिका, नगर परिषद के सफाई कर्मियों का न्यूनतम मानदेय 17 हजार करने व ग्रामीण सफाई कर्मियों का मानदेय 16 हजार करके विशेष तोहफा देने का काम किया। कई साल से हरियाणा में सरपंचों के लिए मुद्दा बनी समस्या का समाधान करते हुए सीएम नायब सिंह सैनी ने बिना टेंडर लगाए कार्य करवाने की सीमा 21 लाख तक तय करने व सरपंचों को हरियाणा में टीए व डीए देने का पहली बार ऐतिहासिक फैसला लागू किया। वन मित्रों को भी बीस रुपये प्रति पेड़ देने का फैसला लिया। वहीं अग्निवीर योजना में काम करके आने वाले युवाओं को रोजगार की गारंटी देने की पहल करते हुए कांस्टेबल, माइनिंग गार्ड, फोरेस्ट गार्ड व जेल वार्डन व एसपीओ की सीधी भर्ती में पहले दस प्रतिशत आरक्षण बाद में पुलिस भर्ती में कोटा को बढ़ाकर 20 प्रतिशत देने वाला हरियाणा का पहला राज्य बनाने का काम किया। 24 फसलों को एमएसपी पर खरीदने का फैसला लेकर किसानों को बड़ी राहत प्रदान की। पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव में पिछड़ा वर्ग में बी श्रेणी को भी आरक्षण देने का बड़ा फैसला लागू किया। इसके साथ ही गो संरक्षण के लिए प्रतिदिन चार रुपये प्रति गाय के हिसाब से दी जाने वाली राशि को बढ़ाकर पांच गुणा कर दिया। अनुबंधित कर्मचारियों की नौकरी को पक्का करने का आाम किया। बीपीएल परिवारों की महिलाओं को 500 रुपये में गैस सिलेंडर देने का फैसला लागू किया। महिला उत्थान के लिए उन्होंने ड्रोन दीदी योजना के अलावा सक्षम युवा व आईटी सक्षम युवा योजना को लागू किया।महापुरुषों व गुरुओं की शिक्षाओं को जन-जन तक पहुंचाने के लिए गुरु नानक देव जी के 555वें प्रकाश पर्व पर कई परियोजनाओं को मंजूरी दी। वीर बाल दिवस पर प्रदेश भर में कार्यक्रम आयोजित किए। सरकार ने हरियाणा अनुसूचित जाति आयोग की अनुसूचित जातियों के लिए आरक्षण को विभाजित करने की रिपोर्ट की सिफारिशों को मंजूरी देकर एससी एवं डीएससी को मंजूरी दी। हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी का चुनाव निष्पक्षता से संपन्न करवाया। कर्मचारियों को पदोन्नति एवं एसीपी स्केल के लाभ देने की मंजूरी दी गई। स्कूलों में योग सहायक नियुक्त करवाए। लाडो लक्ष्मी योजना को प्रदेश में लागू कर महिलाओं को मजबूत किया। मुख्यमंत्री ने पंजाब में बाढ़ आने पर तुरंत मदद पहुंचाई। मुख्यमंत्री प्रदेश के लोगों को लगातार सौगातें देने के काम में लगे हुए है। इसके साथ वह अन्य प्रदेशों में भी पार्टी के लिए प्रचार करने गए। न केवल दिल्ली बल्कि महाराष्ट्र, बिहार चुनाव में नायब सिंह सैनी ने जहां भी प्रचार किया, वहां पार्टी विजयी हुई। अब पंजाब में उनकी सक्रियता से भाजपा को काफी उम्मीदें है। आलाकमान की सभी जिम्मेदारियों को बखूबी से निभा रहे मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को जन्मदिन की शुभकामनाएं।

नीतीश कुमार ने की घोषणा

बिहार में बसेंगे नए शहर, डबल लेन होंगी ग्रामीण सड़कें

एजेंसी ▶▶ पटना/वैशाली

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा है कि बिहार में आधारभूत संरचनाओं के विकास पर जोर दिया जा रहा है। इसके तहत राज्य में शहरी क्षेत्रों का विस्तार एवं नागरिक सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण किया जा रहा है। साथ ही, राज्य में नए आधुनिक नियोजित शहरों का विकास किया जा रहा है। वहीं, ग्रामीण सड़कें 2 लेन की होंगी। मुख्यमंत्री ने शनिवार को वैशाली में समृद्धि यात्रा के दौरान पानापुर बटेश्वरनाथ धाम परिसर में चल रही विकास योजनाओं की समीक्षा की। इसके पहले उन्होंने जनसंवाद के दौरान लोगों को संबोधित भी किया। सीएम ने कहा कि शहरों में सुलभ संपर्कता के लिए 5 नई एक्सप्रेस-वे सड़कों का निर्माण और ग्रामीण सड़कों का चरणबद्ध तरीके से 2 लेन चौड़ीकरण की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। इसके अतिरिक्त बिजली से जुड़ी आधारभूत संरचनाओं का सुदृढ़ीकरण किया जा रहा है। सभी इच्छुक लोगों के घरों की छतों पर

सोलर पैनल लगाकर सौर ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है। साथ ही राज्य के पर्यटन स्थलों को विकसित कर राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के पर्यटन स्थलों के रूप में स्थापित किया जा रहा है। पर्यटन स्थलों को जोड़ने वाले सर्किट में सभी प्रकार की पर्यटकीय सुविधाओं का विकास किया जा रहा है। साथ ही इको टूरिज्म के विकास पर भी विशेष जोर दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पटना में विश्वस्तरीय स्पोर्ट्स सिटी के निर्माण के साथ ही राज्य के सभी जिलों में खेलों के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना की जा रही है। राज्य में राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं का लगातार आयोजन कराया जा रहा है।

अखिलेश ने चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर उठाए सवाल

लखनऊ (एजेंसी)। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद मामले पर सीएम योगी पर निशाना साधा।

अखिलेश यादव ने पूछा, कालनेमी को याद करने वाले बताएं कलयुग के कालनेमी कौन हैं? कालनेमी काल बनकर आएगा। एसआईआर को लेकर चुनाव आयोग द्वारा नोटिस दिए जाने पर भी अखिलेश भड़क गए। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग द्वारा जिन्हें नोटिस दिया जा रहा है, उसकी जानकारी पॉलीटिकल पार्टी को क्यों नहीं दी जा रही है। चुनाव आयोग निष्पक्ष नहीं है। वह सरकार से मिला हुआ है। अधिकारी सरकार से मिलकर गड़बड़ी कर रहे हैं। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा, हमसे कहा गया था कि एसआईआर के बाद मतदाता सूची में कसर नहीं छूटेगी।

धर्मांतरण : मास्टरमाइंड दिल्ली एयरपोर्ट से गिरफ्तार

मिर्जापुर (एजेंसी)। यूपी स्थित मिर्जापुर के जिम में दोस्ती कर धर्मान्तरण कराने के मामले में मुख्य आरोपी सरगना इमरान को दिल्ली एयरपोर्ट से इमिग्रेशन डिपार्टमेंट ने गिरफ्तार कर लिया है। इमरान को शुक्रवार की रात को ही गिरफ्तार कर लिया गया था, जिसके बाद उसे दिल्ली पुलिस के हवाले कर दिया गया। दिल्ली पुलिस की सूचना पर मिर्जापुर पुलिस शनिवार की सुबह दिल्ली पहुंची। उसे रिमांड पर लेकर वापस आ रही है। पटियाला कोर्ट में पेश करने के बाद मिर्जापुर पुलिस ट्रांजिट रिमांड पर लेकर उसे मिर्जापुर आ रही है।

स्थानीय स्वाद को मिलेगी वैश्विक पहचान

यूपी दिवस पर मुख्यमंत्री योगी ने लॉन्च की 'एक जनपद-एक व्यंजन' योजना

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लखनऊ में यूपी दिवस-2026 का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस अवसर पर 'एक जनपद-एक व्यंजन' योजना लॉन्च की। इसका उद्देश्य स्थानीय खाद्य उत्पादों को वैश्विक पहचान दिलाना, उनकी पैकेजिंग और निर्यात को बढ़ावा देना है।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शनिवार को राष्ट्र प्रेरणा स्थल में उत्तर प्रदेश दिवस-2026 का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री योगी ने स्मृति चिह्न देकर गृह मंत्री का स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को यूपी दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संदेश भी पढ़कर सुनाया। सीएम योगी ने 'एक जनपद-एक व्यंजन' का जिक्र करते हुए कहा कि यह योजना यूपी की ताकत बनेगी।

स्थानीय खाद्य उत्पादों को अब दिला सकेंगे वैश्विक पहचान : सीएम योगी ने कहा कि आज गृह एवं सहकारिता मंत्री के कर कमलों से वन डिस्ट्रिक-वन कुजीन (ओडीओसी) योजना लागू की गई है। इससे 75 जनपदों की 75 प्रकार की भोजन सामग्री अब यूपी की नई ताकत बनेगी। अच्छा हाईजीन युक्त भोजन, खाद्य सामग्री, श्रीअन्न से बनी सामग्री लोगों को प्राप्त हो सके, स्थानीय उत्पादों को जियो टैग कर सकें और फिर उसे वैश्विक पहचान दिला सकें, उसकी पैकेजिंग, ब्रांडिंग, डिजाइनिंग करने के साथ देश व वैश्विक मांग के अनुरूप उस प्रोडक्ट का एक्सपोर्ट कर सकें, यह अवसर यूपी में अब हर व्यंजन के लिए प्राप्त होगा।

आत्मनिर्भर भारत में 'ओडीओपी' का योगदान

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राष्ट्र प्रेरणा स्थल के साथ ही प्रदेश के सभी 75 जनपदों और हर राज्य में यह आयोजन हो रहा है। देश, प्रदेश व दुनिया में जहां कहीं भी उत्तर प्रदेशवासी हैं, वह इस आयोजन से जुड़ रहे हैं। 2018 में उत्तर प्रदेश ने जब पहली बार अपने स्थापना दिवस कार्यक्रम को आयोजित किया था, उस समय राज्यपाल राम नाईक जी थे और वर्तमान गृह मंत्री अमित शाह जी भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष थे। इनकी प्रेरणा से हम लोगों ने परंपरागत उद्यमों को 'वन डिस्ट्रिक्ट-वन प्रोडक्ट' (ओडीओपी) के रूप में आगे बढ़ाया था। आज यह योजना आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश की नई ताकत बनी है और आत्मनिर्भर भारत में अपना योगदान दे रही है।

लीक से हटकर देश के लिए कुछ विशिष्ट करने वाले हुए सम्मानित

सीएम ने कहा कि जिन्होंने लीक से हटकर देश के लिए कुछ विशिष्ट किया है। ऐसी पांच विभूतियों को यूपी गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया है। इन विभूतियों ने विकसित भारत की प्रधानमंत्री की संकल्पना में अपने नवाचार, शोध, परिश्रम से योगदान दिया है। सीएम ने सम्मानित होने वाली विभूतियों को बधाई दी। कहा कि आज यूपी के युवाओं के लिए 'सरदार वल्लभभाई पटेल एम्प्लॉयमेंट एंड इंडस्ट्रियल जोन' योजना का भी शुभारंभ हुआ। हर जनपद में सौ एकड़ क्षेत्रफल में इसका विकास होगा। जो युवा नौकरी व कारोबार प्रारंभ करने का इच्छुक है, उसकी योग्यता व क्षमता के अनुरूप उसके स्केल को स्किल डेवपलमेंट में बदला कर रोजगार की संभावनाओं को आगे बढ़ाने के लिए इस विशिष्ट योजना का प्रारंभ भी गृह मंत्री के कर कमलों से हो रहा है।

पेज एक का शेष

ट्रंप का भारत ....

की वजह से एक बार और 25% टैरिफ लगाया गया।

रूस ने डिस्काउंट देना कम किया: यूक्रेन युद्ध के बाद रूस ने 20-25 डॉलर प्रति बैरल सस्ता क्रूड ऑयल बेचना शुरू किया। तब अंतरराष्ट्रीय मार्केट में कच्चे तेल की कीमत 130 डॉलर प्रति बैरल थी, ऐसे में ये छूट भारत के लिए किफायती थी। हालांकि अब अंतरराष्ट्रीय मार्केट में कच्चे तेल की कीमत 63 डॉलर प्रति बैरल हो गई है। रूस ने भी अपनी छूट घटाकर 1.5 से 2 डॉलर प्रति बैरल कर दी है।

अमेरिका रूसी तेल...

बड़ा खरीदार बन गया। तुर्किये ने 2.6 बिलियन यूरो का तेल खरीदा। भारत ने दिसंबर में रूस से 2.3 बिलियन यूरो यानी लगभग 23,000 करोड़ रुपए का तेल खरीदा।

चीन अब भी ....

के डर से अब कंपनियां रूस से तेल कम खरीद रही हैं। रिलायंस के अलावा सरकारी तेल कंपनियों ने भी दिसंबर में रूस से तेल खरीद करीब 15% घटा दी।

स्थाई स्वदेशी ...

लंबे समय तक इंसानी उपस्थिति स्थापित करना है। भारत अब केवल अंतरिक्ष में जाने तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि वहां रहकर वैज्ञानिक शोध और तकनीकी प्रयोग भी करेगा।

भारत चुनिंदा देशों में शामिल होगा : यह उपलब्धि भारत को उन चुनिंदा देशों की श्रेणी में ला खड़ा करेगी, जिन्होंने न केवल अंतरिक्ष में मानव भेजा है, बल्कि वहां स्थायी मानव उपस्थिति स्थापित करने की क्षमता भी हासिल की है। यह भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम के इतिहास में एक नया अध्याय होगा और आने वाले दशकों में देश की वैज्ञानिक क्षमताओं को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में सहायक बनेगा।

बीएएस-01 नामक ...

तकनीकी भविष्य में अहम भूमिका निभाएगा। यहां माइक्रोग्रैविटी में दीर्घकालिक प्रयोग किए जा सकेंगे। मानव शरीर पर अंतरिक्ष वातावरण के प्रभावों का अध्ययन होगा और नई तकनीकों का परीक्षण करेंगे। किया जाएगा) जो भविष्य के गहरे अंतरिक्ष अभियानों के लिए आवश्यक होंगी। यदि तय समयसीमा के अनुसार काम आगे बढ़ता है, तो 2028 तक भारत का पहला स्पेस स्टेशन मॉड्यूल पृथ्वी की निचली कक्षा में स्थापित हो सकता है।

सभी पुलिसवालों ने ....

आदेश अनुसार बसंत पंचमी पर भोजशाला में पूजा और नमाज दोनों होने थे। इस चुनौती को देखते हुए करीब 10 हजार की संख्या में पुलिसकर्मी तैनात थे।

बजट सत्र से पहले ...

को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के लोकसभा और राज्यसभा की संयुक्त बैठक में अभिभाषण से होगी। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू द्वारा बुलाई गई सर्वदलीय बैठक 27 जनवरी को सुबह 11 बजे संसद भवन एनेक्सी के मुख्य समिति कक्ष में होगी। इस बैठक में सरकार और विपक्ष सत्र के एजेंडे पर अपनी-अपनी बात रखेंगे। इस बार केंद्रीय बजट 1 फरवरी को पेश किया जाएगा, जो रविवार है। बजट सत्र 2 अप्रैल तक चलेगा। सत्र का पहला चरण 13 फरवरी को समाप्त होगा, जबकि दूसरा चरण 9 मार्च से शुरू होगा।

बांग्लादेश को किया...

था। आईसीसी चेयरमैन जय शाह इस समय दुबई में हैं और बीसीबी चेयरमैन अमिनुल इस्लाम बुलबुल को एक आधिकारिक इमेल भेजा जा चुका है। बीसीबी ने ढाका में एक आधिकारिक प्रेस कॉन्फ्रेंस की जो आईसीसी प्रोटोकॉल का उल्लंघन है। उन्हें बता दिया है कि उनको रिप्लेस किया जा चुका है। स्कॉटलैंड अपने ग्रुप मैच वेस्टइंडीज, इटली, इंग्लैंड के खिलाफ खेलेगी। पहला मैच सात फरवरी को वेस्टइंडीज के खिलाफ, दूसरा मैच 9 फरवरी को इटली के खिलाफ, तीसरा मैच 14 फरवरी को इंग्लैंड के खिलाफ कोलकाता में होगा। वहीं आखिरी मैच 17 फरवरी को नेपाल के खिलाफ मुंबई में होगा।

गुप्त सूचना के आधार पर किया गया ऑपरेशन

अवैध अफीम पर एसएसबी की कार्रवाई सरायकेला में दो एकड़ की खेती नष्ट

खेती अवैध थी व जिले की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था के लिए खतरा बन रही थी

एजेंसी ▶▶ सरायकेला

झारखंड के सरायकेला-खरसावां जिले में अवैध अफीम की खेती पर सुरक्षा बलों ने बड़ा वार किया है। दरअसल सशस्त्र सीमा बल के जवानों ने शनिवार को विशेष अभियान चलाकर करीब 2 एकड़ में फैली अफीम की खेती पूरी तरह नष्ट कर दिया है।

सशस्त्र सीमा बल को अफीम की अवैध खेती होने की गुप्त सूचना मिली थी। जिसके बाद निरीक्षक उज्ज्वल कांति मुहुरी के नेतृत्व में रोलाहातु गांव में विशेष अभियान चलाया गया। इस कार्रवाई में कुचाई थाना पुलिस ने भी अपना सहयोग दिया। जानकारी के मुताबिक यह खेती पूरी तरह अवैध थी और जिले की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था के लिए खतरा बन रही थी।

सशस्त्र सीमा बल ने अफीम की खेती करने वालों को चेताया

सशस्त्र सीमा बल ने न केवल अफीम की खेती को नष्ट किया, बल्कि यह भी साफ कर दिया कि अवैध नशे की खेती और तस्करी को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. सशस्त्र सीमा बल के साथ स्थानीय प्रशासन और पुलिस भी मिलकर लगातार इसके खिलाफ अभियान चला रही है।

एसएसबी ने दिया संदेश

एसएसबी ने अपने संदेश यह भी कहा कि जो लोग नशा तस्करी या अवैध खेती करेंगे, उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी। इसके लिए उन्होंने हर किसी से सहयोग की अपील की है ताकि जनता की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

ओडिशा में 5 करोड़ के सोने की लूट के दो आरोपी झारखंड से गिरफ्तार

धनबाद। ओडिशा के क्योंझर जिले में हुई 5 करोड़ रुपए की बैंक लूट के सिलसिले में झारखंड के धनबाद से दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी बिहार के रहने वाले हैं, और ओडिशा में वारदात को अंजाम देने के बाद झारखंड में आकर छुप गए थे। इस दौरान पुलिस ने आरोपियों से बैंक से लूटे गए कुल सोने में से करीब 40 लाख रुपए मूल्य का 288 ग्राम सोना भी जब्त किया।

भारत ने 26 जनवरी 1950 को अपने संविधान को अंगीकृत कर गणतंत्र का मार्ग चुना था। इन 77 वर्षों में भारत ने विभिन्न क्षेत्रों में अपार प्रगति की है। उसने लोकतंत्र को सुदृढ़ किया, सामाजिक न्याय की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए और वैश्विक मंच पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। भारतीय संविधान को दुनिया के सबसे प्रगतिशील और समावेशी संविधानों में गिना जाता है। सदियों से चली आ रही लैंगिक असमानता को दूर करने के उद्देश्य से, संविधान ने महिलाओं को समानता, गरिमा और सशक्तिकरण का आधार प्रदान किया है। वैश्विक परिदृश्य में आज जब दुनिया के अधिकांश छोटे-बड़े देशों में सत्ता व शासन प्रणाली को लेकर जन असंतोष व उथल-पुथल देखने को मिल रही है, दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में भारतीय गणतंत्र अपनी उत्कृष्ट संवैधानिक व्यवस्था की मजबूत बुनियाद पर शान से परचम लहराता हुआ दिख रहा है। अपनी तमाम खूबियों के साथ इसकी प्रासंगिकता आज भी यथावत बनी हुई है। इसके बावजूद स्वस्थ गणतंत्र में राजनीतिक शुचिता से जुड़े सवाल भी खड़े होते हैं। इसके बावजूद कुछ तो ऐसा है कि जो आज भी हमारे लोकतंत्र को कायम रखे हुए है। इसमें गहरी मजबूती और अनगिनत ताकतें हैं। इसी का विश्लेषण करता *आजकल* का यह खास अंक...

गणतंत्र में राजनीतिक शुचिता से जुड़े सवाल

विश्लेषण

मनीष कुमार चौधरी

स्वतंत्र पत्रकार

जब देश 26 जनवरी, 2026 को एक और गणतंत्र दिवस मनाने की तैयारी कर रहा है, गणतंत्र की सेहत पर कुछ गंभीर विचार-विमर्श समय की जरूरत है। ऐसे समय में जब हमारे संवैधानिक ढांचे की नींव बनाने वाली संस्थाओं और विचारों का गहन आकलन हो रहा है, इस पर विचार करना जरूरी है कि 'हम, भारत के लोग', जिन्होंने भारत का पवित्र संविधान बनाया, अपनाया और खुद को दिया, अब इसे किस रूप में देखते-स्वीकारते हैं। ऐसे समय में जब राजनीतिक चर्चा रोजमर्रा की जिंदगी के लगभग हर पहलू में घुस गई है, सच्ची राजनीतिक लीडरशिप दुनिया के ज्यादातर हिस्सों में सबसे दुर्लभ संसाधनों में से एक बन गई है। यह निजी हितों को साधने का माध्यम बन गई है, जबकि लीडर की सत्ता जनता के कंधों पर सवार होकर आती है। भूटान के पांचवें और वर्तमान राजा जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक ने 2008 के राज्याभिषेक में शासन की नींव रखते हुए जो नैतिक घोषणा की, यदि उसे हर देश का शासक अपने जीवन में उतार ले तो किसी भी डूबते लोकतंत्र को संजीवनी मिल सकती है।

देश 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस मनाने की तैयारी कर रहा है। गणतंत्र की सेहत पर कुछ गंभीर विचार-विमर्श समय की जरूरत है। ऐसे समय में जब संवैधानिक ढांचे की नींव बनाने वाली संस्थाओं और विचारों का गहन आकलन हो रहा है, इस पर विचार करना जरूरी है कि 'हम, भारत के लोग', जिन्होंने भारत का पवित्र संविधान बनाया, अपनाया और खुद को दिया, अब इसे किस रूप में देखते-स्वीकारते हैं। ऐसे समय में जब राजनीतिक चर्चा रोजमर्रा की जिंदगी के हर पहलू में घुस गई है, सच्ची राजनीतिक लीडरशिप दुनिया के ज्यादातर हिस्सों में सबसे दुर्लभ संसाधनों में से एक बन गई है।

सुशासन की भावना पनपे

भूटान के राजा ने अपने नैतिक भाषण में कहा था- 'अपने पूरे शासनकाल में मैं आप पर राजा की तरह शासन नहीं करूंगा। मैं आपकी रक्षा एक माता-पिता की तरह, देखभाल एक भाई की तरह और सेवा एक बेटे की तरह करूंगा। मैं हमेशा दया, न्याय और समानता की भावना से दिन-रात आपकी सेवा करूंगा।' लेकिन इन बातों के उलट जैसे ही कोई भारतीय राजनीतिक परिदृश्य पर दृष्टिपात करता है तो यह सवाल उठता है कि कितने राजनीतिक नेता सच में ऐसे आदर्शों को मानते हैं? सिद्धांत रूप में ज्यादातर नेता इन मूल्यों के प्रति निष्ठा जताते हैं; व्यवहार में बहुत कम लोग ऐसा करते हैं। तर्क दिया जा सकता है कि हमारे जैसे विशाल और विविध देश के लिए क्या ऐसा संभव है? भूटान के राजा की बातों को एक सैद्धांतिक कल्पना बताकर खारिज भी किया जा सकता है। फिर भी, सच्चाई यह है कि सुशासन की भावना की कोई भौगोलिक सीमा नहीं होती। सीमित संसाधनों वाले एक छोटे देश का सर्वोच्च नेतृत्व ऐसे आदर्शों में विश्वास कर सकता है और उसे फलीभूत करने का प्रयास कर सकता है तो हमारा देश दूरदर्शी नेतृत्व में क्यों पीछे रहे। खासकर तब हमारे देश में ज्यादा क्षमताएं, अवसर और रणनीतिक फायदे हैं?

बदल रही हैं प्राथमिकताएं

राजनीतिक दल- जो नागरिकों और सरकार के बीच महत्वपूर्ण कड़ी हैं- ने अब तक सिर्फ चुनाव जीतने को प्राथमिकता दी है, जनता के दुख-दर्द दूर करना उनकी प्राथमिकताओं से लोप होते जा रहे हैं। चूंकि विधायिका की गुणवत्ता एक स्वस्थ राजनीतिक संस्कृति के लिए महत्वपूर्ण है, इसलिए बड़ा सवाल यह है कि क्या पार्टियों में बेईमान उम्मीदवारों को टिकट देने से मना करने का साहस होगा, चाहे वे कितने भी चुने जाने योग्य क्यों न दिखें। वे इसके बजाय ऐसे लोगों को मैदान में उतारें जो ईमानदारी का प्रतीक हों और सार्वजनिक जीवन में नए दृष्टिकोण लाएं। हमें अपने भीतर भी झांकना होगा कि क्या हम आम नागरिक के रूप में एक बीमार चुनावी राजनीति में भी उतने ही शामिल हैं जितने राजनीतिक दल। यदि हम यथास्थिति को स्वीकार करने की हद तक गिर जाते हैं तो गणतंत्र को भी बिखरने से रोक नहीं पाएंगे। हर चुनाव में हम इसी निष्कर्ष पर पहुंचते हैं कि पार्टियां जीतती हैं, लेकिन लोग हारते हैं। जड़ें जमाए भ्रष्टाचार, राजनीति के अपराधीकरण के कई रूप, गहरी सामाजिक-आर्थिक समानताओं की डोर और मजबूत क्यों होती जाती है। ये सवाल जस के तस रह जाते हैं कि चुनावी घोषणापत्र कानूनी रूप से लागू करने योग्य नहीं होते।

तुष्टीकरण की राजनीति

पार्टियों के लिए बड़े-बड़े वादे करना आसान होता है, बार-बार दोहराए जाने वाले वादे फिर-फिर दोहराने का क्रम क्यों जारी रहता है। कोई भी सरकार शासन संभाले, पुरानी बीमारियां फिर से सामने आ जाती हैं। सत्ता का दुरुपयोग, औसत दर्जे का प्रदर्शन, भाई-भतीजावाद और तुष्टीकरण अक्सर नए रूपों, डिजाइनों और रणनीतियों में फिर से पेश किया जाने लगता है। एक राजनीतिक विडंबना यह है कि वही पार्टी जब सत्ता में होती है तो लोकतंत्र को विजयी घोषित करती है; जब विपक्ष में होती है, तो इसे खतरे में बताती है। स्पष्ट है, नैतिक और अनैतिक के बीच की रेखा तेजी से धुंधली होती जा रही है। लोकलुभावनवाद की राजनीति को ही लें। यह सिर्फ वोट पाने के जरिए के रूप में क्यों इस्तेमाल की जाने लगी है। लंबे समय के विकास और वित्तीय स्थिरता की कीमत पर इसे क्यों नहीं अपनाया जाता? यह जानते हुए कि लोकलुभावन वादों की संस्कृति कार्य-संस्कृति को पंगु बनाती है। देश की जनता को बगैर कर्मठ बनाए बैठे-बिठाए बांटना एक स्वस्थ लोकतंत्र के लिए कतई उपयुक्त नहीं है। यह नीति राज्यों की अर्थव्यवस्था को इस हद तक प्रभावित कर रही है कि विकास की योजनाएं धन के लिए तरसने लगी हैं। तात्कालिक लाभ के फेर में लगातार, बड़े पैमाने पर विकास को दांव पर लगाया जा रहा है। योग्य और ईमानदारी से अपना टैक्स चुकाने वाला खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहा है। होते-होते वे इसे अधिकार मानने लगते हैं। कोई भी पार्टी इस सिंड्रोम से पूरी तरह से अछूती नहीं है। राजनीति के दो आम लक्षण राजनीतिक फंडिंग की अपारदर्शी प्रणालियां और भ्रम वाले अभियान जगह-जगह नजर आने लगे हैं। चुनावों में पैसे का प्रभाव अक्सर संदिग्ध वित्तीय ढांचों और गुप्त राजनीतिक गठजोड़ों में निहित होता है। उतना ही चिंताजनक एक भोला-भाला मतदाता वर्ग है, जिसे अक्सर राजनेता आधे-अधूरे सच, भावनात्मक अपीलों और झूठे वादों से धोखा देते हैं।

लोकतांत्रिक मूल्य बनाए रखें

दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के सदस्य होने के नाते हमारी जिम्मेदारी है कि हम लोकतांत्रिक मूल्यों को बनाए रखें और उन्हें आगे बढ़ाएं। लोकतांत्रिक सुधार का काम सरकारों, राजनीतिक पार्टियों या सिस्टम पर छोड़ देते हैं। हमें यह भी याद रखना चाहिए कि राजनीतिक शुचिता में कमी के बावजूद कुछ तो ऐसा है कि जो आज भी हमारे लोकतंत्र को जिलाए है। इसमें गहरी मजबूती और अनगिनत ताकतें हैं, और यह अभी भी अपनी जगह वापस पा सकता है।

ऐसे दौर में जहां दुष्प्रचार हैरान करने वाली तेजी से सच्चाई को बिगाड़ सकते हैं, एक सशक्त राजनीतिक संस्कृति सिर्फ वांछनीय ही नहीं, जरूरी भी है। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र और एक प्रमुख वैश्विक आर्थिक, राजनीतिक शक्ति से हमें इतनी शक्ति तो मिलती ही है कि हम ऐसा कर सकें।

चुनौती के बावजूद हासिल की बड़ी उपलब्धियां

गणतंत्र

रवि शंकर

वरिष्ठ पत्रकार

भारत देश में गणतंत्र दिवस केवल एक राष्ट्रीय उत्सव ही नहीं, बल्कि हमारी लोकतांत्रिक परंपराओं, संविधान और राष्ट्रीय एकता का उत्सव भी है। भारत ने 26 जनवरी 1950 को अपने संविधान को अंगीकृत कर गणतंत्र का मार्ग चुना था। इन 77 वर्षों में भारत ने विभिन्न क्षेत्रों में अपार प्रगति की है। उसने लोकतंत्र को सुदृढ़ किया, सामाजिक न्याय की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए और वैश्विक मंच पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। ये 77 वर्ष केवल समय का मापदंड नहीं, बल्कि उस यात्रा का प्रतिबिंब है जिसमें भारत ने चुनौतियों का सामना करते हुए विकास की राह बनाई है। इस दौरान लोगों ने राजनीतिक बदलाव देखे, वहीं विकास की ओर अग्रसर योजनाएं और कार्यक्रम भी देखे। युद्ध से दो चार होना पड़ा तो अपनी परमाणु शक्ति में भी भारत ने इजाफा किया। मेट्रो ट्रेन से लेकर कम्प्यूटर तक भारतीय नागरिकों के जीवन का हिस्सा बने। इतना ही नहीं, भारत ने बैलगाड़ी से लेकर एयर इंडिया तक का सफर तय किया है। नए-नए आविष्कारों और तकनीकी विकास से भारत विश्व में अपनी एक अलग पहचान बनाने में सफल रहा है। आज भारत की पहचान एक सशक्त राष्ट्र के रूप में है। यह अनायास नहीं है। दुनिया आज भारत की तरफ देख रही है। बीते 77 सालों में अपनी अंदरूनी समस्याओं, चुनौतियों के बीच देश ने ऐसा कुछ जरूर हासिल किया है, जिसकी तरफ दुनिया आकर्षित हो रही है। देश के पास गर्व करने के लिए उपलब्धियां हैं तो अफसोस जताने के लिए वजहें भी हैं। हमें आजादी तो मिल गई ,लेकिन वह आजादी आज किस रूप में है। हमारे पूर्वजों, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, राजनेताओं ने आजाद भारत का जो सपना देखा था, उनकी नजरों में आजादी के जो मायने थे, क्या उसके अनुरूप हम आगे बढ़े हैं। संविधान में एक आदर्श देश की जो परिकल्पना की गई है, उसे हम कितना साकार कर पाए हैं। नागरिक से समाज और समाज से देश बनता है। सवाल है कि एक देश और व्यक्ति के रूप में आज हम कहां खड़े हैं, इसका एक सिंहावलोकन करना जरूरी है। भारत जीवंत लोकतंत्र का एक जीता-जागता उदाहरण है। यहां की लोकतांत्रिक संस्थाओं में लोगों की आस्था है। विरोधी विचारों का सम्मान लोकतंत्र को ताकत देता आया है। दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश के रूप में भारत ने एक परिपक्व देश के रूप में अपनी पहचान बनाई है। देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू से लेकर अब तक सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच मुद्दों पर गंभीर मतभेद रहे, लेकिन इन मतभेदों ने लोकतंत्र को कमजोर नहीं बल्कि उसे मजबूती दी है। लोग अपनी पसंद से सरकारें चुनते आए हैं। आम आदमी को सशक्त बनाने के लिए बीते दशकों में सरकारें जनकल्याणकारी नीतियां और योजनाएं लेकर आईं। योजनाओं का लाभ गरीबों एवं कमजोर वर्गों तक पहुंचाया गया है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, सूचना का अधिकार, शिक्षा का अधिकार, मनरेगा जैसे कार्यक्रमों एवं योजनाओं ने आम आदमी को सशक्त बनाया है। इन महात्वाकांक्षी योजनाओं से विकास की गति तेज हुई। लेकिन इन विकास योजनाओं के बावजूद देश में गरीबी, पिछड़ापन दूर नहीं हुआ है। विकास से जुड़ी समस्याएं अभी भी मौजूद हैं। उदारीकरण के दौर के बाद भारत तेजी से विकास के रास्ते पर आगे बढ़ा है। आर्थिक, सैन्य और अंतरिक्ष क्षेत्र में इसने सफलता की बड़ी छलांग लगाई है। चुनौतियों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ी है। आज भारत दुनिया का सबसे बड़ा बाजार बना हुआ है। सैन्य क्षेत्र में भारत एक महाशक्ति बनकर उभरा है। परमाणु हथियारों से संपन्न भारत के पास दुनिया की चौथी सबसे शक्तिशाली सेना है। अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत ने नए-नए कीर्तमान गढ़े हैं। आईटी सेक्टर में देश अग्रणी बना हुआ है। इन उपलब्धियों ने देश को सुपरपावर बनने के दरवाजे पर लाकर खड़ा कर दिया है। जाहिर है कि आज भारत के पास दुनिया को देने के लिए बहुत कुछ है, लेकिन इन सफलताओं एवं उपलब्धियों के बावजूद सामाजिक और नैतिक मूल्यों में ह्रास हुआ है। व्यक्ति से लेकर समाज, राजनीति सभी क्षेत्रों में मूल्यों का पतन देखने को मिला है। सत्ता, पावर, पैसा की चाह ने लोगों को भ्रष्ट और नैतिक रूप से कमजोर बनाया है। बेहतर समाज और राष्ट्र बनाने की जिम्मेदारी हम सभी की है। इसके लिए हम सभी को आगे आना होगा। तभी जाकर एक बेहतर भारत और 'न्यू इंडिया' के सपने को साकार किया जा सकेगा।

चुनौतियों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ी है। आज भारत दुनिया का सबसे बड़ा बाजार बना हुआ है। सैन्य क्षेत्र में भारत एक महाशक्ति बनकर उभरा है। परमाणु हथियारों से संपन्न भारत के पास दुनिया की चौथी सबसे शक्तिशाली सेना है।

आधी आबादी को अब भी पर्याप्त अवसरों की दरकार

सशक्तिकरण

सुशील देव

वरिष्ठ पत्रकार

इस बात में कोई दो मत नहीं कि संविधान ने महिलाओं को ताकत दी, उन्हें सशक्त बनाया है। भारतीय संविधान, जो 26 जनवरी 1950 को लागू हुआ, दुनिया के सबसे प्रगतिशील संविधान में से एक है। भारतीय संविधान को दुनिया के सबसे प्रगतिशील और समावेशी संविधानों में गिना जाता है। स्वतंत्रता के तुरंत बाद जब देश सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक असमानताओं से जूझ रहा था, तब संविधान निर्माताओं ने यह स्पष्ट समझ रखी कि लोकतंत्र तब तक अधूरा है, जब तक समाज की आधी आबादी-महिलाएं-समान अधिकारों और अवसरों से वंचित रहेंगी। सदियों से चली आ रही लैंगिक असमानता को दूर करने के उद्देश्य से, संविधान ने महिलाओं को समानता, गरिमा और सशक्तिकरण का आधार प्रदान किया है।

संविधान के मौलिक अधिकार : समानता का आधार

संविधान के भाग में वर्णित मौलिक अधिकार महिलाओं के सशक्तिकरण की नींव हैं। ये अधिकार सभी नागरिकों पर लागू होते हैं, लेकिन महिलाओं के संदर्भ में इन्होंने विशेष महत्त्व रखा है।

कानून के समक्ष समानता (अनुच्छेद 14): यह प्रावधान सुनिश्चित करता है कि राज्य किसी भी व्यक्ति के साथ भेदभाव नहीं करेगा। महिलाओं के लिए यह मजबूती प्रदान करता है, क्योंकि यह लैंगिक आधार पर होने वाले किसी भी भेदभाव को असंवैधानिक घोषित करता है। उदाहरणस्वरूप, संपत्ति अधिकार या शिक्षा में महिलाओं को पुरुषों के बराबर अधिकार मिलते हैं।

महिला आरक्षण विधेयक (2023) के माध्यम से लोकसभा और राज्य विधान सभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया गया है।

भेदभाव का निषेध (अनुच्छेद 15): राज्य धर्म, जाति, लिंग, जन्म स्थान या इनमें से किसी भी आधार पर भेदभाव नहीं करेगा। अनुच्छेद 15(3) विशेष रूप से महिलाओं और बच्चों के लिए विशेष प्रावधान बनाने की अनुमति देता है, जैसे महिलाओं के लिए आरक्षण या विशेष योजनाएं। इससे महिलाओं को शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार में विशेष सहायता मिली है।

मातृत्व राहत (अनुच्छेद 42): राज्य को महिलाओं के लिए मानवीय कार्य स्थितियां और मातृत्व राहत प्रदान करने का निर्देश दिया गया है। इससे मातृत्व अवकाश, प्रसव सहायता और कार्यस्थल पर सुरक्षा जैसे कानून बने हैं, जैसे मातृत्व लाभ अधिनियम, 1961।

शिक्षा और स्वास्थ्य (अनुच्छेद 45 और 47): ये प्रावधान महिलाओं की शिक्षा और स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हैं, जिससे योजनाएं जैसे 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' और राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन संभव हुए हैं। ये सिद्धांत महिलाओं को सामाजिक और आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए राज्य को प्रेरित करते हैं।

पंचायती राज और राजनीतिक सशक्तिकरण: आरक्षण की शक्ति

संविधान में 73वें और 74वें संशोधन (1992) के माध्यम से महिलाओं को स्थानीय स्तर पर राजनीतिक भागीदारी सुनिश्चित की गई है। पंचायतों और नगर निकायों में 33 प्रतिशत आरक्षण ने ग्रामीण भारत में लाखों महिलाओं को पहली बार सत्ता और निर्णय प्रक्रिया से जोड़ा। यह एक ऐतिहासिक कदम था, जिसने महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी को नई दिशा दी। हाल ही में, महिला आरक्षण विधेयक (2023) के माध्यम से लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया गया है, जो 2026 से लागू होने की संभावना है। लेकिन इन संवैधानिक प्रावधानों और कानूनों के बावजूद जमीनी सच्चाई कई सवाल खड़े करती है। आज भी देश में महिलाओं की श्रम भागीदारी दर चिंताजनक रूप से कम है। शिक्षा के क्षेत्र में सुधार के बावजूद उच्च शिक्षा और तकनीकी क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी सीमित है। कार्यस्थलों पर असमान वेतन, असुरक्षा और भेदभाव की शिकायतें आम हैं। वास्तविक सशक्तिकरण तभी संभव होगा जब कानून, प्रशासन और समाज-तीनों एक साथ आगे बढ़ें। संविधान ने रास्ता दिखाया है, अब जिम्मेदारी हमारी है कि उस रास्ते पर ईमानदारी से चला जाए, ताकि महिलाएं सिर्फ अधिकारों की धारक नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की बराबर की सहभागी बन सकें।

बाबा साहेब आंबेडकर की दूरदर्शी सोच का प्रतिबिंब

मिसाल

योगेश कुमार सोनी

वरिष्ठ पत्रकार

दृढ़ निश्चय कैसे जीत का संकल्प होता है, यह मिसाल हमारे देश के संविधान के रूप व प्रारूप में देखने मिलती है। देश ही नहीं, विश्व में बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर के संविधान की गंभीरता को सम्मान दिया जाता है। इसका कारण है कि बाबा साहब द्वारा निर्मित भारतीय संविधान आधुनिक भारत की आधारशिला है, जो समानता, स्वतंत्रता और एकता के सिद्धांतों पर आधारित है। यह संविधान न केवल देश की एकता-अखंडता को बनाए रखता है, बल्कि सभी नागरिकों को मौलिक अधिकार, न्याय और अवसर की समानता की गारंटी देकर एक लोकतांत्रिक, धर्मनिरपेक्ष और कल्याणकारी राष्ट्र का निर्माण करता है। हमारे संविधान में जितनी रचनात्मक चीजें हैं, उतनी कहीं नहीं देखी जाती। इसमें आश्चर्य व खुशी की बात यह है कि भारत का संविधान 26 नवंबर 1949 को संविधान सभा में प्रस्तुत किया और उसे अपनाया गया, जिसके बाद यह संविधान 26 जनवरी 1950 से लागू हुआ। आज 75 वर्षों बाद भी इसका महत्व उतना ही देखने को मिला, जितना उस समय था।

संविधान, उस कालखंड में जनसंख्या व उस समय की परिस्थिति के हिसाब से बनाया गया था, लेकिन बाबा साहब की सोच इतनी तीव्र थी कि उन्होंने खाका इस तरह से तैयार किया कि वह आज तक सकारात्मक रूप से अमल में लिया जा रहा है। इस बात में कोई दो राय नहीं है कि भारत जैसे देश के लिए इतना बड़ा कानूनी स्ट्रक्चर तैयार करना किसी चुनौती से कम नहीं था, चूंकि यहां प्रारंभिकता से सभी धर्मों का समावेश रहा है और मौलिक अधिकारों को लेकर हमेशा एक लडाई सी रही है। जानकारी दे दी जाए कि यह विश्व का सबसे लंबा लिखित संविधान है, जिसे तैयार करने में 2 साल, 11 महीने और 18 दिन लगे थे जिसकी विश्व पटल पर आज भी प्रशंसा होती हैं। चूंकि आकस्मिक व विषम परिस्थितियों के बावजूद देश के संविधान को धैर्य, विश्वास व ठहरावट के साथ निर्मित किया गया था। बाबा साहब ने जिस समाज का सपना देखा था, वो समता, बंधुता और न्याय पर आधारित था। यूं तो बाबा साहब के

बाबा साहेब की सोच इतनी तीव्र थी कि उन्होंने खाका इस तरह से तैयार किया कि आज 75 वर्षों बाद भी इसका महत्व उतना ही देखने को मिला, जितना उस समय था।

बचपन से लेकर भारत और विलायत में उच्च शिक्षा हासिल करने तक उन्होंने कितना संघर्ष किया, कितना अपमान सहा इसकी जानकारी ज्यादातर लोगों को हैं लेकिन ये कम ही लोग जानते हैं कि वो जितने कामयाब राजनीतिज्ञ थे, उतने ही कामयाब वकील भी थे। उन्होंने कई देशों के संविधान की पढ़ाई करने में काफी समय व्यतीत किया। उस दौर के सबसे शिक्षित व समझदार वकील होने की वजह से उन्होंने संविधान में उन तकनीक कानून का प्रयोग किया, जिसमें किसी भी धर्म व जाति के लोगों में किसी भी कोई भी नकारात्मक नहीं देखी गई। वैसे तो किसी भी देश का संविधान देश के सर्वोच्च कानून के रूप में कार्य करता है जो समाज को नियंत्रित करने वाले सिद्धांतों और नियमों को निर्धारित करता है। यह सत्ता के दुरुपयोग को रोकता है, न्याय और समानता को बढ़ावा देता है और नागरिकों को निर्णय लेने में भाग लेने की अनुमति देता है। बीते कुछ वर्षों में कुछ राज्य सरकारों व नेताओं ने संविधान पर बहुत राजनीति की और देश में नकारात्मकता फैलाने की कोशिश की। आज राजनीति में संविधान को एक मुद्दे के रुप में भुनाने का काम किया जा रहा है। भारत में राजनीतिक दल अक्सर संविधान का हवाला देकर अपनी विचारधारा और एजेंडे को बढ़ावा देने लगे हैं, जिसे विभिन्न आलोचक राजनीतिक दांव-पेंच के रूप में देखते हैं। सत्तापक्ष और विपक्ष दोनों ही अक्सर संविधान की रक्षा या उसके उल्लंघन का आरोप लगाकर एक-दूसरे पर निशाना साधते हैं क्योंकि संविधान में राजनीतिक दलों का कोई सीधा उल्लेख नहीं है, लेकिन उनको यह समझना होगा कि उनके इस व्यवहार से हम आने वाली पीढ़ी के लिए गलत काम कर रहे हैं। जब हम ही संविधान की गरिमा को नहीं समझेंगे तो देश के युवाओं पर इसका क्या असर पडेगा, यह उनको समझना पड़ेगा।

अब इसके नकारात्मक पहलू देखने को मिलने भी लगे। हमारे संविधान में भी 18 वर्ष या उससे अधिक आयु के सभी नागरिकों को बिना किसी भेदभाव के वोट देने का अधिकार है इसलिए हर किसी युवा को अपनी सोच व उपज के आधार पर अपनी सरकार चुनने का हक है। हमें यह शपथ लेनी होगी कि कोई भी बाबा साहब के बनाए हुए संविधान की आलोचना व दुरुपयोग न करें। हम स्वतंत्र भारत के वासी हैं और यह संचालन प्रक्रिया को लेकर हम उस दिशा में लेकर जाएंगे जो सब के हित के लिए कार्य करे।

भारतीय संविधान की प्रासंगिकता आज भी बरकरार

विशेषता

योगेंद्र माथुर

स्वतंत्र पत्रकार

भारत का संविधान देश के लोकतंत्र का मूल आधार है। यह भारत की जनता की आकांक्षाओं का प्रतिनिधि है। यह संविधान 26 जनवरी 1950 को देश में लागू किया गया और इसी दिन भारत को 'गणतंत्र' घोषित कर डॉ. राजेंद्र प्रसाद को भारत का प्रथम राष्ट्रपति नियुक्त किया गया। इस संविधान की महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि यह दुनिया का सबसे बड़ा लिखित संविधान है।

वैश्विक परिदृश्य में आज जब दुनिया के अधिकांश छोटे-बड़े देशों में सत्ता व शासन प्रणाली को लेकर जन असंतोष व उथल-पुथल देखने को मिल रही है, दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में भारतीय गणतंत्र अपनी उत्कृष्ट संवैधानिक व्यवस्था की मजबूत बुनियाद पर शान से परचम लहराता हुआ दिख रहा है। अपनी तमाम खूबियों के साथ इसकी प्रासंगिकता आज भी यथावत बनी हुई है।

संविधान निर्माण की प्रक्रिया: 15 अगस्त सन 1947 को स्वतंत्रता प्राप्ति सुनिश्चित होने के पश्चात भारत के कर्णधारों को एक ऐसे मार्गदर्शक विधान की आवश्यकता महसूस हुई जिसके प्रकाश में लोकतांत्रिक पद्धति से देश का सुचारू व निर्बाध रूप से संचालन होता रहे। अतः इसके निर्माण के लिए एक संविधान सभा का गठन किया गया। इसमें तमाम वर्गों व विचारधाराओं के बुद्धिजीवी सदस्यों को शामिल किया गया। केबिनेट मिशन योजना के प्रावधानों के अनुसार नवंबर 1946 में गठित संविधान सभा की प्रथम बैठक 9 दिसंबर 1946 को आहूत की गई।

इसकी अध्यक्षता डॉ. सच्चिदानंद सिन्हा ने की थी। संविधान सभा द्वारा 22 जनवरी 1947 को पारित किया गया। संविधान निर्माण के लिए विभिन्न समितियों यथा प्रक्रिया समिति, वार्ता समिति, संचालन समिति, कार्य समिति, संविधान समिति व झंडा समिति आदि बनाई गई। इनमें प्रमुख प्रारूप समिति का गठन 19 अगस्त 1947 को किया गया और डॉ. बी.आर. अंबेडकर को इसका अध्यक्ष बनाया गया। भारत के इस संविधान की प्रमुख विशेषता यह है कि लोकतंत्र के तीनों अंगों यथा विधायिका, कार्यपालिका व न्यायपालिका में टकराव न हो इसके लिए इनके अधिकारों, कर्तव्यों व सीमाओं का निर्धारण इस संविधान में स्पष्ट रूप से किया गया है। संविधान में यह व्यवस्था की गई है

आचार-व्यवहार व अनुशासित जीवन जीना हमारी प्रतिबद्धता होना चाहिए। संविधान द्वारा स्थापित आदर्शों और सिद्धांतों के प्रति समर्पण भाव रखना हमारा नैतिक कर्तव्य है।

कि कोई लोकतंत्र का कोई भी अंग अपने अधिकारों, सीमाओं व मर्यादा का उल्लंघन न करें।

शक्तियों का बंटवारा : संविधान में संघ सूची, राज्य सूची व समवर्ती सूची के द्वारा केंद्र व राज्य की शक्तियों का स्पष्ट बंटवारा किया गया है। ऐसे विषय जो तीनों सूची में न हों अर्थात अवशिष्ट विषयों पर कानून बनाने की अनन्य शक्ति संसद को दी गई है। इसमें नागरिकों को स्वतंत्रतापूर्वक जीवन यापन करने के लिए मौलिक अधिकार दिए गए हैं तो नागरिक कर्तव्यों का भी समावेश किया गया है ताकि नागरिकों में देश के प्रति जिम्मेदारी और देशभक्ति की भावना स्थापित हो। हालांकि मूल संविधान में मौलिक कर्तव्य नहीं थे। ये 1976 के 42 वें संशोधन के तहत संविधान में शामिल किए गए हैं। संविधान में कुल 11 मौलिक कर्तव्यों का समावेश किया गया है। संविधान की प्रस्तावना या उद्देश्यिका के अनुरूप एक कल्याणकारी राज्य की स्थापना के उद्देश्य से राज्य के नीति निर्देशक तत्वों का प्रावधान भी संविधान में किया गया है। हालांकि इन्हें लागू करवाने के लिए कोई कानूनी या संवैधानिक दबाव नहीं है। भारत का संविधान काफी हद तक लचीला है। इसमें समय, परिस्थितियों व आवश्यकतानुसार संशोधन भी किए जा सकते हैं। संविधान में संशोधन की निर्धारित प्रक्रिया के अंतर्गत संविधान में पहला संशोधन सन् 1951 में हुआ था। इस संशोधन में राज्यों के भूमि सुधार कानूनों को नवीं अनुसूची में रखकर न्यायालयों के अधिकार क्षेत्र से बाहर कर दिया गया था। तब से अब तक संविधान में 100 से अधिक संशोधन किए जा चुके हैं, लेकिन संविधान का मूल स्वरूप यथावत बना हुआ है। हमें गर्व होना चाहिए कि हमारे पास एक ऐसा संविधान है, जिसमें दृढ़ता व लचीलेपन के बीच एक आदर्श संतुलन है। दुनिया के तेजी से बदलते आंतरिक व वैश्विक परिदृश्य में विघटनकारी, विभाजनकारी एवं विनाशकारी शक्तियों द्वारा खड़ी की जा रही चुनौतियों का सामना करने में कुछ ही देश सफल हो सके हैं। दूसरी ओर, भारत का संविधान देश के नागरिकों द्वारा अंगीकृत किए जाने के बाद से अब तक सतत गतिशीलता व प्रासंगिकता के साथ समृद्ध व सशक्त होता रहा है।

कहा जा सकता है कि संसदीय लोकतंत्रात्मक व्यवस्था के साथ भारत का संविधान दुनिया का सर्वश्रेष्ठ संविधान है। अतः संविधान के अनुसार आचार-व्यवहार व अनुशासित जीवन जीना हमारी प्रतिबद्धता होना चाहिए। संविधान द्वारा स्थापित आदर्शों व सिद्धांतों के प्रति समर्पण भाव रखना हमारा नैतिक कर्तव्य है।

अर्थशास्त्री सेन ने बंगाल में एसआईआर प्रक्रिया पर जताई चिंता और बोले

अमर्त्य ने 'सर' को लोकतांत्रिक भागीदारी पर खतरा बताया, चुनाव आयोग पर उठाए सवाल, इतने कम समय और 'बिना उचित तैयारी' पुनरीक्षण से लोग हो रहे परेशान

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

नोबेल पुरस्कार से सम्मानित अमर्त्य सेन ने पश्चिम बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया को लेकर गहरी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि यह अभ्यास 'बहुत जल्दबाजी' में किया जा रहा है और आने वाले विधानसभा चुनावों में लोकतांत्रिक भागीदारी को खतरे में डाल सकता है। एक साक्षात्कार में सेन ने कहा कि मतदाता सूची की समीक्षा का लोकतांत्रिक महत्व होता है और इसे मतदान के अधिकार को मजबूत करने के लिए सावधानीपूर्वक और पर्याप्त समय

लेकर किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि बंगाल में यह प्रक्रिया कम समय और बिना उचित तैयारी के की जा रही है। सेन ने कहा, पूरी तरह से और सावधानीपूर्वक की गई मतदाता सूची की समीक्षा एक अच्छा लोकतांत्रिक तरीका हो सकता है, लेकिन पश्चिम बंगाल में ऐसा नहीं हो रहा है।

यह भी कहा

- अमर्त्य सेन ने कहा कि एसआईआर प्रक्रिया जल्दबाजी में की जा रही है।
- उन्होंने आरोप लगाया कि लोगों को अपना मताधिकार साबित करने के लिए पर्याप्त समय नहीं मिल रहा है।
- उन्होंने इसे मतदाताओं के खिलाफ अन्याय और भारतीय लोकतंत्र के लिए अनुचित बताया।

मेरे पास जन्म प्रमाण पत्र नहीं था

अर्थशास्त्री ने ग्रामीण क्षेत्रों में जन्मे नागरिकों की दस्तावेजों की चुनौतियों पर भी बात की। उन्होंने कहा, मैं और मेरे जैसे

कई ग्रामीण भारत में जन्मे नागरिक हैं, मेरे पास जन्म प्रमाण पत्र नहीं है और वोट देने के लिए मुझे अतिरिक्त कागजी कार्रवाई प्रस्तुत करनी पड़ी। हालांकि मेरे मामले का समाधान हो गया। हालांकि सेन ने उन नागरिकों को लेकर चिंता व्यक्त की जिनके पास ऐसी मदद उपलब्ध नहीं है। उन्होंने कहा कि उनके मित्रों ने सहायता की, लेकिन सभी के पास ऐसा सहारा नहीं होता।

सीएम ममता ने जताया कड़ा विरोध

बंगाली उपनामों को लेकर छिड़ा विवाद

बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने चुनाव आयोग पर निशाना साधते हुए कहा कि यह बंगाल की संस्कृति और पहचान को कमतर आंकने की कोशिश है। मैं अंग्रेजी में 'ममता बनर्जी' लिखती हूं और बांग्ला में 'ममता बंद्योपाध्याय'। इसमें क्या समस्या है? मामला सदियों पुराने बंगाली उपनामों के छोटे और बड़े रूपों के बीच अंतर का है। आयोग का सॉफ्टवेयर उन लोगों पर सवाल उठा रहा है, जिनके उपनाम बदले हैं।

लोगों को बुलाया जा रहा

कोलकाता के हाजरा इलाके के निवासी स्पंदन भट्टाचार्जी जैसे कई मतदाता इसे लेकर परेशान हैं। उन्हें 29 जनवरी को सुनवाई के लिए बुलाया गया है क्योंकि उनके पिता का नाम 2002 की सूची में 'अशोक भट्टाचार्य' दर्ज है।

लंबे बंगाली उपनामों को किया था छोटा

बंद्योपाध्याय की जगह 'बनर्जी, चट्टोपाध्याय की जगह 'चटर्जी', गंगोपाध्याय की जगह गांगुली' व भट्टाचार्य की जगह भट्टाचार्जी। ब्रिटिश शासन में उच्चारण और दस्तावेजीकरण की सुगमता को लंबे बंगाली उपनामों को छोटा किया गया था।

खबर संक्षेप

स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी

गुवाहाटी। गुवाहाटी में स्थित दो स्कूलों को बम से उड़ाए जाने की धमकी मिलने के बाद पुलिस ने

जांच शुरू कर दी है। यह भी पता लगाया जा रहा है कि क्या अन्य स्कूलों को भी इसी तरह ईमेल के जरिये धमकी मिली थी। शुक्रवार को मिलीं दो धमकियां झूठी साबित हुईं। अधिकारी ने बताया कि हम यह पता लगा रहे हैं कि ईमेल कहां से भेजे गए थे। अन्य पहलुओं पर भी जांच की जा रही है।

महाराष्ट्र में जीएसटी अधिकारी की मौत

बीड। महाराष्ट्र के बीड जिले में एक जीएसटी अधिकारी के मौत के मामले ने पूरे इलाके को झकझोर

कर रख दिया है। अधिकारी का शव कार में संदिग्ध स्थिति में बरामद हुआ। मामले में मृतक अधिकारी की पत्नी का कहना है कि दफ्तर में लगातार मानसिक उत्पीड़न और निजी जीवन में मिल रही धमकियों के कारण उनके पति टूटकर आत्महत्या कर ली।

ट्रक और ऑटोरिक्शा में टक्कर, तीन की मौत

झांसी। यूपी के झांसी में ट्रक और ऑटोरिक्शा रिक्शा के बीच टक्कर के कारण तीन लोगों की मौत हो

गई जबकि 10 से अधिक लोग घायल हो गए। मृतकों की पहचान कैरोखर की निवासी जानकी (18), पंडित सीता रमैया (55) और नारायण दास (50) के रूप में हुई है। सभी लोग एक मांगलिक कार्यक्रम से वापस अपने घर लौट रहे थे, तभी गुरसराय के निकट यह दुर्घटना हुई। रिक्शा में बच्चों समेत 16 लोग सवार थे।

सरहिंद में रेलवे की आउटर लाइन पर ब्लास्ट

सरहिंद। गणतंत्र दिवस से पहले पंजाब में रेल लाइन पर धमाका

हुआ है। शुक्रवार रात करीब नौ बजे सरहिंद रेलवे स्टेशन की एक आउटर लाइन पर इंजन के गुजरने के दौरान धमाका हुआ। रात करीब 11 बजे इसकी सूचना राजकीय रेलवे पुलिस को दी गई। हमले में एक लोको पायलट के घायल होने की भी सूचना है। जीआरपी ने मामला

गोलीबारी के आरोप में कमाल गिरफ्तार

मुंबई। 'केआरके' के नाम से मशहूर अभिनेता कमाल राशिद खान को यहां पश्चिमी उपनगर में

एक आवासीय इमारत पर हुई गोलीबारी की घटना के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया है। खान को शुक्रवार देर रात पूछताछ के लिए ओशिवारा थाने लाया गया था। अभिनेता ने अपने बयान में अपने लाइसेंसी हथियार से दो गोलियां चलाने की बात स्वीकार की।

लखनऊ में शनिवार को यूपी दिवस पर बोले गृहमंत्री अमित शाह

उत्तर प्रदेश को बताया देश की धड़कन- आत्मा 15 लाख करोड़ की योजनाएं जमीन पर उतरीं

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

लखनऊ में शनिवार को यूपी दिवस पर कार्यक्रम हुआ। राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर 3 दिनी कार्यक्रम के पहले दिन केंद्रीय गृहमंत्री शाह पहुंचे

3 दिनी कार्यक्रम के पहले दिन शाह ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया

यह श्रीराम, कृष्ण, शिव, बुद्ध की धरती

संबोधन के दौरान गृहमंत्री शाह के साथ सीएम योगी और उपमुख्यमंत्री

राजधानी लखनऊ में शनिवार को यूपी दिवस के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर चलने वाले तीन दिवसीय कार्यक्रम के पहले दिन केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पहुंचे। उन्होंने यहां लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस मौके पर अमित शाह ने कहा कि 15 अगस्त 2047 को देश की आजादी का शताब्दी वर्ष होगा। यूपी विकसित उत्तर प्रदेश बनेगा। यूपी भारत की धड़कन और आत्मा है। भारत के विकास का इंजन है, और विकसित भारत का भी इंजन बनेगा। यह श्रीराम, कृष्ण, शिव, बुद्ध की धरती है। प्रेरणा स्थल पर पहली बार आया हूं।

- 'जय श्री राम' और 'भारत माता की जय' के नारे भी लगाए

यहां तीन महान विभूतियों की मूर्ति लगी है। यह स्थल राष्ट्र की जागृत का स्थल बनेगा। यह दशकों तक देश को दिशा देगा। 65 एकड़ में पहले कूड़े का पहाड़ था। भाजपा सरकार ने कूड़े को कंचन में बदला है। शाह ने 'जय श्री राम' का जयकारा लगाकर अपने संबोधन की शुरुआत की। उन्होंने 'भारत माता की जय' के भी नारे लगाए।

यूपी देश के विकास का इंजन भी बन रहा

लोगों को जोर से शाह के साथ नारे लगाए। मोदी जी ने विकसित भारत का संकल्प लिया है। योगीजी ने यूपी को विकसित बनाने का संकल्प लिया है। 15 अगस्त, 2047 को जब देश की आजादी की सदी मनाई जाएगी, तब यूपी विकसित बनेगा। विकसित भारत का अहम राज्य है। यूपी भारत की धड़कन और आत्मा है। देश के विकास का इंजन भी बन रहा है।

5 जिलों को सम्मानित किया

भाजपा सरकार ने कूड़े को कंचन में बदला है। सीएम युवा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 5 जिलों को सम्मानित। युवाओं को ऋण देंगे की व्यवस्था, 1.30 लाख युवाओं को करोड़ों का ऋण दिया है। शुभांशु शुक्ला, अलख पांडेय, सुधांशु सिंह, रश्मि आर्य को सम्मान। हरिओम पंवार को भी सम्मानित करने का मौका मिला है। लंबे समय से सुनता आया हूं। इससे लोगों को अच्छा करने का अवसर मिलेगा।

ओडीपीओ से वैश्विक पहचान मिलेगी

शाह ने शनिवार को उत्तर प्रदेश में 'एक जनपद-एक व्यंजन' योजना की शुरुआत की। इसका मकसद राज्य के 'एक जिला-एक उत्पाद' कार्यक्रम की तर्ज पर हर जिले के पारंपरिक खाने-पीने की खास चीजों को एक अलग पहचान देना है। ओडीओसी योजना की शुरुआत उत्तर प्रदेश दिवस के मौके पर राष्ट्रीय प्रेरणा स्थल पर आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान की गई। ओडीओपी योजना ने उत्तर प्रदेश के कई क्षेत्रीय उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में मदद की है। शाह ने विधानसभा चुनाव की बात करते हुए कहा कि मैं 2017 को याद करूंगा। यूपी का घोषणा पत्र बना रहा था। इसमें ओडीओपी को शामिल किया।

सरदार पटेल योजना की शुरुआत भी की

शाह ने सरदार पटेल योजना का शुभारंभ करते हुए कहा कि यह 10 खराब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने में काफी उपयोगी होगी। यूपी का हर जिला रोजगारयुक्त होगा। देशभर में जाने वाले को यूपी में रोजगार की व्यवस्था होगी। अपने माता-पिता की सेवा करें।

परिवारवादी पार्टियां कल्याण नहीं कर सकतीं

शाह ने कहा कि अगला साल चुनाव का साल है। यूपी के विकास के लिए प्रचंड बहुमत की सरकार बनाएं। परिवारवादी पार्टियां यूपी का कल्याण नहीं कर सकती हैं। भाजपा ही कर सकती है। मोदी, योगी ने विकास का सर्वश्रेष्ठ दिया है। डिफेंस कॉरिडोर, एक्सप्रेववे, हाईवे दिए। भ्रष्टाचार समाप्त किया। गरीब के लिए योजनाएं आईं।

योजनाओं से कृषि विकास दरे बढ़ेगी

शाह ने कहा पीएम के नेतृत्व में सीएम योगी ने योजनाओं को जमीन पर उतारा। कांग्रेस, सपा, बसपा ने बीमारू राज्य को ब्रेक थ्रू राज्य बनाया है। ये कृषि विकास दर बढ़ाने में अहम हैं।

थरूर बोले- कभी नहीं छोड़ा पार्टी का रुख

ऑपरेशन सिंदूर पर अपने बयान के लिए कभी नहीं मांगूंगा माफी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने शनिवार को कहा कि उन्होंने संसद में कभी भी पार्टी के रुख का उल्लंघन नहीं किया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सैद्धांतिक रूप से उनकी एकमात्र सार्वजनिक असहमति ऑपरेशन सिंदूर को लेकर थी। थरूर केरल लिटरेचर फेस्टिवल में आयोजित एक सत्र के दौरान सवालों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर उन्होंने सख्त रुख अपनाया था और वह इस अब भी बिना किसी पछतावे के इस रुख पर कायम हैं। उनका यह बयान ऐसे समय आया है, जब इस तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं कि पार्टी नेतृत्व के साथ उनके मतभेद चल रहे हैं। इन अटकलों में यह भी शामिल है कि कोच्चि में हुए एक हालिया कार्यक्रम में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की ओर से उन्हें पर्याप्त महत्व न दिए जाने और राज्य के नेताओं की ओर से कई बार उन्हें किनारे लगाने की कोशिशों से वे नाराज हैं।

पहलगाम आतंकवादी हमला सख्त कार्रवाई हो

अपने रुख को स्पष्ट करते हुए थरूर ने कहा कि एक पर्यवेक्षक और लेखक के रूप में उन्होंने पहलगाम की घटना के बाद एक अखबार में लेख लिखा था। उस लेख में उन्होंने कहा था कि बिना सजा दिए इस मामले को नहीं छोड़ा जाना चाहिए और इसके जवाब में सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

पाकिस्तान पर सैन्य कार्रवाई पर कहा

- भारत का मुख्य ध्यान विकास पर है और उसे पाक के साथ लंबे समय तक चलने वाले संघर्ष में नहीं फंसना चाहिए।
- अगर कार्रवाई हो, तो वह केवल आतंकवादी ठिकानों तक ही सीमित रहनी चाहिए।
- उन्हें हैरानी हुई कि भारत सरकार ने वही कदम उठाए, जिनकी उन्होंने सिफारिश की थी।

भारत को सर्वोपरि रखना चाहिए

उन्होंने कहा कि जवाहरलाल नेहरू ने ही वह प्रसिद्ध सवाल उठाया था- अगर भारत मर गया, तो कौन जिएगा? थरूर ने कहा कि जब भारत की प्रतिष्ठा दांव पर हो, जब भारत की सुरक्षा और दुनिया में उसकी जगह का सवाल हो, तब भारत सबसे पहले आता है। उन्होंने यह भी कहा कि बेहतर भारत के निर्माण की प्रक्रिया में राजनीतिक दलों के बीच मतभेद हो सकते हैं, लेकिन जब राष्ट्रीय हितों की बात हो, तो भारत को सर्वोपरि रखना चाहिए।

बार काउंसिल के चुनाव पर दिया फैसला

एससी-एसटी अधिवक्ताओं के लिए इसमें सीटें आरक्षित नहीं की जाएंगी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने एक बड़े फैसले में राज्य बार काउंसिल और बार काउंसिल ऑफ इंडिया के चुनावों में एससी- एसटी अधिवक्ताओं के लिए सीटें आरक्षित करने के निर्देश जारी करने से इनकार कर दिया। मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली की पीठ ने जोर दिया कि एसे आरक्षण को न्यायालय द्वारा जारी परमादेश के बजाए विधायी संशोधन से ही लागू किया जा सकता है। पीठ ने मांग करने वाली याचिका खारिज कर दी।

सीजेआई बोले- बहुत देर कर दी...

न्यायिक हस्तक्षेप की सीमाओं को रेखांकित किया

सीजेआई की पीठ ने पेशेवर निकायों के भीतर सकारात्मक कार्रवाई से संबंधित मामलों में न्यायिक

हस्तक्षेप की सीमाओं को रेखांकित किया। यह फैसला यूनिवर्सल डॉ. आंबेडकर एडवोकेट्स एसोसिएशन द्वारा दायर रिट के जवाब में आया, जिसमें हाशिए पर पड़े समुदायों के लिए आनुपातिक प्रतिनिधित्व या उपयुक्त कानून बनने तक अंतरिम उपाय जैसे सीट आरक्षण की मांग की गई थी।

भट्ट और बेटी पर करोड़ों की धोखाधड़ी का मामला दर्ज

मुंबई। फिल्म निर्माता विक्रम भट्ट एक बार फिर कानूनी पचड़े में फंस गए हैं। विक्रम भट्ट और उनकी बेटी कृष्णा भट्ट के खिलाफ वर्सोवा पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। पिता-पुत्री पर एक कारोबारी ने 13.5

करोड़ की धोखाधड़ी का आरोप लगाया है। पुलिस में दर्ज शिकायत में आरोप लगाया गया है कि दोनों ने कारोबारी से फिल्म और अन्य बिजनेस में इन्वेस्ट करने पर भारी लाभ का वादा करके रकम ली थी। मामला दर्ज होने के बाद आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने जांच का जिम्मा संभाल लिया है। व्यापारी ने भट्ट द्वारा किए गए वादे के बाद लाभ न मिलने पर पुलिस में शिकायत की। व्यापारी ने कहा कि विक्रम और कृष्णा ने उन्हें भारी मुनाफे का आश्वासन देकर निवेश करने के लिए प्रेरित किया, लेकिन अपने वादे पूरे नहीं किए।

गणतंत्र दिवस पर दिखेगा 'ऑपरेशन सिंदूर'

नई दिल्ली। इस बार का गणतंत्र दिवस कुछ खास दिखाई देगा। इसमें सेना का शौर्य 'ऑपरेशन सिंदूर' दिखाई देगा।

माघ मेले प्रयाग में गूंजा 'नर्मदे हर', वाटर वुमेन लोगों में जल संरक्षण की अलख दे रहीं

गंगा-यमुना-सरस्वती संगम पर मां नर्मदा का दिव्य समन्वय

नदियों को संस्कृति, आस्था और पर्यावरण संरक्षण की साझा धरोहर बताया

एजेंसी ▶▶ प्रयागराज

संगमनगरी प्रयागराज में आयोजित माघ मेले के दौरान अध्यात्म और पर्यावरण संरक्षण का अनूठा संगम देखने को मिल रहा है। गंगा-यमुना-सरस्वती के पावन त्रिवेणी संगम पर जहां सैकड़ों शिविर, विशाल पंडाल, अखाड़े लगे हुए हैं, उनके साथ ही एक ओर मां नर्मदा की आध्यात्मिक उपस्थिति भी श्रद्धालुओं को आकर्षित कर रही है।

जल संरक्षण की अलख जगा रहीं वाटर वुमेन शिप्रा पाठक द्वारा माघ मेले में स्थापित पर्यावरण शिविर में नित्य 'नर्मदे हर' का जाप गूंज रहा है। शिविर में स्थापित मां नर्मदा की दिव्य प्रतिमा, जिसे मध्यप्रदेश के जबलपुर जिले के वगरई ग्राम के कुशल शिल्पकारों द्वारा निर्मित किया गया है, श्रद्धालुओं के बीच विशेष आकर्षण का केंद्र है। प्रतिमा के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं एवं कल्पवासियों की निरंतर भीड़ उमड़ रही है।

देशभर में पर्यावरण संरक्षण का संदेश

पाठक ने 2018 में मां नर्मदा की पैदल परिक्रमा कर जल संरक्षण का संकल्प लिया था। इसी आध्यात्मिक यात्रा के दौरान उन्होंने यह विचार किया कि जल संरक्षण का संदेश केवल एक नदी तक सीमित न रहकर पूरे देश में फैलना चाहिए। मां नर्मदा के आशीर्वाद से उन्होंने गोमती, शिप्रा सहित अयोध्या से रामेश्वरम पैदल चलकर लगभग 13 हजार किलोमीटर की दिव्य पदयात्रा कर देशभर में पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। माघ मेले में भी शिप्रा ने सैकड़ों संतों के साथ पर्यावरण पद यात्रा निकालकर हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं को पर्यावरण के प्रति जागरूक किया।

पर्यावरण शिविर समन्वय का प्रतीक बना

माघ मेले में स्थापित यह पर्यावरण शिविर गंगा-यमुना-सरस्वती के त्रिवेणी संगम के साथ मां नर्मदा के समन्वय का प्रतीक बन गया है। यह शिविर यह संदेश दे रहा है कि देश की सभी नदियां हमारी संस्कृति, आस्था और पर्यावरण संरक्षण की साझा धरोहर हैं। अध्यात्म के माध्यम से पर्यावरण चेतना का यह प्रयास माघ मेले में विशेष चर्चा का विषय बना हुआ है।

पाठक पावन संगमधरा पर कल्पवास कर रहीं

पाठक इन दिनों प्रयागराज की पावन संगमधरा पर कल्पवास कर रही हैं। उनके शिविर में मां नर्मदा की विधिवत स्थापना कर प्रतिदिन भोग अर्पण एवं प्रसाद वितरण किया जा रहा है। संगम क्षेत्र में कल्पवास कर रहे अनेक संत-महात्मा भी मां नर्मदा के दर्शन हेतु शिविर में पहुंच रहे हैं।

छोटी रकम, पर बड़ी सोच रखें, तैयार कर सकते हैं 25 लाख तक का फंड

सुझाव | बिजनेस डेस्क

मिडिल क्लास की सबसे बड़ी चिंता भविष्य की सुरक्षा होती है। सैलरी आती है, खर्च निकल जाता है और बचत हाथ से फिसल जाती है, लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि रोज की छोटी आदतें आपकी जिंदगी का बड़ा सहारा बन सकती हैं? एक ऐसा तरीका है, जो बिना भारी बोझ के मजबूत फंड बनाने की राह खोलता है। आज के समय में सिर्फ अच्छी नौकरी या ठीक-ठाक कमाई होना ही काफी नहीं है। जितनी तेजी से महंगाई बढ़ रही है, उसी तेजी से पैसे को बढ़ाना भी जरूरी हो गया है। मिडिल क्लास परिवारों के लिए यह चुनौती और भी बड़ी हो जाती है, क्योंकि आमदनी सीमित होती है और जिम्मेदारियां ज्यादा। ऐसे में ज्यादातर लोग सोचते हैं कि बड़ा फंड बनाना उनके बस की बात नहीं है, लेकिन सच्चाई यह है कि सही आदत और सही प्लानिंग से छोटी बचत भी बड़ा कमाल कर सकती है। अगर आप भी सोच रहे हैं कि ज्यादा निवेश के बिना बड़ा फंड कैसे बने, तो जवाब आपकी रोज की छोटी बचत में छिपा है।

हमेशा बड़ी सोच रखो

अक्सर हम यह मान लेते हैं कि निवेश तभी संभव है जब जेब में ढेर सारा पैसा हो। इसी सोच की वजह से लोग निवेश को टालते रहते हैं, लेकिन हकीकत यह है कि बड़ा फंड एक दिन में नहीं बनता, बल्कि रोज के छोटे फैसलों से तैयार होता है। रोज 200 रुपये बचाना कोई भारी बोझ नहीं है। यह रकम हम अक्सर अनजाने में चाय, सिगरेट, फास्ट फूड या ऑनलाइन ऑर्डर में खर्च कर देते हैं। अगर यही 200 रुपये रोज बचाकर भविष्य के लिए लगा दिए जाएं, तो यही छोटी आदत कुछ सालों में आर्थिक आजादी की तरफ ले जा सकती है।

निवेश पहले से कहीं ज्यादा आसान

आज के दौर में निवेश पहले से कहीं ज्यादा आसान हो गया है. म्यूचुअल फंड एसआईपी ने आम आदमी को भी निवेश की ताकत दे दी है. अब निवेश के लिए बड़े चेक या लंबी प्रक्रिया की जरूरत नहीं. आप हर दिन 200 रुपए भी जमा करते हैं तो महीने में 6000 रुपए म्यूचुअल फंड में निवेश कर सकते हैं। इसका फायदा यह है कि आपको निवेश का दबाव महसूस नहीं होता। पैसे धीरे-धीरे कटते रहते हैं और आपको पता भी नहीं चलता कि कब एक अच्छा-खासा फंड तैयार हो गया.

रोज 200 रुपये से 25 लाख कैसे

अब सवाल आता है कि आखिर रोज की इतनी छोटी बचत से 25 लाख रुपये कैसे बन सकते हैं. अगर आप रोज 200 रुपये निवेश करते हैं, तो महीने में लगभग 6,000 रुपये और साल में करीब 72,000 रुपये का निवेश हो जाता है। अगर आप यह निवेश लगातार 14 साल तक करते हैं और औसतन 12 प्रतिशत सालाना रिटर्न मिलता है, तो आपकी कुल जमा रकम करीब 10 लाख रुपये होगी, लेकिन कंपाउंडिंग की वजह से आपके पैसे पर पैसा बनता रहेगा और रिटर्न के रूप में लगभग 15–16 लाख रुपये जुड़ सकते हैं। इस तरह अंत में आपका फंड करीब 25 लाख रुपये तक पहुंच सकता है।

मिडिल क्लास के लिए कितनी फायदेमंद

एसआईपी मिडिल क्लास परिवारों के लिए इसलिए खास है क्योंकि यह उनकी जीवनशैली में आसानी से फिट हो जाती है। लंबी अवधि के लिए निवेश करने से बाजार के उतार-चढ़ाव का असर कम हो जाता है। जब बाजार ऊपर होता है, तो कम यूनिट मिलती हैं और जब बाजार नीचे होता है, तो ज्यादा यूनिट मिल जाती हैं।

निवेश को समय देना है जरूरी

यह समझना बहुत जरूरी है कि म्यूचुअल फंड कोई रातों रात अमीर बनने की स्कीम नहीं है। इसमें समय देना पड़ता है. बीच में बाजार गिर सकता है, लेकिन अगर आप घबराकर निवेश बंद नहीं करते और धैर्य बनाए रखते हैं, तो लंबे समय में इसका फायदा जरूर मिलता है। जैसे-जैसे आपकी आमदनी बढ़े, वैसे-वैसे एसआईपी की रकम बढ़ाना भी एक समझदारी भरा कदम हो सकता है। इससे आपका फंड और तेजी से बढ़ेगा।

निवेश मंत्रा | बिजनेस डेस्क

- चांदी की कीमत इस समय करीब 3,48,647 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी टैक्स मिलाकर) हो गई।
- पिछले कारोबारी सत्र में चांदी 20,400 बढ़कर 3,23,000 रुपये प्रति किलो पर बंद हुई थी।

लगातार कुलांचे भर रही है चांदी की कीमतें, आगे क्या रहेगा चांदी का रुख, क्या इसमें निवेश करना सही

चांदी भर रही निवेशकों की झोली, संभलकर करें निवेश

चांदी के भाव में गिरावट को लंबी अवधि के पोर्टफोलियो के लिए खरीदारी का मौका समझना चाहिए। केंद्रीय बैंकों द्वारा चांदी की खरीद, मौद्रिक नीति में नरमी और चांदी की बढ़ती औद्योगिक मांग जैसे कारणों से सोना और चांदी निवेशकों के लिए बहुत महत्वपूर्ण हो गए हैं। वहीं, टाटा म्यूचुअल फंड की एक रिपोर्ट के अनुसार, हाल के महीनों में रिकॉर्ड उछाल के बाद चांदी में अभी भी काफी उतार-चढ़ाव के साथ मजबूती बनी रह सकती है। इसकी वजह मजबूत मांग का अनुमान और सप्लाई में कमी या स्टॉक की कमी है, जो मौजूदा ट्रेंड को बढ़ावा दे रहे हैं।

पिछले कुछ समय से चांदी निवेशकों की पहली पसंद बनती जा रही है। जिस रफ्तार से चांदी की कीमतें बढ़ रही हैं, उसने न सिर्फ बाजार को चौंकाया है, बल्कि निवेशकों के मन में यह सवाल भी खड़ा कर दिया है कि क्या यह तेजी टिकाऊ है या फिर जल्द ही इसमें मुनाफावसूली का दौर शुरू होगा। हालिया आंकड़े बताते हैं कि चांदी ने बेहद कम समय में जबरदस्त उछाल दर्ज किया है, लेकिन हर तेजी के साथ जोखिम भी बढ़ता है। ऐसे में चांदी में निवेश से पहले ठहरकर सोचने की जरूरत है। बीते कारोबारी सत्रों पर नजर डालें तो चांदी की कीमतें थोड़े से उतार चढ़ाव के बाद लगातार कुलाचे भरती दिखाई देती हैं। ताजा भाव के मुताबिक चांदी लगभग 3,48,647 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी टैक्स मिलाकर) के स्तर पर पहुंच गई है। यानी महज तीन से चार कारोबारी दिनों में ही चांदी की कीमतों में 35 हजार रुपये से ज्यादा की उछाल देखने को मिला है। यह तेजी सामान्य नहीं कही जा सकती और इसी वजह से बाजार में चांदी को लेकर उत्साह के साथ-साथ सतर्कता भी बढ़ गई है।

चांदी में क्यों आई है इतनी तेज़ी

चांदी की मौजूदा तेजी के पीछे कई घरेलू और वैश्विक कारण हैं। सबसे बड़ा कारण वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता है। दुनिया के कई हिस्सों में मंदी की आशंका, भू-राजनीतिक तनाव और डॉलर की चाल ने निवेशकों को सुरक्षित निवेश विकल्पों की ओर मोड़ा है। पारंपरिक रूप से सोने के साथ-साथ चांदी भी सुरक्षित निवेश मानी जाती है, लेकिन चांदी की एक खासियत यह है कि इसका औद्योगिक उपयोग भी बड़े पैमाने पर होता है। इलेक्ट्रिक व्हीकल, सोलर पैनल, इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर उद्योग में चांदी की मांग लगातार बढ़ रही है। ग्रीन एनर्जी और क्लीन टेक्नोलॉजी पर वैश्विक फोकस ने चांदी की औद्योगिक मांग को और मजबूत किया है। जब निवेश और उद्योग दोनों तरफ से मांग बढ़ती है, तो कीमतों में तेजी आना स्वाभाविक है। इसके अलावा, अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सप्लाई की सीमाएं भी चांदी की कीमतों को सहारा दे रही हैं। खनन लागत बढ़ना, नई खदानों की कमी और उत्पादन में सुस्ती ने सप्लाई-साइड दबाव पैदा किया है। इसका असर भारतीय बाजार में भी साफ दिखाई दे रहा है।

निवेशकों को क्यों हो रहा है बड़ा फायदा

चांदी की तेजी ने खासतौर पर उन निवेशकों को मालामाल किया है जिन्होंने इसमें समय रहते निवेश किया था। बीते एक साल में चांदी आधारित ईटीएफ ने असाधारण रिटर्न दिया है। आंकड़ों के मुताबिक, एक साल में सिल्वर ईटीएफ ने 200% से ज्यादा का रिटर्न दिया है। खासतौर पर यूटीआई सिल्वर ईटीएफ ने पिछले एक साल में करीब 206% का रिटर्न देकर निवेशकों को चौंका दिया है। ईटीएफ के जरिए निवेश करने वालों को न सिर्फ कीमतों में तेजी का फायदा मिला, बल्कि उन्हें भौतिक चांदी रखने की झंझट से भी मुक्ति मिली। यही वजह है कि हाल के महीनों में सिल्वर ईटीएफ में निवेश तेजी से बढ़ा है। छोटे निवेशकों से लेकर बड़े संस्थागत निवेशक तक, सभी की दिलचस्पी चांदी में बढ़ी है।

क्या आगे भी जारी रहेगी चांदी की तेजी

सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या चांदी की यह रैली आगे भी जारी रहेगी या अब इसमें ब्रेक लगेगा। विशेषज्ञों की मानें तो लंबी अवधि में चांदी के फंडामेंटल मजबूत बने हुए हैं। औद्योगिक मांग, ग्रीन एनर्जी ट्रांजिशन और वैश्विक अनिश्चितता जैसे कारक चांदी को सपोर्ट कर सकते हैं। हालांकि, अल्पकाल में इतनी तेज तेजी के बाद करेक्शन की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। जिस तरह से पिछले तीन दिनों में ही 35 हजार रुपये से ज्यादा का उछाल आया है, उससे साफ है कि बाजार कुछ हद तक ओवरबॉट जोन में पहुंच सकता है। अगर वैश्विक संकेत बदले, डॉलर मजबूत हुआ या मुनाफावसूली शुरू हुई, तो चांदी की कीमतों में तेज उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है।

निवेश से पहले किन बातों का रखें ध्यान

चांदी में निवेश करते समय सिर्फ रिटर्न देखकर फैसला करना समझदारी नहीं होगी। सबसे पहले यह समझना जरूरी है कि चांदी सोने की तुलना में कहीं ज्यादा अस्थिर (वोलेटाइल) होती है। इसमें तेजी जितनी तेज होती है, गिरावट भी उतनी ही तीखी हो सकती है। अगर आप नए निवेशक हैं, तो एकमुश्त बड़ी रकम लगाने से बचें। चरणबद्ध तरीके से निवेश करना बेहतर रहेगा। लॉन्ग टर्म निवेशक के तौर पर चांदी को पोर्टफोलियो में एक सीमित हिस्से के रूप में ही रखें। विशेषज्ञ आमतौर पर कुल निवेश का 5–10% से ज्यादा हिस्सा चांदी या अन्य कमोडिटी में न लगाने की सलाह देते हैं। इसके अलावा, निवेश का माध्यम भी सोच-समझकर चुनें। भौतिक चांदी, सिल्वर ईटीएफ, फ्यूचर्स या डिजिटल सिल्वर—हर विकल्प के अपने फायदे और जोखिम हैं।

मुनाफा है, लेकिन सावधानी ज़रूरी

इसमें कोई शक नहीं कि मौजूदा दौर में चांदी ने निवेशकों की झोली भर दी है। कीमतों की तेज रफ्तार और ईटीएफ के शानदार रिटर्न ने इसे चर्चा के केंद्र में ला दिया है। लेकिन बाजार का इतिहास गवाह है कि हर तेज रैली के बाद ठहराव या गिरावट भी आती है। इसलिए चांदी में निवेश करते समय उत्साह के साथ विवेक भी जरूरी है। लंबी अवधि के नजरिये से, सीमित हिस्सेदारी और सही रणनीति के साथ किया गया निवेश फायदेमंद हो सकता है। लेकिन जल्द अमीर बनने की उम्मीद में बिना जोखिम समझे किया गया निवेश भारी नुकसान भी करा सकता है। चांदी चमक जरूर रही है, लेकिन इस चमक के पीछे छिपे जोखिमों को नजरअंदाज करना निवेशकों के लिए महंगा साबित हो सकता है।

योजना बनाकर संयमित तरीके से करना होगा निवेश, भारत में अभी तक कॉपर ईटीएफ या कॉपर म्यूचुअल फंड उपलब्ध नहीं

सोना-चांदी के बाद 'कॉपर' भी बन रहा अगला बड़ा निवेश विकल्प

जानकारी | बिजनेस डेस्क

गोल्ड और सिल्वर की चमक के बीच बेस मेटल कॉपर को निवेशकों ने काफी समय तक नजरअंदाज किया, लेकिन अब इसमें भी तेज उछाल दिख रहा है। लंदन मेटल एक्सचेंज (एलएमई) के आंकड़ों के अनुसार, कॉपर मार्च 2022 के बाद के अपने सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गया है। भारत में भी कॉपर फ्यूचर्स ने बीते एक साल में लगभग 36% की तेजी दिखाई है, जिससे यह सबसे बेहतर प्रदर्शन करने वाली कमोडिटीज में से एक बन गया है।

पिछले कुछ वर्षों में निवेशकों ने देखा है कि कैसे सोना और चांदी ने अनिश्चित बाजार हालात में बेहतर रिटर्न देकर खुद को सुरक्षित निवेश विकल्प के रूप में स्थापित किया। अब इसी कड़ी में एक और कमोडिटी निवेशकों के रडार पर तेजी से उभर रही है वह है कॉपर (तांबा)। शेयर बाजार की मौजूदा सुस्ती और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच निवेशकों का रुझान एक बार फिर कमोडिटी निवेश की ओर बढ़ रहा है। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या कॉपर अगला बड़ा दांव बन सकता है और क्या रिटेल निवेशक भी इससे मोटी कमाई कर सकते हैं। लेकिन इसके लिए योजना बनाकर संयमित तरीके से निवेश करना होगा। तभी कॉपर में निवेश कर अच्छा रिटर्न पाया जा सकता है। सोना और चांदी के बाद अब निवेशकों की नजर कॉपर (तांबा) पर टिकने लगी है। पिछले एक साल में गोल्ड और सिल्वर ने रिकॉर्ड रिटर्न दिए हैं।

इसलिए बढ़ रहा कॉपर की ओर निवेशकों का झुकाव

कॉपर को अक्सर डॉ. कॉपर कहा जाता है, क्योंकि इसकी मांग वैश्विक आर्थिक गतिविधियों का संकेत देती है। जैसे-जैसे इंडस्ट्री, इंफ्रास्ट्रक्चर और टेक्नोलॉजी सेक्टर में गतिविधियां बढ़ती हैं, कॉपर की खपत भी उसी अनुपात में बढ़ती है। मौजूदा समय में कई ऐसे स्ट्रक्चरल ट्रेंड्स हैं जो कॉपर की कीमतों को लंबी अवधि में मजबूती दे सकते हैं। सबसे बड़ा कारण है ईवी (इलेक्ट्रिक व्हीकल) सेक्टर का विस्तार। एक इलेक्ट्रिक कार में पारंपरिक पेट्रोल-डीजल कार की तुलना में लगभग तीन से चार गुना ज्यादा कॉपर इस्तेमाल होता है। बैटरी, मोटर, चार्जिंग सिस्टम और वायरिंग हर जगह कॉपर की अहम भूमिका है। दुनिया भर में ईवी को बढ़ावा देने के लिए सरकारें नीतियां बना रही हैं, जिससे आने वाले वर्षों में कॉपर की मांग लगातार बढ़ने की उम्मीद है। दूसरा अहम कारण है डेटा सेंटर और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर का तेजी से विस्तार। क्लाउड कंप्यूटिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और 5जी जैसी तकनीकों के कारण बड़े पैमाने पर डेटा सेंटर्स बनाए जा रहे हैं। इन डेटा सेंटर्स में बिजली की खपत और केबलिंग के लिए भारी मात्रा में कॉपर की जरूरत होती है। इसके अलावा डिफेंस और रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर भी कॉपर की मांग को मजबूत कर रहे हैं। सोलर पैनल, विंड टर्बाइन और इलेक्ट्रिक ग्रिड के आधुनिकीकरण में कॉपर एक प्रमुख कच्चा माल है। वैश्विक स्तर पर ग्रीन एनर्जी पर जोर के चलते यह मांग लंबे समय तक बनी रह सकती है।

सप्लाई की चुनौती: कीमतों को सहारा

कॉपर की तेजी के पीछे सिर्फ मांग ही नहीं, बल्कि सप्लाई से जुड़ी समस्याएं भी बड़ा कारण हैं। दुनिया की कई प्रमुख कॉपर माइंस पुराने चरण में पहुंच चुकी हैं, जहां उत्पादन बढ़ाना आसान नहीं है। नई माइंस विकसित करने में पर्यावरणीय नियम, लंबी मंजूरी प्रक्रिया और भारी लागत बड़ी बाधा बन रहे हैं। इसके अलावा कुछ प्रमुख उत्पादक देशों में राजनीतिक और श्रम संबंधी अनिश्चितताएं भी सप्लाई को प्रभावित करती हैं। सीमित सप्लाई और बढ़ती मांग का यह असंतुलन कॉपर की कीमतों को लंबी अवधि में मजबूती दे सकता है।

भारत में निवेश के विकल्प क्या हैं

फिलहाल भारत में कॉपर ईटीएफ या कॉपर आधारित म्यूचुअल फंड उपलब्ध नहीं हैं, जो रिटेल निवेशकों के लिए एक बड़ी चुनौती है। हालांकि, इसके बावजूद निवेश के कुछ रास्ते मौजूद हैं। पहला विकल्प है कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) के जरिए कॉपर फ्यूचर्स में निवेश, लेकिन यह विकल्प केवल उन्हीं निवेशकों के लिए उपयुक्त है, जिन्हें कमोडिटी बाजार की अच्छी समझ हो, क्योंकि इसमें वोलैटिलिटी और लीवरेज का जोखिम ज्यादा होता है। दूसरा विकल्प है कॉपर से जुड़ी कंपनियों के शेयरों में निवेश। भारत और विदेशों में कई ऐसी माइनिंग, मेटल और केबल निर्माण कंपनियां हैं, जिनका बिजनेस सीधे तौर पर कॉपर की कीमतों से जुड़ा है। हालांकि, इसमें कंपनी-विशेष के जोखिम भी जुड़े होते हैं। तीसरा रास्ता है डायवर्सिफाइड कमोडिटी या इंटरनेशनल फंड्स, जो अप्रत्यक्ष रूप से बेस मेटल्स या ग्लोबल कमोडिटी मार्केट में निवेश करते हैं। हालांकि, इनमें कॉपर का एक्सपोजर सीमित हो सकता है। कॉपर में निवेश को लेकर उत्साह के साथ-साथ संयम भी जरूरी है। यह एक साइकलिकल कमोडिटी है, जिसकी कीमतें वैश्विक आर्थिक हालात से तेजी से प्रभावित होती हैं। इसलिए निवेशकों को चाहिए कि वे इसे पोर्टफोलियो का छोटा हिस्सा बनाएं, न कि पूरा दांव इसी पर लगा दें। चरणबद्ध निवेश, लंबी अवधि का नजरिया और जोखिम प्रबंधन बेहद जरूरी है।

5 लाख को 5 साल के लिए ऐसे करें निवेश

बिजनेस डेस्क

अक्सर हम अपनी मेहनत की कमाई का कुछ हिस्सा बचाकर रख लेते हैं। मान लीजिए, आपके पास इस वक्त 5 लाख रुपये पड़े हैं और आपने मन बना लिया है कि अगले 5 साल तक आप इन पैसों को हाथ नहीं लगाएंगे। अब आपके सामने सबसे बड़ी चुनौती यह आती है कि इस पैसे को ऐसी कौन सी जगह निवेश करें, जहां से यह 5 साल बाद एक भारी-भरकम रकम बनकर वापस आए।

निवेश के ये आसान तरीके

बाजार में निवेश के बहुत से रास्ते हैं, लेकिन जब बात सुरक्षा और अच्छे मुनाफे के तालमेल की आती है, तो तीन नाम सबसे पहले जेहन में आते हैं। पहला है सरकारी सुरक्षा वाला एनएससी, दूसरा है बरसों पुराना भरोसा यानी एफडी और तीसरा है आज के दौर का सुपरहिट विकल्प यानी म्यूचुअल फंड लंपसम। समझते हैं कि आपके एक लाख रुपए इन तीनों रास्तों पर चलकर 5 साल में कहां तक पहुंचेंगे। अगर आप ऐसे शख्स हैं जिन्हें रात को सुकून की नींद चाहिए और आप अपने पैसे के साथ रत्ती भर भी रिस्क नहीं लेना चाहते, तो नेशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट यानी एनएससी आपके लिए सबसे मजबूत किला है।

कंपाउंड ब्याज देगा बड़ा मुनाफा

आज के समय में एनएससी पर करीब 7.7 प्रतिशत का सालाना कंपाउंड ब्याज मिल रहा है। इसका गणित बहुत सीधा है। अगर आप आज 5 लाख रुपये एनएससी में जमा करते हैं, तो 5 साल का समय पूरा होने पर आपके हाथ में लगभग 7.24 लाख रुपये होंगे, लेकिन इसकी असली खूबी सिर्फ ब्याज नहीं है। एनएससी में निवेश करने पर आपको इनकम टैक्स की धारा 80सी के तहत छूट भी मिलती

फिक्स्ड डिपॉजिट

देश में आज भी निवेश का मतलब एफडी ही समझा जाता है। अगर आप पोस्ट ऑफिस में 5 साल के लिए एफडी करवाते हैं, तो फिलहाल वहां करीब 7.5 प्रतिशत का ब्याज ऑफर किया जा रहा है। वहीं, बैंकों की बात करें, तो यह आंकड़ा थोड़ा कम यानी 6 से 6.5 प्रतिशत के बीच रहता है। चलिए, पोस्ट ऑफिस वाली ऊंची दर को पकड़कर हिसाब लगाते हैं। अगर आप 5 लाख रुपये यहां 5 साल के लिए लॉक कर देते हैं, तो मैच्योरिटी पर आपको करीब 7.26 लाख रुपये मिल सकते हैं। एफडी से मिलने वाला ब्याज टैक्सेबल होता है, यानी आपकी कमाई पर टैक्स की कैंची चल सकती है. साथ ही, महंगाई को देखते हुए इसका असली मुनाफा थोड़ा कम महसूस हो सकता है. फिर भी, इसकी सरलता और लिक्विडिटी इसे आज भी लोकप्रिय बनाए हुए है.

म्यूचुअल फंड लंपसम

अब बात करते हैं उस विकल्प की, जिसने पिछले कुछ सालों में निवेशकों को सबसे ज्यादा आकर्षित किया है। यह है म्यूचुअल फंड में लंपसम निवेश। लंपसम का मतलब है कि आपने अपनी पूरी रकम एक ही बार में किसी फंड में डाल दी। अगर आप थोड़ा सा जोखिम उठाने का जिगरा रखते हैं, तो इक्विटी म्यूचुअल फंड आपको मालामाल कर सकता है।

यह निवेश करने का आसान और सबसे लोकप्रिय तरीका, छोटी-छोटी गलतियां करवा सकती हैं करोड़ों रुपये का नुकसान

संयम और प्लानिंग के साथ शुरू करें एसआईपी

एसआईपी शुरू या बंद करने से पहले जान लें कुछ अहम बातें, वरना हो सकता है नुकसान!

सलाह | बिजनेस डेस्क

आज के समय में एसआईपी (सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान) निवेश का सबसे आसान और लोकप्रिय तरीका बन चुका है। नौकरीपेशा लोग हों या छोटे व्यापारी, हर कोई महीने की थोड़ी-सी बचत से बड़ा फंड बनाने का सपना देखता है। लेकिन यह समझना बेहद जरूरी है कि एसआईपी जितना आसान दिखता है, उतना ही जोखिम भरा भी हो सकता है, अगर इसे सही समझ और योजना के बिना शुरू या बंद किया जाए। छोटी-छोटी गलतियां लंबे समय में लाखों नहीं, बल्कि करोड़ों रुपये तक का नुकसान करवा सकती हैं। एसआईपी की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसमें एकमुश्त बड़ी रकम लगाने की जरूरत नहीं होती। हर महीने तय राशि अपने आप म्यूचुअल फंड में निवेश हो जाती है। बाजार गिरता है तो उसी रकम में ज्यादा यूनिट्स मिलती हैं और बाजार चढ़ता है तो निवेश की वैल्यू बढ़ती है। इसी वजह से इसे आम निवेशकों के लिए आदर्श माना जाता है। लेकिन कई लोग इसे जोखिम-मुक्त मान लेते हैं, जो सबसे बड़ी भूल है।

एसआईपी जोखिम-मुक्त नहीं, लंबे समय तक टिके रहने में ही फायदा मिलता

तार-चढ़ाव तय

एसआईपी पूरी तरह बाजार से जुड़ा होता है, इसलिए इसमें उतार-चढ़ाव तय है। दिसंबर 2025 में ही निवेशकों ने रिकॉर्ड 31,002 करोड़ रुपये एसआईपी में डाले। लेकिन अक्सर लोग बिना पूरी जानकारी के एसआईपी शुरू कर देते हैं या बीच में रोक देते हैं। आइए जानते हैं वो अहम बातें जो हर निवेशक को समझनी चाहिए

लंबे समय तक टिके रहने में लाभ

सबसे अहम बात यह है कि एसआईपी का असली फायदा लंबे समय तक टिके रहने में ही मिलता है। बहुत से निवेशक बाजार गिरते ही घबरा जाते हैं और एसआईपी बंद कर देते हैं। यही वह समय होता है जब निवेश जारी रखना चाहिए, क्योंकि गिरावट के दौरान खरीदी गई यूनिट्स भविष्य में बाजार सुधरने पर बड़ा रिटर्न देती हैं। बीच में एसआईपी रोक देना या पूरी तरह बंद कर देना कंपाउंडिंग के असर को तोड़ देता है, जिससे संभावित रिटर्न काफी कम हो जाता है।

बिना लक्ष्य निवेश शुरू न करें

एक और आम गलती है बिना लक्ष्य तय किए निवेश शुरू करना। यह जानना जरूरी है कि आप किस उद्देश्य के लिए पैसा लगा रहे हैं—बच्चों की पढ़ाई, घर खरीदना, शादी या रिटायरमेंट। लक्ष्य के अनुसार फंड का चुनाव और निवेश की अवधि तय की जानी चाहिए। इसके अलावा, अपनी आय और खर्चों का सही आकलन किए बिना बड़ी रकम की एसआईपी शुरू करना भी जोखिम भरा हो सकता है। अगर मासिक बजट बिगड़ता है तो मजबूरी में एसआईपी बंद करनी पड़ सकती है। इमरजेंसी फंड की कमी भी निवेशकों को नुकसान की ओर ले जाती है। अचानक मेडिकल या अन्य जरूरी खर्च आने पर लोग एसआईपी तोड़ देते हैं, जिससे न सिर्फ रिटर्न कम होता है बल्कि टैक्स का बोझ भी बढ़ सकता है। इसलिए एसआईपी शुरू करने से पहले कम से कम 6 महीने के खर्च के बराबर इमरजेंसी फंड बनाना बेहद जरूरी है।

निवेश का बेहतरीन जरिया

एसआईपी निवेश का बेहतरीन जरिया है, लेकिन इसे जोखिम-मुक्त समझना भारी पड़ सकता है। सही जानकारी, स्पष्ट लक्ष्य, अनुशासन और धैर्य के साथ किया गया निवेश ही लंबे समय में बड़ा फंड बना सकता है। याद रखें, एसआईपी शुरू या बंद करने से पहले लिया गया हर फैसला आपके भविष्य की आर्थिक स्थिति तय करता है।

एसआईपी जोखिम-मुक्त नहीं है

बहुतों को लगता है कि एसआईपी से जोखिम कम हो जाता है। हकीकत ये है कि एसआईपी सिर्फ निवेश का तरीका है, यह फंड की प्रकृति नहीं बदलता। अगर फंड इक्विटी या डेट मार्केट में है, तो उतार-चढ़ाव का असर एसआईपी पर भी पड़ेगा। सही फंड चुनना और अपने लक्ष्य व जोखिम क्षमता को ध्यान में रखना बेहद जरूरी है। कम राशि से शुरुआत और लचीलापन एसआईपी की सबसे बड़ी खूबी है कि आप सिर्फ 500 रुपये से भी शुरुआत कर सकते हैं। अगर कभी आर्थिक दबाव हो तो किस्त रोक सकते हैं या स्किप कर सकते हैं। यही वजह है कि ये नए निवेशकों और अस्थिर आय वालों के लिए भी उपयुक्त है।

किस्तें मिस करना महंगा

किस्तें मिस करना महंगा पड़ सकता है
अगर आप हर साल सिर्फ एक एसआईपी छोड़ दें, तो 20 साल में करोड़ों का नुकसान हो सकता है।
उदाहरण: 20,000 मासिक एसआईपी 20 साल में 2 करोड़ बन सकती है, लेकिन हर साल एक किस्त छोड़ने से लगभग 40 लाख कम हो जाएंगे।

मार्केट टाइमिंग की जरूरत नहीं

बाजार कब ऊपर जाएगा या नीचे आएगा, ये कोई नहीं बता सकता। एसआईपी का फायदा यही है कि यह अलग-अलग स्तरों पर निवेश फैलाकर जोखिम कम करता है। जो निवेशक मंदी में भी एसआईपी जारी रखते हैं, उन्हें लंबे समय में बेहतर रिटर्न मिलता है।

एसआईपी बढ़ाना देता है दोगुना फायदा

अगर आप हर साल एसआईपी राशि 10% बढ़ाते हैं, तो नतीजे चौंकाने वाले होते हैं। उदाहरण: 5,000 रुपये मासिक एसआईपी 20 साल में 50 लाख बन सकती है, लेकिन हर साल 10% बढ़ाने पर वही एसआईपी लगभग 1 करोड़ एसआईपी तक पहुंच सकती है। एसआईपी कोई जादू नहीं, बल्कि अनुशासन और धैर्य का खेल है। जल्दी शुरू करें, लंबे समय तक टिके रहें, किस्तें मिस न करें और धीरे-धीरे राशि बढ़ाते रहें। तभी एसआईपी आपके लिए असली वेल्थ क्रिएटर साबित होगी।

सीरीज जीत की दहलीज पर भारत, किशन के प्रदर्शन से संजू पर बढ़ा दबाव

गुवाहाटी में आज शाम 7 बजे से भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीसरा टी20

एजेंसी ▶▶| गुवाहाटी

पहले दोनों मैच आसानी से जीतने के बाद भारत रविवार 25 जनवरी को होने वाले तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में जीत हासिल करके पांच मैच की श्रृंखला में अजेय बढ़त हासिल करने की कोशिश करेगा, जिसमें संजू सैमसन के प्रदर्शन पर सभी की निगाह टिकी रहेंगी क्योंकि ईशान किशन ने पिछले मैच में शानदार वापसी करके उन पर दबाव बढ़ा दिया है।

किशन की शानदार पारी से इस बात पर बहस फिर से शुरू हो जाएगी कि अभिषेक शर्मा का पसंदीदा सलामी जोड़ीदार कौन होना चाहिए, क्योंकि सैमसन अपने प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखने के लिए जूझ रहे हैं। टी20 विश्व कप के शुरू होने में अब केवल दो सप्ताह का समय बचा है और इससे पहले भारत को न्यूजीलैंड के खिलाफ बाकी बचे तीन मैच खेलने हैं। ऐसे में भारत की टीम संयोजन काफी हद तक तय लग रहा है।

सैमसन मौके का फायदा उठाने में नाकाम

भारत बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। केवल कुछ स्थान को लेकर ही टीम चिंतित होगी, जिनमें से एक स्थान फिलहाल सैमसन के पास है। किशन की 32 गेंदों पर खेली गई शानदार 76 रनों की पारी ने संजू पर दबाव बढ़ा दिया है। टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल की जगह अभिषेक के साथ सलामी बल्लेबाज के रूप में बहाल किए गए सैमसन मौकों का पूरा फायदा उठाने में नाकाम रहे हैं, जबकि उन्हें काफी मैच खेलने का मौका मिला है। गिल तकनीकी रूप से मजबूत होने के बावजूद टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में कोई खास प्रभाव नहीं डाल पाए थे और इसलिए संजू को अंतिम एकादश में शामिल करने के साहसिक फैसले के तहत उन्हें बाहर कर दिया गया।

सूर्यकुमार फॉर्म में लौटे

भारत के लिए यह अच्छी खबर है कि कप्तान सूर्यकुमार यादव अपनी चिर परिचित फॉर्म में लौट आए हैं। उन्होंने 37 गेंद पर 82 रन बनाकर पिछले 23 टी20 अंतरराष्ट्रीय पारियों के बाद अपना पहला अर्धशतक जड़ा।

भारत पांच मैच की श्रृंखला में 2-0 से आगे है लेकिन उसे किसी तरह के मुगालते में नहीं रहना चाहिए क्योंकि न्यूजीलैंड की टीम वापसी करने में माहिर है जैसा उसने इससे पहले खेली गई वनडे श्रृंखला में किया था। पिछले मैच में सलामी बल्लेबाज अभिषेक पहली गेंद पर आउट हो गए थे और वह यहां बड़ी पारी खेलने की कोशिश करेंगे।

रणनीतिक बदलावों पर विचार कर सकती है न्यूजीलैंड

मिचेल सैंटनर की अगुवाई वाली टीम कुछ रणनीतिक बदलावों पर विचार कर सकती है। वह शानदार फॉर्म में चल रहे डैरिल मिचेल को ऊपरी क्रम में बल्लेबाजी के लिए भेज सकता है। न्यूजीलैंड की आमतौर पर मजबूत मानी जाने वाली फील्डिंग इस बार बेहद निराशाजनक रही। सैंटनर और ईश सोढ़ी सहित उसके खिलाड़ियों ने कई कैच छोड़े। न्यूजीलैंड को इस विभाग में तुरंत सुधार करने की जरूरत है।

टीमें इस प्रकार

भारत: सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), इशान किशन, श्रेयस अय्यर, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, रिंकू सिंह, अर्शदीप सिंह, रवि बिश्नोई, हर्षित राणा।

न्यूजीलैंड : मिचेल सैंटनर (कप्तान), डेवोन कॉनवे, बेवन जैकब्स, डैरिल मिचेल, ग्लेन फिलिप्स, टिम रॉबिन्सन, जिमी नीशम, ईश सोढ़ी, जैक फॉक्स, मार्क चैपमैन, माइकल ब्रैसवेल, रचिन रविंद्र, काइल जैमीसन, मैट हेनरी, जैकब डफी।

खबर संक्षेप

दुबई डेजर्ट क्लासिक : शुभंकर और युवराज कट से चूके

दुबई। भारत के शुभंकर शर्मा और युवराज सिंह संधू ने दूसरे दौर में भी खराब प्रदर्शन किया, जिससे वह हीरो दुबई डेजर्ट क्लासिक गोल्फ टूर्नामेंट के कट में जगह नहीं बना पाए। प्रतिष्ठित रोलेक्स सीरीज प्रतियोगिता में पदार्पण कर रहे संधू ने 73 और 73 के राउंड खेले, जबकि शर्मा लय हासिल करने के लिए संघर्ष करते रहे और शुरुआती 74 के बाद उन्होंने दूसरे दौर में निराशाजनक 77 का स्कोर बनाया। इस बीच पूर्व मास्टर्स चैंपियन पैट्रिक रीड ने दूसरे दौर में 66 का स्कोर बनाकर एक शॉट की मामूली बढ़त हासिल कर ली।

सूर्या ने दुनिया के सर्वश्रेष्ठ टी20 बल्लेबाज : शिवम दुबे

रायपुर। भारतीय ऑलराउंडर शिवम दुबे ने कप्तान सूर्यकुमार यादव की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में इस स्टार बल्लेबाज ने धमाकेदार पारी खेलकर दिखा दिया कि वह खेल के सबसे छोटे प्रारुप में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज हैं। सूर्यकुमार ने 23 पारियों के बाद पहली बार 50 से अधिक का स्कोर बनाया, जिससे अगले महीने होने वाले टी20 विश्व कप से पहले उनके आलोचकों का मुंह बंद हो गया। दुबे ने कहा , 'कुछ समय पहले एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुझसे सूर्यकुमार यादव की फॉर्म के बारे में पूछा गया था। तब मैंने कहा था कि वह उस तरह का खिलाड़ी है कि जब वह अपनी फॉर्म दिखाएगा तो तब दुनिया को पता चलेगा कि वह किस तरह का खिलाड़ी है।

ओलंपिक के लिए भारत के दो खिलाड़ियों के चयन पर रोक लगी

नई दिल्ली। इटली के मिलान और कोर्टिना में होने वाले शीतकालीन ओलंपिक खेलों में अब दो सप्ताह से भी कम समय बचा है, लेकिन भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की तदर्थ समिति द्वारा दो भारतीय खिलाड़ियों के चयन पर फिलहाल रोक लग गई है। दिल्ली उच्च न्यायालय ने इस चयन प्रक्रिया पर रोक लगाते हुए अंतिम निर्णय को लंबित कर दिया है। दिल्ली उच्च न्यायालय में दायर याचिका में क्रॉस-कंट्री स्कीयर मंजीत ने 2026 शीतकालीन ओलंपिक के लिए क्रॉस-कंट्री स्कीइंग स्पर्धा में स्टांजिन लुंडुप का नाम भेजे जाने के आईओए के फैसले को चुनौती दी है। मंजीत ने दलील दी है कि अंतरराष्ट्रीय स्की और स्नोबोर्ड महासंघ (एफआईएस) की रैंकिंग में उनसे ऊपर होने के बावजूद उन्हें नजरअंदाज किया गया। उन्होंने याचिका में चयन प्रक्रिया में प्रक्रियागत खामियों और हितों के टकराव के आरोप भी लगाए हैं।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्प्ले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन : गर्मी के कारण रोके गए आउटडोर गेम

भीषण गर्मी से जूझे टेनिस सितारे, सिनर, कीज पेगुला और अनिसिमोवा जीते, ओसाका बाहर

एजेंसी ▶▶| मेलबर्न

यानिक सिनर ने भीषण गर्मी से जूझने के बावजूद ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के चौथे दौर में प्रवेश करके खिताबी हैट्रिक बनाने की अपनी कवायद जारी रखी। सिनर जब हाथ पैरों में ऐंठन को दूर करने के लिए जूझ रहे थे और तीसरे सेट में 1-3 से पिछड़ रहे थे तब भीषण गर्मी के नियमों ने उन्हें बचा लिया। शनिवार दोपहर को रॉड लेवर एरिना में खेल कुछ मिनटों के लिए रोक दिया गया और छत बंद कर दी गई। इसके बाद सिनर ने नई ऊर्जा के साथ कोर्ट पर कदम रखा। उन्होंने अगले छह गेम में से पांच जीतकर 85वीं रैंकिंग के खिलाड़ी इलियट स्पिजिरी को 4-6, 6-3, 6-4, 6-4 से पराजित किया।

सिनर अगले दौर में इटली के हमवतन खिलाड़ी लुसियानो डार्डेरी का सामना करेंगे। इटली के तीन खिलाड़ी अंतिम 16 में पहुंच गए हैं। इनमें तीसरे खिलाड़ी पांचवीं वरीयता प्राप्त लोरेंजो मुसेटी हैं, जिन्होंने जॉन केन एरिना में खेले गए मैच में टॉमस माचक को 5-7, 6-4, 6-2, 5-7, 6-2 से हराया। इस मैच को भी पांचवें सेट में छत बंद करने के लिए थोड़ी देर के लिए रोकना पड़ा था। विश्व में आठवें नंबर के खिलाड़ी बेन शेल्टन भी आगे बढ़ गए हैं। उन्होंने मार्गरेट कोर्ट एरिना पर मोनाको के वैलेंटीन वाचेरोट को 6-4, 6-4, 7-6 (5) से पराजित किया। वहीं ओसाका ने टूर्नामेंट से अपना नाम वापस ले लिया है।

अमांडा ने बनाई अंतिम 16 में जगह

अमेरिका की एक अन्य खिलाड़ी और चौथी वरीयता प्राप्त अमांडा अनिसिमोवा ने हमवतन पेटन स्टर्न्स को 6-1, 6-4 से हराकर अंतिम 16 में जगह बनाई। सातवें दिन खेल निर्धारित समय से एक घंटा पहले शुरू हुआ, क्योंकि पूर्वानुमान में 40 डिग्री सेल्सियस (104 फ़ारेनहाइट) तक के तापमान की आशंका थी। शुरुआती मैचों के दौरान तापमान उस स्तर तक नहीं पहुंचा। इस दौरान तापमान 32 डिग्री सेल्सियस (89 फ़ारेनहाइट) रहा।

कीज और जेसिका की चौथे दौर में एंट्री

महिला वर्ग में मौजूदा चैंपियन मैडिसन कीज और उनकी हमवतन अमेरिकी खिलाड़ी जेसिका पेगुला ने भी सीधे सेटों में जीत दर्ज करके चौथे दौर में प्रवेश किया, जहां उनका आमना सामना होगा। नौवीं वरीयता प्राप्त कीज ने रोड लेवर एरिना में खेले गए पहले मैच में कैरोलिना प्लिस्कोवा को 6-3, 6-3 से हराया, जबकि छठी वरीयता प्राप्त पेगुला ने मार्गरेट कोर्ट एरिना में खेले गए पहले मैच में ओक्साना सेलेखमेतेवा को 6-3, 6-2 से पराजित किया।

चोट के कारण हटीं ओसाका

जापानी खिलाड़ी नाओमी ओसाका ने ऑस्ट्रेलियाई ओपन के तीसरे दौर से मैच से पहले हटने का फैसला किया। चार बार की ग्रैंडस्लैम चैंपियन ओसाका को तीसरे दौर में ऑस्ट्रेलियाई क्वालिफायर मैडिसन इंग्लिस के खिलाफ खेलना था। उन्होंने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया कि अपने पिछले मैच के बाद उन्हें 'अपने शरीर की एक ऐसी समस्या पर ध्यान देना है, जिसे इलाज की जरूरत है।' ओसाका ने पोस्ट किया, 'मैं आगे बढ़ने के लिए बहुत उत्साहित थी और यह सफर मेरे लिए सबसे ज्यादा मायने रखता था इसलिए यहां रुकना मेरे दिल तोड़ने वाला है। लेकिन मैं और नुकसान का जोखिम नहीं उठा सकती ताकि मैं कोर्ट पर वापस आ सकूं।' टूर्नामेंट द्वारा बाद में जारी किए गए बयान में ओसाका ने कहा कि उन्हें पेट के बाईं ओर दिक्कत थी।

भांबरी तीसरे दौर में, बालाजी बाहर

भारत के युकी भांबरी ने ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष युगल के तीसरे दौर में जगह बनाई लेकिन एक अन्य भारतीय खिलाड़ी एन श्रीराम बालाजी दूसरे दौर से बाहर हो गए। भांबरी और उनके स्वीडिश साथी आंद्रे गोरानसन की 10वीं वरीयता प्राप्त जोड़ी ने दूसरे दौर के मुकाबले में सैंटियागो गोंजालेज और डेविड पेल की गैर-वरीयता प्राप्त जोड़ी को 4-6, 7-6(5), 6-3 से हराया। इससे पहले बालाजी और ऑस्ट्रिया के उनके जोड़ीदार नील ओबरलीट्नर को अल सल्वाडोर के मार्सेलो अरेवालो और क्रोएशिया के माटे पाविच की चौथे वरीयता प्राप्त जोड़ी से 5-7, 1-6 से हार का सामना करना पड़ा, जिन्होंने मेलबर्न पार्क के शो कोर्ट पर अपनी निरंतरता और बड़े मैचों के खेलने का अच्छा नमूना पेश किया।

अंडर-19 विश्व कप

भारत ने न्यूजीलैंड को सात विकेट से हराया

एजेंसी ▶▶| बुलावायो

- भारत की लगातार तीसरी जीत
- आयुष म्हात्रे की फिफ्टी, अंबरीश को चार विकेट

कप्तान आयुष म्हात्रे की 27 गेंदों में खेली गई 53 रन की विस्फोटक पारी की बदौलत भारत ने शनिवार को यहां अंडर-19 विश्व कप में न्यूजीलैंड को डकवर्थ लुईस पद्धति से सात विकेट से करारी शिकस्त दी। भारतीय टीम ने हरफनमौला प्रदर्शन करते हुए बारिश से प्रभावित 37-37 ओवर के इस मुकाबले को बेहद आसानी से अपने नाम कर टूर्नामेंट में दबदबा कायम रखा। न्यूजीलैंड ने 22 रन तक पांच विकेट गंवा दिये थे जिसके बाद बारिश के कारण खेल रोकना पड़ा। मैच दोबारा शुरू होने पर इसे 37-37 ओवर का कर दिया गया। न्यूजीलैंड की टीम शुरुआत से ही दबाव में रही और 69 रन पर सात विकेट गंवा बैठी। भारतीय गेंदबाजों के निरंतर प्रहार के चलते टीम 36.2 ओवर में 135 रन पर ढेर हो गई। भारत ने संशोधित लक्ष्य 130 रन का पीछा करते हुए महज 13.3 ओवर में तीन विकेट के नुकसान पर 130 रन बनाकर लगातार तीसरी जीत दर्ज की और ग्रुप-बी में शीर्ष स्थान हासिल किया। इससे पहले तेज गेंदबाजों के लिए माकूल परिस्थितियों में टॉस जीतकर भारत ने गेंदबाजी का फैसला किया। आर.एस. अम्ब्रिश (29 रन पर चार विकेट) और हेनिल पटेल (23 रन पर तीन विकेट) ने न्यूजीलैंड को शुरुआती झटके दिये जिससे टीम उबरने में नाकाम रही। न्यूजीलैंड की ओर से शीर्ष पांच बल्लेबाजों में केवल स्नेहित रेड्डी (10) ही दो अंकों तक पहुंच सके। निचले क्रम के बल्लेबाजों ने कुछ देर तक संघर्ष जरूर किया, लेकिन न्यूजीलैंड की टीम बड़ा स्कोर खड़ा करने में नाकाम रही। जैकब कॉटर (23), कैलम सैमसन (37) और सेल्विन संजय (28) ने अंत में कुछ उपयोगी रन जोड़े, लेकिन वे भारतीय गेंदबाजों के सामने अपनी पकड़ नहीं बना सके।

भारतीय टीम का ऐलान

ऑस्ट्रेलिया से टेस्ट के लिए प्रतिका वैष्णवी और क्रांति टीम में शामिल

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

पिछले साल महिला वनडे विश्व कप में शानदार प्रदर्शन करने वाली सलामी बल्लेबाज प्रतिका रावल के अलावा बाएं हाथ की स्पिनर वैष्णवी शर्मा और तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ को 6 से 9 मार्च तक ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ में होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच के लिए पहली बार भारतीय टीम में शामिल किया गया है। भारत की 15 सदस्यीय टीम की कप्तानी हरमनप्रीत कौर करेंगी। यह टेस्ट मैच 15 फरवरी से शुरू होने वाले सीमित ओवरों के मैचों (तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय और तीन वनडे) के बाद खेला जाएगा। युवा विकेटकीपर कमलिनी चोट के कारण भारत के ऑस्ट्रेलिया दौरे से बाहर हो गई हैं और चयनकर्ताओं ने उनकी जगह उमा छेत्री को टी20 और वनडे टीमों में शामिल किया है।

टेस्ट टीम

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप कप्तान), शैफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, अमनजोत कौर, ऋचा घोष (विकेटकीपर), उमा छेत्री (विकेटकीपर), प्रतिका रावल, हरलीन देयोल, दीप्ति शर्मा, रेणुका ठाकुर, स्नेह राणा, क्रांति गौड़, वैष्णवी शर्मा, सयाली सतघरे।

राइजिंग स्टार के लिए टीम हुमैरा काजी, वृंदा दिनेश, अनुष्का शर्मा, दीया यादव (फिटनेस पर निर्भर), तेजल हसब्निस, नंदनी कश्यप (विकेटकीपर), ममता एम (विकेटकीपर, फिटनेस पर निर्भर), राधा यादव (कप्तान), सोनिया मेंढिया, मिन्नू मणि, तनुजा कंवर, प्रेमा रावत, साइमा ठाकोर, जिन्तामणि कलिता, नंदनी शर्मा।

स्प्राट चैंपियंस स्क्वाश के दूसरे दौर में अनाहत

नई दिल्ली। भारत की शीर्ष महिला स्क्वाश खिलाड़ी अनाहत सिंह ने अंतिम क्षणों में कुछ विषम परिस्थितियों का सामना करने के बावजूद लूसी टरमेल को हराकर न्यूयॉर्क में चल रहे स्प्राट टूर्नामेंट ऑफ चैंपियंस के दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया है। विश्व में 31वें नंबर की खिलाड़ी अनाहत ने पीएसए प्लैटिनम प्रतियोगिता में इंग्लैंड की टरमेल को 11-3, 11-6, 9-11, 13-11 से हराया। अब उनका मुकाबला जापान की छठी वरीयता प्राप्त सतोमी वातानाबे से होगा। इस बीच पुरुषों की विश्व रैंकिंग में 29वें स्थान पर काबिज भारत के अभय सिंह स्पेन के इकर पजारेस के सामने कड़ी चुनौती पेश करने के बावजूद 4-11, 11-4, 7-11, 11-3, 3-11 से हार गए।

डब्ल्यूपीएल: कैपिटल्स सात विकेट से जीती, आरसीबी को मिली पहली हार

भाषा ▶▶| वडोदरा

दिल्ली कैपिटल्स ने अनुशासित गेंदबाजी के बाद लौरा वोलवार्ट 42 रन की नाबाद पारी से शनिवार को यहां महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) मैच में तालिका में शीर्ष पर चल रही रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को 26 गेंद रहते सात विकेट से हराकर अपनी तीसरी जीत दर्ज की। आरसीबी को टूर्नामेंट में पहली हार का मुंह देखना पड़ा जिसके छह मैच में पांच जीत से 10 अंक हैं। इस हार के बावजूद वह शीर्ष पर कायम हैं। दिल्ली कैपिटल्स छह मैच में तीसरी जीत से छह अंक से दूसरे स्थान पर पहुंच गई है। दिल्ली कैपिटल्स की गेंदबाजों ने आरसीबी को 20 ओवर में महज 109 रन पर समेट दिया। आरसीबी की केवल तीन खिलाड़ी ही दोहरे अंक के स्कोर तक पहुंच सकी जिसमें कप्तान स्मृति मंधाना 38 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहीं। दिल्ली कैपिटल्स के लिए नंदिनी शर्मा ने तीन विकेट जबकि मरिजान काप, चिनेल हेनरी और मीनू मणि ने दो दो विकेट झटके।

श्री चरणी ने एक विकेट हासिल किया। लक्ष्य बड़ा नहीं था और दिल्ली कैपिटल्स ने 15.4 ओवर में तीन विकेट पर 111 रन बनाकर इसे हासिल कर लिया। उसके लिए लौरा वोलवार्ट 38 गेंद में 42 रन बनाकर नाबाद रहीं। आरसीबी के लिए सयाली सतघरे ने पावरप्ले में सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा (आठ गेंद में 16 रन) और लिजेल ली (06) के विकेट लेकर शुरूआती झटके दिए।

▶▶| बेंगलुरु छह मैच में पांच जीत से 10 अंक के साथ शीर्ष पर

▶▶| कैपिटल्स छह मैच में तीसरी जीत से छह अंक से दूसरे स्थान पर

एसए20 में सनराइजर्स ईस्टर्न केप का चमत्कार

लगातार चौथी बार फाइनल में काव्या मारन की सनराइजर्स

एजेंसी ▶▶| जोहानिसबर्ग

सेनुरान मुथुसामी की फिरकी के जादू के बाद जेम्स कोल्स की तूफानी पारी से सनराइजर्स ईस्टर्न केप ने क्वालीफायर दो में पार्ल रॉयल्स पर सात विकेट की एकतरफा जीत के साथ लगातार चौथी बार एसए20 क्रिकेट लीग के फाइनल में जगह बनाई।

रॉयल्स की टीम मुथुसामी (15 रन पर तीन विकेट) और एनरिच नोर्किया (31 रन पर दो विकेट) की धारदार गेंदबाजी के सामने काइल वेरेने (नाबाद 52, 46 गेंद, पांच चौके, एक छक्का) के नाबाद अर्धशतक के बावजूद सात विकेट पर 114 रन ही बना सकी। इसके जवाब में दो बार के चैंपियन और गत उप विजेता सनराइजर्स ने कोल्स की 19 गेंद में तीन छक्कों और चार चौकों से नाबाद 45 रन की पारी की बदौलत 11.4 ओवर में तीन विकेट पर 117 रन बनाकर आसान जीत दर्ज की। वांडरर्स स्टेडियम की धीमी और स्पिन की अनुकूल पिच पर मुथुसामी और कोल्स (15 रन पर एक विकेट) की बाएं हाथ की स्पिन जोड़ी ने मिलकर आठ ओवर में 30 रन पर चार विकेट लेकर रॉयल्स की टीम को हमेशा दबाव में रखा।

सनराइजर्स को डिकॉक ने दिलाई तेज शुरुआत

रविवार को केपटाउन में होने वाले फाइनल में अब सनराइजर्स की भिड़ंत प्रिटोरिया कैपिटल्स से होगी और टीम क्वालीफायर एक में इस टीम के खिलाफ मिली सात विकेट की हार का बदला चुकता करके तीसरी बार खिताब जीतने की कोशिश करेगी। लक्ष्य का पीछा करने उतरे सनराइजर्स को क्विंटन डिकॉक ने तेज शुरुआत दिलाई। डिकॉक (25 रन, 12 गेंद, तीन चौके, दो छक्के) ने बाएं हाथ के स्पिनर ब्योर्न फोर्टुइन पर दो चौकों के साथ शुरुआत की और फिर हार्डस विलजोएन की लगातार गेंदों पर दो छक्के और एक चौका मारा। डिकॉक हालांकि फोर्टुइन के अगले ओवर में सीधी गेंद को चूककर बोल्ड हो गए।

रॉयल्स के पावर प्ले में गिरे 3 विकेट

रॉयल्स की टीम पावर प्ले में तीन विकेट पर 31 रन ही बना सकी। मुथुसामी ने सातवें ओवर में एसा ट्राइब (01) को विकेटकीपर डिकॉक के हाथों कैच कराके रॉयल्स को चौथा झटका दिया। पावर प्ले के बाद अगले छह ओवर में रॉयल्स की टीम सिर्फ 17 रन ही बना सकी, जो सनराइजर्स के गेंदबाजों के दबदबे को दर्शाता है। वेरेने ने कोल्स पर पारी के पहले छक्के के साथ 13वें ओवर में टीम के रनों का अर्धशतक पूरा किया जबकि अगले ओवर में सिकंदर रजा ने क्रिस ग्रीन पर छक्का जड़ा। रजा (19) 15वें ओवर में मुथुसामी पर एक बार फिर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में पूरी तरह चूक गए और डिकॉक ने उन्हें स्टंप करने में कोई गलती नहीं की।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 सीआरपीसी देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **त्रिभान पुत्र धनी राम पता एस–3/205, मंगल बाजार रोड, स्वर्ण पार्क, नांगलोई, दिल्ली ने एफआईआर नं 754/2019 धारा 33 डी एक्स एक्ट के तहत** थानाः नांगलोई, दिल्ली के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **त्रिभान** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **त्रिभान** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। अतः इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **एफआईआर 754/2019 धारा 33 डी एक्स एक्ट के तहत थानाः नांगलोई, दिल्ली के उक्त त्रिभान** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **28.02.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
ऐश्वर्या सिंह कश्यप
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी–10
वेस्ट जिला, कमरा नं. 345,
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/879/OD/2026

खबर संक्षेप

इंडोनेशिया में भूस्खलन से 8 की मौत, 82 लापता

जकार्ता। इंडोनेशिया के मुख्य द्वीप जावा में शनिवार की तड़के मूसलाधार बारिश के कारण हुए भूस्खलन में कम से कम 8 लोगों की मौत हो गई और 82 अन्य लापता हो गए। बचावकर्मी राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन एजेंसी के प्रवक्ता अब्दुल मुहारी ने बताया कि मलबे और कीचड़ में दबे होने की आशंका में 82 ग्रामीणों की तलाश के लिए बचाव दल अभियान चला रहे हैं, जबकि 24 लोग सुरक्षित बाहर निकलने में सफल रहे। तड़के लगभग तीन बजे हुए भूस्खलन में सबसे अधिक प्रभावित पासिर कुनिंग बस्ती में कई लोग बह गए।

मेटा ने किशोरों के लिए 'एआई कैरेक्टर' बैन किया

सैन फ्रांसिस्को। अमेरिका की सोशल मीडिया कंपनी मेटा ने कहा है कि वह किशोरों के लिए 'एआई कैरेक्टर' तक पहुंच को अस्थायी रूप से रोक रही है। कंपनी ने शुक्रवार को एक ब्लॉग पोस्ट में इसकी जानकारी दी। इंस्टाग्राम और व्हाट्सऐप की मालिकाना हक वाली कंपनी 'मेटा प्लेटफॉर्म्स इंक' ने बताया कि आने वाले कुछ हफ्तों में किशोरों को 'एआई कैरेक्टर' (एआई आधारित डिजिटल किरदार) तक पहुंच नहीं दी जाएगी और यह रोक तब तक लागू रहेगी, जब तक इसका नया और बेहतर संस्करण तैयार नहीं हो जाता।

मानवाधिकार परिषद में ईरान के साथ खड़े हुए भारत, पाकिस्तान और चीन

ईरान के खिलाफ लाए गए निंदा प्रस्ताव के विरोध में की वोटिंग, बताया पश्चिमी एजेंडा

एजेंसी ▶▶ जिनेवा

भारत ने सीधे विरोध में वोट डालकर यह भी संदेश देने की कोशिश की है कि वह दोहरा मापदंडों के खिलाफ खड़ा है और मानवाधिकार उल्लंघन के नाम पर किसी देश के अंदरूनी मामलों में दखलंदाजी को स्वीकार नहीं करेगा। 25 वोट होने के कारण यह प्रस्ताव परिषद में पारित हो गया

संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) के 39वें विशेष सत्र में शुक्रवार को भारत ने पश्चिमी देशों, खासकर अमेरिका को चौंका दिया। दरअसल, इस सत्र में ईरान में मानवाधिकारों की स्थिति को लेकर पश्चिमी देशों की ओर से एक निंदा प्रस्ताव पेश किया गया। लेकिन भारत ने खुले तौर पर इसमें ईरान का साथ दिया और इस प्रस्ताव के विरोध में वोट किया। पश्चिमी देशों की ओर से प्रस्ताव संख्या ए/ एचआरसी/ एस/एल1 पेश किया गया, जिस पर मतदान किया गया।

25 देशों ने पक्ष में दिए वोट, प्रस्ताव पारित

इस प्रस्ताव का मकसद 'इस्लामी गणराज्य ईरान में मानवाधिकारों की बिगड़ती स्थिति' की निंदा करना था। खासतौर पर ईरान में पिछले महीने भड़के विरोध प्रदर्शनों और हजारों लोगों की मौतों के मद्देनजर यह प्रस्ताव लाया गया था। पश्चिमी देश चाहते थे कि संयुक्त राष्ट्र ईरान पर सख्त रुख अपनाए। लेकिन वैश्विक दक्षिण के कई अहम देशों ने इसे खारिज किया और पश्चिमी एजेंडा करार दिया।

भारत की विदेश नीति में बदलाव का संकेत

यूनाइटेड नेशन्स

14 देश तटस्थ रहे

वहीं, वैश्विक दक्षिण के कई देशों ने मतदान से दूरी बनाई। कुल 14 सदस्यों देशों ने मतदान से परहेज किया। यानी इन देशों ने वोटिंग के दौरान तटस्थ रहने का विकल्प चुना। इनमें ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका, कतर, कुवैत, मलयेशिया और बांग्लादेश शामिल हैं।

47 सदस्यीय परिषद में पेश किया गया

प्रस्ताव में तेहरान से मानवाधिकार उल्लंघन को रोकने की मांग की गई थी। इसे 47 सदस्यीय परिषद में पेश किया गया। परिषद के 25 सदस्यों ने इसके पक्ष में मतदान किया। इनमें प्रमुख रूप फ्रांस, जर्मनी, इटली, स्पेन, यूरोपीय संघ, ब्रिटेन, जापान, दक्षिण कोरिया, अर्जेंटीना, कोस्टा रिका, चिली जैसे देश शामिल थे। जबकि 14 सदस्य देश इसमें तटस्थ रहे। 7 देशों ने इस प्रस्ताव के

...अब भारत पश्चिम के दबाव में नहीं

पारंपरिक रूप से विवादित अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर तटस्थ रहने की नीति अपनाता रहा है। लेकिन इस बार उसने सीधे विपक्ष में वोट दिया है। इसके भारत की विदेश नीति में बदलाव का संकेत माना जा रहा है। अमेरिका की ओर से भारी टैरिफ लगाए जाने के बाद से दोनों देशों के संबंधों में तनाव है। यूएनएचआरसी में अपने वोट से भारत ने स्पष्ट किया है कि वह पश्चिम के किसी भी दबाव में नहीं आएगा। ईरान के साथ भी भारत के मजबूत संबंध रहे हैं।

तटस्थ रहने के बजाए इस बार भारत की सीधे 'ना'

आम तौर पर भारत इस तरह के विवादित प्रस्तावों पर सीधे 'हां' या 'ना' वोट देने की बजाए 'तटस्थ' रहने की कूटनीति अपनाता रहा है। लेकिन इस बार उसने तटस्थ रहने के बजाए सीधे 'ना' वोट किया। जिन देशों ने इस प्रस्ताव के खिलाफ वोट किया उनमें भारत, चीन, पाकिस्तान, इराक, वियतनाम, इंडोनेशिया और क्यूबा शामिल थे। यह दुर्लभ मौका था, जब किसी अंतरराष्ट्रीय पर भारत और उसके पड़ोसी देश चीन व पाकिस्तान ने एक ही पक्ष की तरफ वोट किया।

दोहरे मापदंडों के खिलाफ भारत

अमेरिकी की ओर से सख्त प्रतिबंध लगाए जाने से ईरान भारत की उर्जा जरूरतों को पूरा करने में अहम भूमिका निभाता रहा। इसके अलावा, रणनीति रूप से महत्वपूर्ण चाबहार बंदरगाह जैसी परियोजनाओं के लिए ईरान भारत के अहम है। भारत ने सीधे विरोध में वोट डालकर यह भी संदेश देने की कोशिश की है कि वह दोहरा मापदंडों के खिलाफ खड़ा है और मानवाधिकार उल्लंघन के नाम पर किसी देश के अंदरूनी मामलों में दखलंदाजी को स्वीकार नहीं करेगा। हालांकि, 25 वोट होने के कारण यह प्रस्ताव परिषद में पारित हो गया।

जापान ने वीजा नियम बदले

वैध जापान वीजा वाले भारतीय कर सकेंगे 7 अन्य देशों की यात्रा

भारत और जापान के विदेश मंत्रियों की बैठक फाइल फोटो

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

हाल ही में जापान के विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोतेगी तीन दिवसीय दौरे पर भारत पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर से मुलाकात की। इस बैठक के बाद आई जानकारी के अनुसार, जापान ने भारतीय नागरिकों के लिए अपने वीजा नियमों में महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं। इसके तहत जापान का वैध वीजा रखने वाले भारतीय यात्रियों को कई अन्य देशों की यात्रा में भी सुविधा मिलेगी, जिससे समय और खर्च दोनों की बचत होगी।

नए नियमों के अनुसार, वैध जापान वीजा वाले भारतीय पासपोर्ट होल्डर अब सात अन्य देशों की यात्रा कर सकेंगे। ये देश यूरोप, एशिया, मिडिल ईस्ट और नॉर्थ अमेरिका में स्थित हैं और यात्रा संबंधित देशों की शर्तों पर निर्भर करेगी। इन देशों में जॉर्जिया, फिलीपींस, सिंगापुर, संयुक्त अरब अमीरात, ताइवान, मोंटेनेग्रो और मेक्सिको शामिल हैं।

रणनीतिक साझेदारी के 75 साल पूरे

भारत और जापान वर्ष 2027 में अपनी रणनीतिक साझेदारी के 75 वर्ष पूरे करेंगे। वहीं, इसी साल जापान की 'फ्री एंड ओपन इंडो-पैसिफिक' (एफओआईपी) रणनीति की 10वीं वर्षगांठ भी है। ऐसे में दोनों देशों के बीच बढ़ता सहयोग खास महत्व रखता है। हाल ही में हुई बैठक में दोनों देशों ने 2026 की पहली तिमाही में प्राइवेट-सेक्टर डायलॉग ऑन इकोनॉमिक सिक्योरिटी शुरू करने पर सहमति जताई है। इस संवाद में सेमीकंडक्टर, जरूरी मिनरल, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी), क्लीन एनर्जी और फार्मास्यूटिकल्स-इन पांच प्राथमिक क्षेत्रों पर फोकस किया जाएगा।

रेयर अर्थ तत्वों की आपूर्ति करेंगे

दोनों देशों ने वैश्विक निर्भरता को कम करने के उद्देश्य से और अपनी अर्थव्यवस्थाओं के लिए जरूरी बैटरी और चिप्स निर्माण में उपयोग होने वाले रेयर अर्थ तत्वों की स्थिर आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए आपसी सहयोग को बढ़ावा देंगे। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में सहयोग को बढ़ाने के लिए जापान-इंडिया एआई कोऑपरेशन इनिशिएटिव (जेएआई) के तहत जापान-भारत एआई स्ट्रेटेजिक डायलॉग को और मजबूत किया गया है।

अमेरिका के 18 राज्यों में बर्फीले तूफान का खतरा

आपातकाल घोषित, 20 करोड़ लोगों पर आफत, 9000 से ज्यादा फ्लाइट्स रद्द कीं

अमेरिका के कई राज्यों में बर्फबारी से सड़कें ढंक गई, दृश्यता भी प्रभावित रही

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिका में बर्फीले तूफान की चेतावनी के बाद 18 राज्यों में इमरजेंसी ने घोषित कर दी गई है। वहीं शनिवार को अमेरिका में 3,259 से अधिक उड़ानें और रविवार को करीब 5,826 से उड़ानें रद्द हुईं। नेशनल वेदर सर्विस के मुताबिक, 20 करोड़ यानी करीब दो-तिहाई अमेरिकी इस तूफान की चपेट में आ सकते हैं। तूफान के डर से लोग ग्रॉसरी स्टोर पर जमा हो रहे हैं। कई दुकानों में पानी, अंडे, मक्खन और मीट की कमी हो गई है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि तूफान के साथ भारी बर्फबारी, बारिश और ठंड आएगी, जिससे हालात बेहद खतरनाक हो सकते हैं।

एयर इंडिया ने न्यूयॉर्क जाने वाली फ्लाइट कैंसिल की

भीषण तूफान के कारण एयर इंडिया ने 25 और 26 जनवरी को न्यूयॉर्क और नेवार्क से आने-जाने वाली अपनी सभी उड़ानें रद्द कर दी हैं। एयरलाइन ने कहा कि रविवार की सुबह से सोमवार तक न्यूयॉर्क, न्यू जर्सी और आसपास के क्षेत्रों में भारी बर्फबारी होने की संभावना है, जिससे उड़ान संचालन में दिक्कत हो सकती है। एयर इंडिया ने यात्रियों को अपनी उड़ानों की स्थिति की जांच करने और जरूरत पड़ने पर टिकट कैंसिल करने यह शिफ्ट करने जैसे दूसरे तरीकों पर विचार करने की सलाह दी है। वहीं, अमेरिका के 18 राज्यों में आपातकाल घोषित किया गया है इनमें अलबामा, अर्कांसस, डेलावेयर, जॉर्जिया, कंसास, केंटकी, लुइसियाना, मैरीलैंड, मिसिसिपी, मिसौरी, न्यूयॉर्क, नॉर्थ कैरोलिना, पेंसिल्वेनिया, साउथ कैरोलिना, टेनेसी, टेक्सास, वर्जीनिया शामिल हैं।

मामूली पारिवारिक विवाद 'मातम' में बदला

भारतीय मूल के व्यक्ति ने पत्नी को गोली मारी, 3 रिश्तेदारों की भी हत्या

एजेंसी ▶▶ जॉर्जिया

अमेरिका के जॉर्जिया राज्य में पारिवारिक विवाद के कारण भारतीय मूल के 51 वर्षीय व्यक्ति को पत्नी और तीन रिश्तेदारों की गोली मारकर हत्या करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी।

ग्विनेट काउंटी पुलिस ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर बताया कि आरोपी विजय कुमार को लॉरेंसविले शहर में उस आवास से थोड़ी ही दूरी पर हिरासत में लिया गया। पुलिस ने मरने वालों की पहचान कुमार की पत्नी मीमू डोगरा (43) जो भारतीय नागरिक है और रिश्तेदारों गौरव कुमार (33), निधि चंदर (37) और हरीश चंदर (38) के रूप में की है।

अटलांटा स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने गोलीबारी की घटना पर दुख व्यक्त करते हुए कहा कि कथित हमलावर को गिरफ्तार कर लिया गया है और पीड़ित परिवार को हर संभव सहायता प्रदान की जा रही है।

विजय कुमार पत्नी मीमू डोगरा के साथ

पुलिस ने बताया कि अटलांटा स्थित अपने घर में कुमार और डोगरा के बीच कहासुनी शुरू हो गई और वे अपने 12 वर्षीय बच्चे के साथ ब्रुक आइवी कोर्ट स्थित अपने रिश्तेदारों के घर चले गए। पुलिस ने बताया कि गौरव कुमार, निधि चंदर और हरीश चंदर सात और दस साल के दो बच्चों के साथ ब्रुक आइवी कोर्ट स्थित घर में रहते थे। पुलिस ने बताया कि घटना के बाद कुमार के बच्चे ने ही 911 पर कॉल किया था। पुलिस ने कहा कि फिलहाल यह पता नहीं चल पाया है कि विवाद किस बात पर हुआ। वे यहां इस आवास पर क्यों आए।

गुवाहाटी में पतंग महोत्सव

गुवाहाटी। असम की राजधानी गुवाहाटी में ब्रह्मपुत्र नदी के किनारे 15वें जीवन पतंग महोत्सव के दौरान लोग पतंग उड़ाते हुए। यह पतंग उत्सव मुख्य रूप से ब्रह्मपुत्र नदी के तट पर, मछखोवा बालू घाट में आयोजित किया जाता है। जीवन इनिशिएटिव द्वारा आयोजित लोकप्रिय 'जीवन पतंग नदी महोत्सव' के दिन रंग-बिरंगी पतंगों, सांस्कृतिक शो और स्थानीय व्यंजनों के साथ मनाया जाता है। यह उत्सव बसंत पंचमी से प्रारंभ होकर कई दिनों तक चलता है।

अफगानिस्तान में तीन दिनों में भारी बर्फबारी और बारिश से 61 की मौत

काबुल। अफगानिस्तान में पिछले तीन दिनों से जारी भारी बर्फबारी और बारिश के कारण देश भर में 60 से अधिक लोगों की मौत हो गई और अन्य 100 से अधिक घायल हो गए। देश के आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने शनिवार को यह जानकारी दी। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के प्रवक्ता यूसफ हम्माद ने बताया कि अफगानिस्तान के 34 प्रांतों में से 15 प्रांतों में 61 लोगों की मौत हुई है और 110 लोग घायल हुए हैं, सैकड़ों जानवर मारे गए हैं। ये मौतें मुख्य रूप से देश के मध्य और उत्तरी प्रांतों में हुई हैं। बर्फबारी और बारिश से भूस्खलन जैसी घटनाओं से 458 घर आंशिक या पूरी तरह से नष्ट हो गए हैं। प्राधिकरण के प्रवक्ता ने कहा कि कुल 360 परिवार प्रभावित हुए हैं। अफगानिस्तान की मुख्य सड़कों में से एक सालंग राजमार्ग को बंद कर दिया गया है।

रूबिक्स डेटा साइंसेज की रिपोर्ट में खुलासा, भारत-ईयू एफटीए से निर्यात क्षेत्र को मजबूती

11 अरब डॉलर तक लाभ होने की संभावना

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

यूरोपीय यूनियन (ईयू) के साथ प्रस्तावित फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) से भारतीय निर्यातकों के लिए 10-11 अरब डॉलर के अतिरिक्त निर्यात के अवसर खुलेंगे। यह जानकारी शुक्रवार को जारी की गई रिपोर्ट में दी गई। रूबिक्स डेटा साइंसेज की ओर से जारी रिपोर्ट में कहा गया कि भारत इस अतिरिक्त निर्यात को बिना क्षमता बढ़ाए केवल अमेरिकी टैरिफ से प्रभावित हुए निर्यात रिडायरेक्ट करके पूरी कर सकता है।

भारत से अमेरिका को होने वाले निर्यात में टॉप 15 उत्पाद श्रेणी का हिस्सा लगभग 52 प्रतिशत है, जिसकी वैल्यू करीब 45 अरब डॉलर है। इनमें से 12 श्रेणी में करीब 21 अरब डॉलर का निर्यात होता है, जिनकी अभी ईयू के आयात बास्केट में सीमित मौजूदगी है।

अमेरिकी को 50% निर्यात किए बगैर भारत पा लेगा लक्ष्य

भारत और यूरोपीयन यूनियन का झंडा

ईयू भारत में बड़ा निवेशक

रिपोर्ट में आगे बताया गया कि 21.1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था वाला देशों का समूह ईयू की वृद्धि दर 1.4 प्रतिशत पर है। बड़ी अर्थव्यवस्थाओं जर्मनी, फ्रांस और इटली में मंदी देखी जा रही है। व्यापार के अतिरिक्त ईयू भारत में बड़ा विदेशी निवेशक है। अप्रैल 2000 से लेकर दिसंबर 2024 तक ईयू ने भारत में कुल 119.2 अरब डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश किया है, जो कि देश के कुल एफडीआई प्रवाह का 16.5 प्रतिशत है।

भारत को मिलेगा ईयू का बड़ा बाजार

रिपोर्ट में बताया गया कि अगर इन निर्यात का 50 प्रतिशत भी टैरिफ में कमी और बेहतर मार्केट एक्सेस के जरिए धीरे-धीरे ईयू की तरफ मोड़ दिया जाता है, तो यह बदलाव भारत-ईयू व्यापार समीकरण को काफी हद तक बदल सकता है। भारत को ईयू देशों का एक बड़ा बाजार मिल जाएगा। हालांकि, भारत-ईयू द्विपक्षीय व्यापार बीते तीन वर्ष (वित्त वर्ष 23 से वित्त वर्ष 25) के बीच 136.5 अरब डॉलर पर सपाट बना हुआ है। वित्त वर्ष 25 में ईयू, यूएस को पछाड़कर भारत का सबसे बड़ा द्विपक्षीय साझेदार था।

भारत से 70% निर्यात ईयू के 5 देशों को

भारत की ईयू के आयात में हिस्सेदारी सिर्फ 2.9 प्रतिशत और उसके निर्यात में हिस्सेदारी 1.9 प्रतिशत है, जो रणनीतिक इरादे और असल में हुए ट्रेड नतीजों के बीच के अंतर को दिखाता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत का ईयू को ट्रेड फ्लो भी बहुत ज्यादा केंद्रित है, जिसमें भारत का ईयू को होने वाला 70 प्रतिशत से ज्यादा एक्सपोर्ट सिर्फ पांच सदस्य देशों को होता है।

केंद्र के कार्मिक मंत्रालय की रिपोर्ट में दावा

विदेशों में छिपे 71 भगोड़ों ट्रेस हुए 47 अनुरोधों पर कार्रवाई की मंजूरी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पिछले एक साल में सीबीआई को भगोड़ों के खिलाफ बड़ी सफलता हाथ लगी है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, भारत को वांछित 70 से ज्यादा अपराधियों और भगोड़ों को विदेशों में ढूंढ लिया गया है। वहीं, इसी दौरान भारत में छिपे दूसरे देशों के 203 भगोड़ों का भी पता लगाया गया है। केंद्र सरकार के कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय की वार्षिक रिपोर्ट में बताया गया है कि 2024-25 के दौरान कुल 71 भगोड़ों की लोकेशन विदेशों में ट्रेस की गई। विदेशों में छिपे भारतीय भगोड़ों को ना केवल ट्रेस किया गया, बल्कि पिछले

केंद्रीय जांच एजेंसी (सीबीआई)

वित्तीय वर्ष में 27 भगोड़ों को विदेश से भारत वापस भी लाया गया है। भारत में इंटरपोल की नोडल एजेंसी के तौर पर काम करने वाली केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) इन अपराधियों को वापस लाने के लिए काम कर रही है। भारत ने विदेशों से कानूनी मदद मांगने के लिए 74 न्यायिक अनुरोध भेजे। इनमें से 47 अनुरोधों को मंजूरी मिली है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109